MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
# शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 29 मार्च, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-88

*कांग्रेस समर्थक वकीलों ने सर्वोच्च न्यायाधीश को लिखा पत्र*

# अपने स्वार्थों के प्रति कांग्रेस बेशर्म : मोदी

➪ इसीलिए 140 करोड़ भारतीयों ने कांग्रेस को ठुकरा दिया

➪ चुनाव के समय वकीलों को न्यायपालिका की चिंता हुई

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

कांग्रेस समर्थक छह सौ वकीलों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को लिखे पत्र पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति रही है।

लगभग 50 साल पहले कांग्रेस ने बेशर्मी से अपने स्वार्थों को दुनिया के सामने रखा था। कांग्रेस पार्टी देश के प्रति किसी भी तरह से प्रतिबद्ध होना नहीं चाहती। पांच दशक पहले कांग्रेस पार्टी ने प्रतिबद्ध न्यायपालिका (कमिटेड जुडीशियरी) का जिक्र किया था। कांग्रेस बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता तो चाहती है, लेकिन कांग्रेस पार्टी राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से बचती है। प्रधानमंत्री ने कहा, अब कोई आश्चर्य नहीं कि इसी कारण 140 करोड़ भारतीय उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं।

गौरतलब है कि देशभर के लगभग 600 कांग्रेस समर्थित वकीलों ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखा। पत्र लिखने वालों में वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे से लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा सरीखे अधिवक्ताओं के नाम शामिल हैं। इन वकीलों ने चिट्ठी में न्यापालिका की अखंडता पर खतरे को लेकर चिंता जताई है। इन वकीलों का कहना है कि कुछ खास समूह न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं और कोर्ट के फैसलों पर असर डाल रहे हैं। कांग्रेस समर्थित वकीलों के पत्र में बिना नाम लिए वकीलों के एक वर्ग पर निशाना साधा गया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि वे दिन में नेताओं का बचाव करते हैं और फिर रात में मीडिया के जरिए जजों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। चिट्ठी लिखने वाले वकीलों में आदिश अग्रवाल, चेतन मित्तल, पिंकी आनंद, हितेश जैन, उज्ज्वला पवार, उदय होला और स्वरूपमा चतुर्वेदी जैसे नाम शामिल हैं। इन वकीलों ने अपने पत्र में कहा है कि यह समूह राजनीतिक एजेंडों के साथ आधारहीन आरोप लगा रहे हैं और न्यायपालिका की छवि के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं।

## चुनाव के वक्त ही वकीलों ने क्यों लिखा पत्र?

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

कांग्रेस ने अपने समर्थक वकीलों से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखवाकर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की है। चुनावी प्रणाली के कानूनी मसलों के विशेषज्ञों का कहना है कि कांग्रेस समर्थक वकीलों द्वारा पत्र लिखा जाना चुनाव की प्रक्रिया में व्यवधान डालने का हथकंडा है।

यह स्पष्ट तौर पर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है, इसके खिलाफ चुनाव आयोग को संज्ञान लेना चाहिए। विधि विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि ऐसे वक्त में पत्र लिखने वकीलों को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से हिदायत दी जानी चाहिए।

वकीलों से यह पूछा जाना चाहिए कि पत्र में जिन मुद्दों का जिक्र है, वह चुनाव के वक्त का मुद्दा नहीं है। इसे पहले क्यों नहीं उठाया गया और इसे चुनाव के वक्त ही क्यों उठाया गया?

*देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का महत्वपूर्ण बयान*

# सरकार बदल सकती है अग्निवीर भर्ती योजना

## भविष्य सुरक्षित हो, जरूरत पड़ी तो बदलाव भी करेंगे

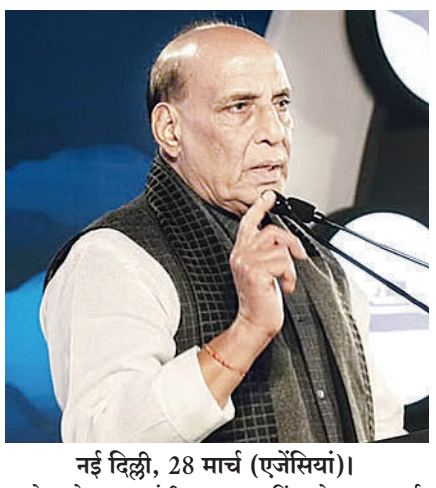

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि अगर आवश्यक हुआ तो उनकी सरकार अग्निवीर भर्ती योजना में परिवर्तन करने के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अग्निवीरों का भविष्य सुरक्षित रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को दो टूक शब्दों में कहा कि भारत और इसकी सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित है। देश के नागरिकों को सशस्त्र बलों पर पूरा भरोसा होना चाहिए। अग्निवीर योजना की आलोचना पर एक सवाल का जवाब में राजनाथ सिंह ने कहा कि ऐसे सवालों का कोई औचित्य ही नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर आवश्यक हुआ तो उनकी सरकार अग्निवीर भर्ती योजना में परिवर्तन करने के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अग्निवीरों का भविष्य सुरक्षित रहे। सेना में युवावस्था होनी चाहिए। मुझे लगता है कि युवा अधिक उत्साही हैं, वे अधिक तकनीक प्रेमी हैं। हमने इस बात का उचित ध्यान रखा है कि उनका भविष्य भी सुरक्षित हो, जरूरत पड़ी तो बदलाव भी करेंगे। युवा प्रोफाइल के लिए हर कोई स्वीकार करेगा कि सशस्त्र बलों को ऐसा करना चाहिए।

दिल्ली में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपनी लगभग 50 साल लंबी राजनीतिक यात्रा के किस्से भी साझा किए। भारत-चीन सीमा मुद्दे पर विपक्ष के नेताओं के सदस्यों समेत कई लोगों द्वारा उठाए गए सवालों पर उन्होंने कहा कि जो देश के हित में है वो मैं सब विपक्ष के साथ साझा करता हूं लेकिन कुछ चीजें है जिनका रणनीतिक महत्व है और हम उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं बता सकते हैं। कुछ मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से बोलने से बचने की कोशिश करता हूं।

सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं देश के हर नागरिक को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उन्हें हमारी सेना और सुरक्षा कर्मियों पर पूरा भरोसा होना चाहिए। पूर्वी लद्दाख में के कुछ इलाकों पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच साढ़े तीन साल से अधिक समय से टकराव चल रहा है, जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है।

एक निजी कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पांच साल तक रक्षा मंत्री और उससे पहले गृह मंत्री रहने के दौरान, मैंने जो देखा, समझा और आकलन किया है, उसके आधार पर मैं सभी से कह रहा हूं कि हमारी सीमाएं सुरक्षित हाथों में है। गौरतलब है कि पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद 5 मई, 2020 को पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध पैदा हो गया।

▶9पर

## महत्वपूर्ण मुद्दों पर सैन्य कमांडर करेंगे मंथन

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

सेना के कमांडरों ने कई महत्वपूर्ण सामरिक-रणनीतिक और सांगठनिक मुद्दों पर मंथन किया। सैन्य कमांडरों का यह सम्मेलन आज वर्चुअल माध्यम से हुआ जबकि एक और दो अप्रैल को सभी सैन्य कमांडर भौतिक रूप से सम्मेलन में उपस्थित रहेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 2 अप्रैल को वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को संबोधित करेंगे।

सम्मेलन की अध्यक्षता थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मनोज पांडे करेंगे। सम्मेलन में वैचारिक मुद्दों पर विचार मंथन के साथ ही सुरक्षा के समग्र हालात की समीक्षा की जाएगी। साथ ही यह सम्मेलन भविष्य का रुख तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों को सुगम बनाने वाली प्रमुख प्राथमिकताओं को तय करेगा। सम्मेलन को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में रक्षा सचिव और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। एक अप्रैल को फिजिकल रूप से होने वाले कार्यक्रम में सेना ▶9पर

# अरविंद केजरीवाल एक अप्रैल तक ईडी की हिरासत में रहेंगे

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को रिहा करने के लिए कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इन्कार कर दिया। ईडी ने कहा कि हमने केजरीवाल को इसलिए गिरफ्तार नहीं किया कि वह सीएम हैं बल्कि हमारे पास उनके खिलाफ ठोस साक्ष्य हैं। ईडी ने रिमांड मांगते हुए कहा कि मोबाइल फोन से डेटा निकाला गया है और उसका विश्-लेषण किया जा रहा है। 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल के परिसर में तलाशी के दौरान जब्त किए गए

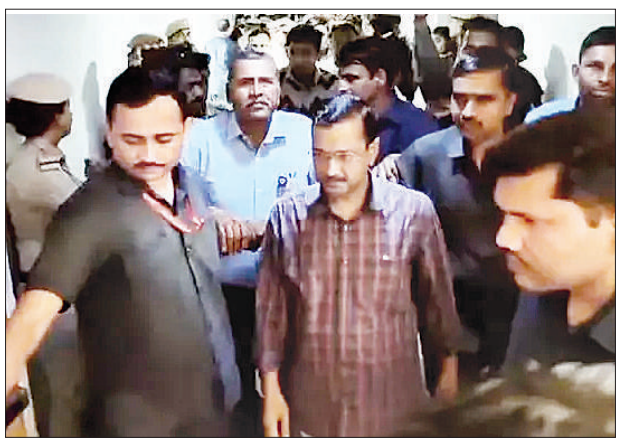

अन्य चार डिजिटल उपकरणों का डेटा अभी तक नहीं निकाला जा सका है।

ईडी ने कहा की आम आदमी पार्टी को जो रिश्वत मिली उसका इस्तेमाल गोवा चुनाव में किया गया। एक स्पष्ट कट श्रृंखला है। ईडी के पास यह दिखाने के लिए बयान और दस्तावेज हैं कि पैसा हवाला के माध्यम से आया था और इसका इस्तेमाल गोवा अभियान को वित्तपोषित करने के लिए किया गया था। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की ईडी रिमांड पर सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशायल ने सात दिन की रिमांड मांगी थी। ईडी की ओर से पेश हुए एएसजी एसवी राजू ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के बयान दर्ज किए गए हैं और उन्होंने गोलमोल जवाब दिए। एएसजी ने कहा कि वह जानबूझकर हमारे साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं।

## मुख्यमंत्री बने रहेंगे केजरीवाल

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग वाली याचिका खारिज हो गई है। दिल्ली हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता सुरजीत सिंह यादव ने याचिका दायर की थी। जिसमें उन्होंने अरविंद केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया था कि केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार एवं उपराज्यपाल के प्रधान सचिव से यह बताने को कहा जाए कि किस अधिकार के तहत केजरीवाल मुख्यमंत्री पद पर बने हुए हैं। एक वित्तीय घोटाले के आरोपी मुख्यमंत्री को सार्वजनिक पद पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। अरविंद केजरीवाल को सीएम पद से हटाने के लिए याचिकाकर्ता सुरजीत सिंह यादव ने बताया कि हाईकोर्ट में जो जनहित याचिका दायर की। उसमें मैंने कई पहलुओं को बताया। पहला पहलू गोपनीयता का है। दूसरा वह कैबिनेट मीटिंग नहीं ले पाएंगे। तीसरा, दिल्ली में सीएम हर विभाग के काम के बारे में दिल्ली एलजी को रिपोर्ट सौंपते हैं ऐसा भी नहीं हो सकता।

सीएम की जिम्मेदारी संभालना और एक सीएम के रूप में जेल से काम करना संभव नहीं है। इसलिए कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई। याचिका में सीएम पद हटाने की मांग की है। एक सीएम के रूप में उन्हें जो मासिक वेतन मिलता है एक विधायक से भी ज्यादा होता है। इसलिए अगर वह सीएम के रूप में काम करने में सक्षम नहीं है तो उस पैसे को भी न दिया जाए। याचिकाकर्ता सुरजीत सिंह यादव दिल्ली के रहने वाले हैं। ▶9पर

## अंतरिक्ष में स्टार्टअप की मदद से उपग्रह भेजने की तैयारी

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

अंतरिक्ष जगत के स्टार्ट-अप स्काईरूट ने गुरुवार को विक्रम-1 रॉकेट के चरण-2 का सफल परीक्षण किया। कंपनी को इस साल के अंत में एक उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने की उम्मीद है। कंपनी के मुताबिक विक्रम-1 प्रक्षेपण यान के चरण-2 को कलाम-250 कहा जाता है। यह हाई पावर कार्बन मिश्रित मोटर है जो रॉकेट को वायुमंडलीय चरण से बाहरी अंतरिक्ष में ले जाएगा। कलाम-250 का परीक्षण आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में हुआ। गुरुवार को 85 सेकंड तक चले परीक्षण के बारे में स्काईरूट एयरोस्पेस के सह संस्थापक और सीईओ पवन चंदना ने बताया कि यह भारतीय अंतरिक्ष उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। ▶9पर

## सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 69,820/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 77,190/-
(प्रति किलोग्राम)

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY

GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

## शेयर मार्केट

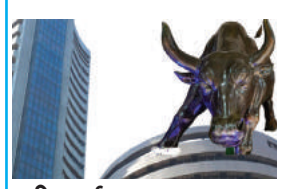

बीएसई : 73,651.35
+655.04 +0.90% ↑
एनएसई :22,326.90
203.25 (0.92%) ↑

## शिवसेना में शामिल हुए फिल्म अभिनेता गोविंदा

मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा

**मुंबई, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

फिल्म अभिनेता गोविंदा गुरुवार को शिवसेना में शामिल हो गए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। इसके बाद यह चर्चा है कि शिंदे की पार्टी उन्हें मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से टिकट दे सकती है। ऐसा हुआ तो वे शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे।इससे पहले बुधवार को गोविंदा ने शिंदे खेमे के नेता और शिवसेना के पूर्व विधायक कृष्णा हेगड़े से मुलाकात की थी, ▶9पर

**चुनाव के पहले भाजपा ने विपक्षी पार्टियों से तोड़े 80 हजार नेता**

# चुनाव तक भाजपा की टोकरी में एक लाख 'नेता' जमा करने का लक्ष्य!

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

लोकसभा चुनाव के पहले विपक्षी गठबंधन को जर्जर करने में भारतीय जनता पार्टी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही। इसके लिए भाजपा पूरे देश में साम दाम दंड भेद का पूरा इस्तेमाल कर रही है। जिन राज्यों में कांग्रेस से भाजपा का सीधा मुकाबला नहीं है और वहां पर अगर कोई क्षत्रप मजबूत है, तो भाजपा उनसे गठबंधन कर रही है। जहां कोई क्षत्रप नहीं है और भाजपा का सीधा मुकाबला कांग्रेस से है, वहां भाजपा कांग्रेस के नेताओं को तोड़ कर पार्टी में शामिल कर रही है। इससे पार्टी को दोहरा लाभ दिखाई दे रहा है। इससे कांग्रेस कमजोर हो रही है और भाजपा की ताकत में इजाफा हो रहा है। लिहाजा, कांग्रेस के नेताओं को तोड़कर भाजपा में शामिल कराने में भाजपा के नेता जुटे हुए हैं। देशभर की विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के 80,000 नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। इन नेताओं में राष्ट्रीय नेताओं के साथ-साथ क्षेत्रीय नेता भी शामिल हैं। भाजपा का लक्ष्य लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी पार्टियों के करीब एक लाख नेताओं को पार्टी में शामिल करना है। हाल ही में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम किरण कुमार रेड्डी और टीएमसी के अर्जुन सिंह समेत कई नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। ▶9पर

## नवनीत राणा भाजपा में शामिल

**नागपुर, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

महाराष्ट्र में अमरावती की निवर्तमान सांसद नवनीत राणा बुधवार को आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गईं। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने नवनीत का पार्टी में ▶9पर

## माफिया मुख्तार अंसारी की इलाज के दौरान मौत, जेल में आया था हार्ट अटैक

**बांदा, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

पूर्वांचल के सबसे बड़े माफिया व डॉन मुख्तार अंसारी की गुरुवार को अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई । बांदा जेल में हार्ट अटैक आने के बाद मुख्तार को आनन-फानन में बांदा के रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। मेडिकल कॉलेज के डाक्टरों ने माफिया की मौत की पुष्टि कर दी है। मुख्तार की मौत को लेकर अस्पताल के मेडिकल बुलेटिन में कहा गया, आज शाम लगभग 8.25 बजे बंदी मुख्तार अंसारी पुत्र ▶9पर

## कार्टून कॉर्नर

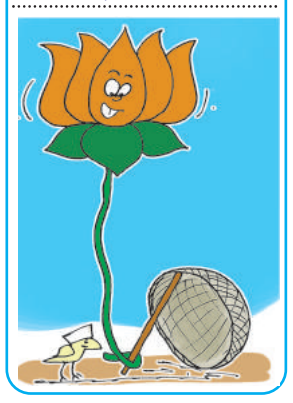

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $38^0$
न्यूनतम : $26^0$

# हमास ने यूएनएससी के प्रस्ताव को ठुकराया,गाजा में जारी रहेगी जंग

**जिनेवा, 28 मार्च (एजेंसियां) ।**

आतंकी संगठन हमास की अकड़ के चलते गाजा में हजारों लोगों की जान चली गई। महिलाएं,बच्चे और बुजुर्ग प्रताड़ना का शिकार हैं। लोगों को भोजन पानी और बुनियादी जरुरतों से वंचित कर दिया गया है। भुखमरी की कगार में पहुंचे गाजा में मानवता कराह रही है। इसके बाद भी हमास का दिल नहीं पसीज रहा। यूएनएससी ने शांति का प्रस्ताव दिया था,लेकिन हमास ने एक झटके में उसे ठुकरा दिया। अब संभावना जताई जा रही है कि जंग फिलहाल नहीं रुकेगी और किस अंजाम तक पहुंचे कोई नहीं जानता। हमास के बयान से कुछ समय पहले ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में बंदी बनाए गए सभी लोगों की रिहाई और तत्काल युद्धविराम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इस संबंध में मतदान से इजराइल और अमेरिका के बीच गतिरोध पैदा हो गया। अमेरिका ने मतदान में अपने 'वीटो' अधिकार का इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया। जवाब में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की प्रस्तावित वाशिंगटन यात्रा को निरस्त कर दिया। नेतन्याहू ने हमास की मांगों को खारिज कर दिया है। वहीं नेतन्याहू ने अमेरिका से भी नाराजगी जताते हुए कहा कि वह यूएनएससी में अपनी नीति से पीछे हट गया है। उसे इस प्रस्ताव के खिलाफ वीटो का इस्तेमाल करना चाहिए था क्योंकि प्रस्ताव में बंधकों की रिहाई की बात नहीं कही गई है। बता दें कि इससे पहले अमेरिका भी सीजफायर को लेकर एक प्रस्ताव पेश किया था लेकिन रूस और चीन ने इसपर वीटो लगा दिया था। इसमें बंधकों की रिहाई की भी बात कही गई थी। हमास ने इजराइल पर नए युद्धविराम प्रस्ताव की प्रमुख मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए इसे खारिज कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पास इस प्रस्ताव में युद्ध की समाप्ति और गाजा से सैनिकों की पूर्ण वापसी की बात कही गई है। मुस्लिम देशों द्वारा लाए गए यूएनएससी के अस्थायी सदस्यों के इस प्रस्ताव का चीन और रूस ने भी समर्थन किया था। वहीं अमेरिका ने वोटिंग से दूरी बना ली थी। हमास ने एक बयान में कहा कि उसने मध्यस्थों को सूचित किया है कि वह अपनी मूल स्थिति पर कायम है, जिसे मार्च की शुरुआत में बताया गया था। इसमें कहा गया है कि इजराइल ने 'व्यापक युद्धविराम, गाजा पट्टी से (इजराइली सैनिकों की) वापसी, विस्थापित लोगों की वापसी और वास्तविक कैदियों की अदला-बदली' की उसकी मूल मांगों का जवाब नहीं दिया है।

## न्यूज ब्रीफ

### जयशंकर का मलयेशिया दौरा खत्म डिजिटल मंत्री के साथ बैठक के बाद इन क्षेत्रों में सहयोग पर की चर्चा

**कुआलालंपुर ।** सिंगापुर और फिलीपींस के दौरे के बाद केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर मलयेशिया पहुंचे। मलयेशिया की दो दिवसीय दौरे का समापन हुआ। जयशंकर ने अपने दौरे का समापन मलयेशिया के डिजिटल मंत्री गोविंद सिंह देव से मुलाकात के साथ की। मलयेशिया पहुंचकर जयशंकर ने वहां के प्रधानमंत्री अनवर बिन इब्राहिम से मुलाकात की। जयशंकर ने उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से शुभकामनाएं भी दी। सोशल मीडिया पर जयशंकर ने कहा, मलयेशिया के प्रधानमंत्री से मुलाकात सम्मान की बात है। पारंपरिक और नए युग दोनों क्षेत्रों में मजबूत भारत-मलयेशिया संबंधों के लिए उनका दृष्टिकोण, हमें रिश्ते के लिए एक अधिक महत्वाकांक्षी एजेंडा तैयार करने में मदद करेगा। क्षेत्रीय विकास पर उनके मार्गदर्शन और अंतर्दृष्टि से लाभ हुआ है। जयशंकर ने भारत-मलयेशिया रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने में समर्थन के लिए प्रधानमंत्री अनवर का धन्यवाद किया। उन्होंने मलयेशिया के विदेश मंत्री हाजी मोहम्मद बिन हाजी हसन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इन दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक, व्यापार, आर्थिक, रक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में बातचीत हुई। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक हित के मुद्दों पर भी चर्चा की। केंद्रीय विदेश मंत्री जयशंकर ने डिजिटल मंत्री गोविंद सिंह देव से भी मुलाकात की। जयशंकर ने मलयेशिया दौरे का समापन करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा, डिजिटल मंत्री गोविंद सिंह देव के साथ मिलकर मैंने मलयेशिया में अपना कार्यक्रम संपन्न किया। हमने व्यावसायिक अवसरों को तलाशने से लेकर डिजिटल सहयोग पर चर्चा की।

### अदालत ने नीरव मोदी के लंदन के घर को बेचने की अनुमति दी, करीब 55 करोड़ तक में हो सकता है सौदा

**लंदन ।** लंदन में नीरव मोदी के आलीशान अपार्टमेंट को बेचने की अनुमति लंदन उच्च न्यायालय ने दे दी। इस फैसले के बाद 103 मैराथन हाउस को 52.5 लाख पाउंड (करीब 55 करोड़ रुपये) में बेचा जा सकता है। फिलहाल, इस अपार्टमेंट को बेचने के लिए ट्राइडेंट ट्रस्ट कंपनी (सिंगापुर) पीटीई लिमिटेड दावेदार के रूप में शामिल है। दूसरी तरफ, ईडी का तर्क है कि संपत्ति बेचने के बाद मिलने वाली रकम से पंजाब नेशनल बैंक के कर्ज को अदा किया जाए। क्योंकि नीरव ने बड़े पैमाने पर पीएनबी से ही धोखाधड़ी की थी। फिलहाल, नीरव प्रत्यर्पण कार्यवाही का सामना कर रहा है।

### चीनी राष्ट्रपति-श्रीलंकाई पीएम के बीच हुई बैठक, स्वायत्ता से लेकर कर्ज तक के मुद्दे पर हुई दोनों नेताओं में चर्चा

**बीजिंग ।** चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने को श्रीलंका के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में मदद के लिए समर्थन का आश्वासन दिया है। जिनपिंग ने कहा कि श्रीलंका की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए चीन हमेशा खड़ा रहेगा। चीन और श्रीलंका के बीच हुई बैठक चीन और श्रीलंका ने बीजिंग में एक बैठक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मामलों में दोस्ती, शांति और एक-दूसरे के प्रति सम्मान के तहत काम करना जारी रखने पर सहमति जताई है। इसके साथ ही वे एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने पर भी सहमत हुए हैं। श्रीलंका ने एक बयान जारी करते हुए कहा, चीनी सरकार ने आश्वासन दिया है कि वह निरंतर श्रीलंका के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक प्रयासों के लिए समर्थन करते रहेंगे। श्रीलंका की स्वतंत्रता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए चीन हमेशा खड़ा रहेगा। चीनी राष्टपति जिनपिंग ने आश्वासन दिया कि श्रीलंका के विकास के लिए आवश्यक योजनाओं का चीन समर्थन करता है। दोनों देशों के बीच नौ नए समझौतों पर हस्ताक्षर चीनी राष्टपति जिनपिंग ने कहा, चीन रबड़ चावल समझौते को आगे बढ़ाने के लिए श्रीलंका के साथ काम करने को इच्छुक है जो राजनीतिक विश्वास को मजबूत करने, आत्मनिर्भर बनाने और एकता की विशेषता है। इससे पहले श्रीलंकाई पीएम गुणवर्धने ने चीनी प्रधानमंत्री ली किंग से मुलाकात की थी। दोनों देशों ने नौ नए समझौतों पर हस्ताक्षर किया। फिलहाल इन समझौतों पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जब श्रीलंका ने 2022 में खुद को डिफॉल्टर घोषित किया था, तब चीन श्रीलंका का सबसे बड़ा ऋणदाता था।

# बाल्टीमोर ब्रिज ढहने से अमेरिकी अधिकारियों को सताई आर्थिक चिंता, विशेषज्ञ बोले- मामूली होंगे असर

**वॉशिंगटन, 28 मार्च (एजेंसियां) ।**

अमेरिका में बाल्टीमोर में हाल ही में हुए एक जहाज के पुल से टकराने और उसके बाद पुल के ढह जाने की घटना का कई सेक्टर पर भारी असर पड़ रहा है। ऐसे में अमेरिकी अधिकारियों को आर्थिक चिंता सताने लगी है। हालांकि, विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि इसका असर मामूली और स्थानीय हो सकता है। यह है मामला दरअसल, 2.57 किलोमीटर लंबा फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज तब धराशायी हो गया, जब एक 10,000 कंटेनरों की क्षमता वाला 290 मीटर लंबा मालवाहक जहाज उससे टकरा गया था। पुल पर कई गाड़ियां भी पटाप्सको नदी में गिर गईं और कई लोगों के अभी भी लापता होने की खबर है। वहीं, बाल्टीमोर का बंदरगाह वाहन शिपमेंट के लिए अमेरिका का सबसे व्यस्त बंदरगाह है। 2023 में यहां से कम से कम 7.5 लाख वाहनों को भेजा गया था। बंदरगाह को अब अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। क्योंकि यहां बचाव कार्यों और जांच को शुरू किया गया है। इसका असर कई क्षेत्रों पर पड़ रहा है। स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर को लेकर परेशान अमेरिकी परिवहन मंत्री पीट बटिगीग ने कहा कि हम पुल के ढह जाने से स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर को लेकर परेशान हैं। करीब आठ हजार नौकरियां सीधे बंदरगाह गतिविधियों से जुड़ी हैं। उन्होंने बाल्टीमोर बंदरगाह को आयात और निर्यात के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, यह अमेरिका का सबसे बड़ा वाहन शिपमेंट बंदरगाह है। इसलिए इसका बाहरी क्षेत्रों पर भी असर पड़ सकता है, इसे लेकर हम चिंतित हैं। उन्होंने आगे कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि चैनलों को कितनी जल्दी फिर से खोला जा सकता है, हम जानते हैं कि यह रातोंरात नहीं हो सकता है। इसलिए, हमें इस बीच पड़ने वाले असर पर काम करना होगा। संसदीय रिसर्च सर्विस (सीआरएस) के अनुसार, बाल्टीमोर बंदरगाह 2021 में अमेरिका में कुल टन भार के हिसाब से 17वां सबसे व्यस्त बंदरगाह था। यह शुष्क थोक टन भार द्वारा 10वां सबसे व्यस्त और टीईयू (बीस फुट समकक्ष इकाई) में 15वां सबसे व्यस्त कंटेनर बंदरगाह था। शिपमेंट के पास कई विकल्प सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग के प्रोफेसर जोसेफ शॉफर ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि कुछ लागत में वृद्धि की उम्मीद की जा सकती है। शोफर ने बताया, बाल्टीमोर के रास्तों को

अतीत में उसकी लागत के कारण पसंद किया जाता था। अब शिपमेंट के पास अन्य बंदरगाहों से जाने का विकल्प है, जबतक यह बंदरगाह फिर से नहीं खोला जाता है। हालांकि यहां से जाने में अधिक समय लगेगा इसलिए, उम्मीद है कि हालात जल्दी खराब हो जाएंगे और धीरे-धीरे बेहतर होंगे। हालांकि, उन्होंने पुल ढहने के आर्थिक नतीजों को मामूली और स्थानीय होने की भविष्यवाणी की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आर्थिक नतीजे मामूली और मुख्य रूप से स्थानीय होंगे। दुनियाभर में इसका प्रभाव बहुत अधिक नहीं होगा प्रोफेसर जोसेफ शॉफर ने कहा, बाल्टीमोर हमेशा एक महत्वपूर्ण बंदरगाह रहा है। विशेष रूप से कोयला निर्यात और ऑटोमोबाइल आयात और कुछ मशीनरी निर्यात के लिए महत्वपूर्ण रहा है। बेशक, कई अन्य सामान भी इस बंदगाह के माध्यम से जाते हैं, लेकिन कम संख्या में। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि दुनिया भर में इसका प्रभाव बहुत अधिक होगा। यह एक स्थानीय मामला है। क्योंकि वैकल्पिक रास्ते मौजूद हैं।

### भारत के साथ जांच करना चाहता है कनाडा, ट्रूडो बोले- कनाडाई लोगों को बचाना हमारी जिम्मेदारी

**ओटावा ।** भारत द्वारा घोषित आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संबंध में जांच के अपडेट पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वे इस मामले की तह तक जाने के लिए भारत सरकार के साथ रचनात्मक रूप से काम करना चाहते हैं। भारत सरकार के साथ मिलकर जांच करना चाहते हैं ट्रूडो ट्रूडो से जब कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच में भारत के सहयोग के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने कहा, कनाडा की धरती पर कनाडाई नागरिक की हत्या कुछ ऐसा है जिसे हमें बहुत ही गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, विश्वसनीय आरोप है कि इसमें भारतीय एजेंट शामिल थे। यह कुछ ऐसा था, जिसे हमने हल्के में नहीं लिया। सभी कनाडाई लोगों को विदेशी सरकारों के अवैध कार्यों से बचाना हमारी जिम्मेदारी है। ट्रूडो ने बताया कि कनाडाई सरकार यह सुनिश्चित करती है कि इस मामले की उचित जांच की जा रही है। कनाडाई पीएम ने कहा, हम इस मामले की सतह तक जाने के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर रचनात्मक रूप से काम करना चाह रहे हैं। हम यह समझने क कोशिश कर रहे हैं कि यह कैसे हो गया हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं ।

# यूएन प्रमुख ने आपदा जोखिम कम करने के लिए विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया, एनडीएमए के इस अफसर को मिली जिम्मेदारी

**जिनेवा, 28 मार्च (एजेंसियां) ।**

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने आपदा जोखिम कम करने के लिए एक विशेष प्रतिनिधि को नियुक्त किया है। उन्होंने भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के शीर्ष अधिकारी कमल किशोर को इसके लिए चुना है।

### 55 साल के कमल किशोर को मिली जिम्मेदारी

महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि 55 साल के कमल किशोर को आपदा जोखिम कम करने के संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनडीआरआर) में आपदा जोखिम कम करने के लिए सहायक महासचिव और महासचिव के विशेष प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया है।

### पहले किसके पास था यह पद

बता दें, कमल किशोर जापान के मामी मिजुटोरी की जगह लेंगे। फिलहाल, वह राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) में सचिव के पद पर हैं। भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान किशोर ने आपदा जोखिम कम करने के लिए जी-20 कार्य समूह का नेतृत्व किया था। उन्होंने 2019 में क्लाइमेट एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन के विकास में भी योगदान दिया था। दुजारिक का कहना है, कमल किशोर सरकार, संयुक्त राष्ट्र और नागरिक समाज संगठनों के साथ काम कर चुके हैं। उन्हें वैश्विक, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर आपदा जोखिम में कमी, जलवायु कार्रवाई और सतत विकास में काम करने का भी लगभग तीन दशकों का अनुभव है। यूएनडीपी के साथ करीब 13 साल काम किया संयुक्त राष्ट्र ने कहा, एनडीएमए में शामिल होने से पहले किशोर ने जेनेवा, नई दिल्ली और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के साथ लगभग 13 साल काम किया। इस दौरान उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों में आपदा चिंताओं को कम करने के लिए वैश्विक वकालत की। इसके अलावा यूएनडीपी-कार्यक्रम के देशों का समर्थन करने के लिए किशोर ने आपदा जोखिम कम करने वाली सलाहकारों की एक वैश्विक टीम का नेतृत्व भी किया है।

## भारत-चीन सीमा विवाद पर बीजिंग में हुई बैठक, राजनयिक सैन्य चैनलों के माध्यम से शांति बनाने पर जताई सहमति

**बीजिंग, 28 मार्च ।**

भारत-चीन सीमा विवाद के बीच दोनों देशों ने इस मामले सो सुलझाने के लिए बीजिंग में एक बैठक की। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत-चीन सीमा विवादों को लेकर चीन की राजधानी बीजिंग में एक बैठक आयोजित की गई।

### भारत-चीन सीमा मामले पर बीजिंग में हुई बैठक

इस बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने की। उन्होंने बीजिंग में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। दूसरी ओर से चीन की तरफ से चीनी विदेश मंत्री इस बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधि के बीच भारत-चीन सीमा के पश्चिमी क्षेत्रों में वास्वविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर जारी विवाद पर चर्चा की गई।

बैठक के बाद दोनों पक्ष राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने पर सहमत जताई है। मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया, दोनों पक्ष राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से नियमित संपर्क बनाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। इससे पहले दोनों पक्षों के बीच पिछले साल नवंब में बैठक हुई थी।

### अरुणाचल भारत का अभिन्न हिस्साः मंत्रालय

हाल ही में चीन अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताया था। हालांकि, भारत ने इस दावे को खारिज कर दिया था। इससे पहले भी चीन कई बार अरुणाचल प्रदेश पर दावा कर चुका है, लेकिन विदेश मंत्रालय ने चीन के इन निराधार दावों को खारिज करते हुए कहा कि अरुणाचल उत्तरपूर्वी राज्य होने के साथ भारत का एक अभिन्न हिस्सा है। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि अरुणाचल के लोगों को भारत के विकास कार्यक्रम और परियोजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

# शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों का रिकॉर्ड रखने के लिए भारत ने लॉन्च किया डेटाबेस, जीओएफ की बैठक में हुआ एलान

**संयुक्त राष्ट्र, 28 मार्च (एजेंसियां) ।**

भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों को रिकॉर्ड करने और अपराधियों को जवाबदेह ठहराने की दिशा में काम करने के लिए एक नया डेटाबेस लॉन्च किया है। भारत की यूएन दूत रुचिका कंबोज ने इसकी जानकारी दी है। डेटाबेस की लॉन्च की घोषणा भारत के नेतृत्व वाले ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स (जीओएफ) के बीच उच्च स्तरीय बैठक में हुई।

### भारत ने लॉन्च किया डेटाबेस

रुचिका कंबोज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, यूएन के शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों को रिकॉर्ड करने और अपराधियों को जवाबदेह ठहराने की दिशा में काम करने के लिए एक नया डेटाबेस लॉन्च करके खुशी हो रही है।डेटाबेस को ऑनलाइन भंडार के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है। भारत द्वारा प्रायोजित इस डेटाबेस को यूनाइट अवेयर प्लेटफॉर्म पर होस्ट किया गया है। इस बैठक में रुचिका कंबोज ने पिछले वर्ष जीओएफ की प्रगति पर प्रकाश डाला। जीओएफ की स्थापना 2022 में हुई थी। इसे भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र परिषद की अध्यक्षता के दौरान ब्लू हेमलेट के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेह को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया गया था। भारत, बांग्लादेश, मिस्र, फ्रांस, मोरोक्को और नेपाल जीओएफ के सह अध्यक्ष हैं। इसमें 40 अन्य देश भी शामिल हैं।

जीओएफ की दूसरी बैठक हुई, जिसमें शांति सैनिकों को निशाना बनाने वाले अपराधियों के खिलाफ कानूनी ढांचे को मजबूत करने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। अंतर्राष्ट्रीय कानून आयोग के प्रतिष्ठित सदस्य और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बिमल पटेल ने इस विषय पर अपनी राय दी।

# भारत के विरोध के बावजूद बाज नहीं आया अमेरिका, केजरीवाल की गिरफ्तारी मामले में फिर बोला

**वॉशिंगटन, 28 मार्च (एजेंसियां) ।**

भारत की ओर से विरोध दर्ज कराए जाने के बावजूद अमेरिका बाज नहीं आया। अमेरिका ने एक बार फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले पर टिप्पणी की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस के बैंक खातों को सीज करने के मामलों पर अमेरिका करीबी नजर रखे हुए है। अमेरिकी राजनयिक को तलब करने पर मिलर ने कहा कि हम निष्पक्ष, पारदर्शी, समय पर कानूनी प्रक्रिया को प्रोत्साहित करते हैं। हमें नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होनी चाहिए।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया है। फिलहाल केजरीवाल ईडी की हिरासत में हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक दिन पहले भी केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी की थी। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में अमेरिकी

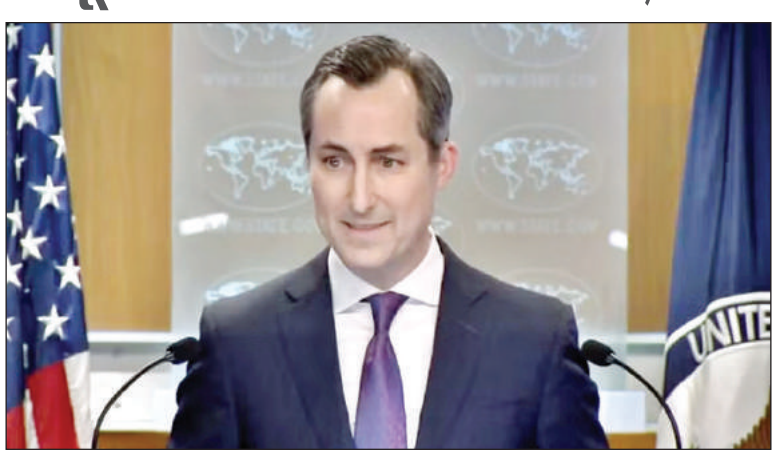

मिशन की कार्यवाहक उप प्रमुख ग्लोरिया बर्बेना को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया था और टिप्पणी को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बताया था।

वॉशिंगटन में विदेश विभाग की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान नई दिल्ली में अमेरिकी मिशन की कार्यवाहक उप-प्रमुख ग्लोरिया बर्बेना को तलब करने और कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज करने के संबंध में पूछे गए। इसपर मिलर ने कहा, हम कांग्रेस पार्टी के आरोपों से भी अवगत हैं कि टैक्स अधिकारियों ने उनके कुछ बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है, ताकि आगामी चुनावों में प्रभावी ढंग से प्रचार करना चुनौतीपूर्ण हो जाए। हम हर मामले में निष्पक्ष, पारदर्शी और समय पर कानूनी प्रक्रिया को प्रोत्साहित करते हैं। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई थी। मंत्रालय ने कहा था कि कूटनीति में, अन्य देशों से दूसरों की संप्रभुता और आंतरिक मामलों का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है। अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देश की ऐसे मामलों में जिम्मेदारी और भी अधिक है। नहीं तो इससे अस्वस्थ मिसाल कायम हो सकती है। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत की कानूनी प्रक्रिया स्वतंत्र न्यायपालिका पर आधारित है, जो उद्देश्यपूर्ण और समयबद्ध परिणाम के लिए प्रतिबद्ध है। उस पर सवाल उठाना अनुचित है।

### भारतीय सैनिकों की वापसी को लेकर हुए समझौते को सार्वजनिक नहीं किया जाएगा, बोली मालदीव सरकार

**माले ।** मालदीव सरकार ने कहा है कि वह द्वीपसमूह राष्ट में तैनात 88 भारतीय सैन्य कर्मियों को हटाने के लिए भारत के साथ हस्ताक्षरित समझौते का विवरण सार्वजनिक नहीं करेगी। मीडिया की जारी रिपोर्ट के मुताबिक मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) ने 11 मार्च को एक घोषणा की थी। इसके तहत यहां तैनात लगभग 25 भारतीय सैन्य कर्मियों का पहला जत्था 10 मार्च की समय सीमा से पहले सहमति के अनुसार हेलीकॉप्टर के संचालन को एक भारतीय नागरिक दल को सौंपने के बाद द्वीप राष्ट से रवाना हो गया।

# कांग्रेस की बेचैनी बढ़ी, तीन दिग्गज उम्मीदवार ईडी के घेरे में

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी ने सभी लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। लेकिन राज्य में कांग्रेस पार्टी को चुनाव से पहले कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ जहां भाजपा पूर्व की बघेल सरकार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार को चुनावी मुद्दा बना रही है, वहीं दूसरी तरफ कई कांग्रेसी उम्मीदवारों पर ईडी की जांच और कार्रवाइयों ने पार्टी की मुसीबत को बढ़ा दिया है।

दरअसल, कांग्रेस ने राज्य की 11 लोकसभा सीटों में से तीन सीटों पर ऐसे उम्मीदवारों को मौका दिया है, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। इनमें राजनांदगांव सीट से प्रत्याशी बनाए गए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, बस्तर सीट से प्रत्याशी कवासी लखमा और बिलासपुर से पार्टी उम्मीदवार देवेंद्र सिंह यादव शामिल हैं। पूर्व सीएम बघेल पर महादेव ऑनलाइन

सट्टा ऐप मामले में ईडी की जांच चल रही है। वहीं ईओडब्लू भी इस मामले में जांच पड़ताल कर रही है।

जबकि पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा राज्य के कथित शराब घोटाले में मामले में घिरे हैं। इस मामले में ईडी ने जांच के बाद प्रदेश में 2,161 करोड़ के शराब घोटाले में 70 व्यक्तियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें पूर्व मंत्री लखमा समेत कई पूर्व मंत्री,पूर्व विधायक और कई अफसर शामिल हैं।

इसी तरह भिलाई से विधायक देवेंद्र सिंह यादव राज्य के चर्चित कोयला घोटाला मामले में आरोपी हैं। प्रदेश में कोयला घोटाला बड़ा मुद्दा रहा है। ईडी के मुताबिक, कोयले के परिवहन में प्रति टन 25 रुपए की वसूली हुई है। इसमें नेता से लेकर अधिकारियों और कारोबारियों की मिलीभगत की बात सामने आई है। मामले में ईडी ने 540 करोड़ रुपए के कोयला घोटाला होने का तथ्य लाकर 70 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। इसमें कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव समेत कांग्रेस कई कांग्रेस नेता, पूर्व विधायक और कई आईएएस अफसरों के नाम शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता व पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि राजनीति में आरोप का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। आरोप तो पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह पर लगे थे। उनका नाम भी घोटाले में सामने आया था। अभी सरगुजा के भाजपा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज के खिलाफ भी एक मामला सामने आया था। कई प्रत्याशियों के खिलाफ मामले हैं। अभी जो सत्ता में है, वह चाहे जो कर सकता है, मगर आरोप होने से कोई दोषी नहीं है, इसका चुनाव में कोई असर नहीं पड़ेगा।

इधर, छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में पांच वर्षों तक भ्रष्टाचार हुए हैं। इनमें लगातार कार्रवाईयां भी हुई हैं। कई लोग जेल भी गए हैं। यह केवल आरोप नहीं है, यह घोटाला तो केंद्रीय एजेंसियों ने ही उजागर किया है। जिन लोगों को जेल हुई है, उनकी अभी तक जमानत नहीं हुई है। निश्चित रूप से लोकसभा चुनाव में भी भ्रष्टाचार मुद्दा बनेगा। इन चुनाव में जनता कांग्रेस को सबक सिखाएगी।

## नानकमत्ता के कारसेवक प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की हत्या

**ऊधम सिंह नगर, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

ऊधमसिंह नगर में आज सुबह बाबा तरसेम सिंह की हत्या कर दी गई। बाबा तरसेम सिंह नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारे में कार सेवा प्रमुख थे। हत्या की पूरा घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। वारदात के बाद से जिलेभर में हड़कंप मच गया। बाबा तरसेम सिंह नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारे में कार सेवा प्रमुख थे।

आज सुबह बाबा तरसेम सिंह परिसर में कुर्सी पर बैठे थे। तभी अचानक सामने से आए दो बाइक सवार बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी। गोलियां लगने से तरसेम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें फौरन खटीमा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। इस हत्याकांड को नानकमत्ता गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के जल्द होने वाले चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया गया है।

### हिमाचल के राज्यपाल बोले

## विधायकों का इस्तीफा मंजूर करना स्पीकर का अधिकार

**शिमला, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

हिमाचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा है कि तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे मंजूर करने के मामले पर वह कोई निर्देश जारी नहीं कर सकते हैं, वह केवल सलाह ही दे सकते हैं, क्योंकि यह विधानसभा अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र का मामला है। तीनों निर्दलीय विधायकों को भी उन्होंने यही कहा है कि यह केवल विधानसभा अध्यक्ष का अधिकार क्षेत्र है। राज्यपाल ने कहा, तीनों निर्दलियों ने पहले इस्तीफा विधानसभा सचिव को दिया और उसके बाद अध्यक्ष को भी व्यक्तिगत तौर पर मिलकर दिया। जो इस्तीफा अध्यक्ष को दिया गया है, उसकी एक प्रति तीनों निर्दलियों ने मुझे भी दी है।

इसलिए ही इसे मैंने स्पीकर को भेजा है और इसमें मध्य प्रदेश और कर्नाटक के मामलों का भी उल्लेख किया है कि वहां पर सुप्रीम कोर्ट से इस तरह के निर्णय आए हैं कि इस्तीफे तुरंत स्वीकार किए जाएं। अगर विधायक व्यक्तिगत तौर पर स्पीकर को इस्तीफे सौंपते हैं तो यह मंजूर किए जाने चाहिए। उनके ध्यान में कोर्ट के फैसले लाए गए हैं। हालांकि, इस विषय पर वह केवल सलाह ही दे सकते हैं। उनका कोई भी सांविधानिक अधिकार नहीं है। यदि विधानसभा अध्यक्ष के निर्णय से असंतोष है तो वे कोर्ट जा सकते हैं। उन्हें इस बात का संतोष है कि स्पीकर ने उन्हें जवाब भी भेजा है, जिसमें कुछ बातें की हैं। पर न्यायालय के फैसलों को देखते हुए वह यह मानते हैं कि यह इस्तीफे मंजूर किए जाने चाहिए।

## अरुणाचल के लिए भाजपा ने तैयार की स्टार प्रचारकों की सूची

**ईटानगर, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

अरुणाचल प्रदेश के लिए भाजपा की स्टार प्रचारकों की सूची में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सर्बानंद सोनोवाल, पीयूष गोयल और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को शामिल किया गया है। अरुणाचल प्रदेश में भाजपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तार तारक ने इसकी जानकारी दी है। गौरतलब है कि अरुणाचल प्रदेश में पहले चरण में 19 अप्रैल को दो लोकसभा सीटों और 60 विधानसभा क्षेत्रों के लिए एक साथ मतदान होगा।

भाजपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तार तारक ने बताया कि अमित शाह छह अप्रैल को पश्चिम सियांग जिले के आलो में एक चुनावी रैली को संबोधित कर सकते हैं। तारक ने कहा कि पार्टी के केंद्रीय

नेतृत्व द्वारा तारीख को अंतिम रूप दिया जाएगा और अब तक पार्टी ने राज्य में प्रचार के लिए पांच केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा के नामों को मंजूरी दे दी है।

गृह मंत्री अमित शाह के अलावा पार्टी के लिए प्रचार करने वाले अन्य केंद्रीय मंत्रियों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शामिल हैं। वहीं असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और असम के आवास एवं शहरी मामलों और सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल भी राज्य में चुनाव प्रचार में शामिल होंगे। नागालैंड के उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन और पर्यटन मंत्री तेमजेन इम्मा अलोंग भी पार्टी के स्टार प्रचारक सूची में हैं।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बियूराम वाहगे और अन्य वरिष्ठ नेताओं सहित अन्य कैबिनेट सहयोगियों के साथ विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। राज्य की दो लोकसभा सीटों के लिए 15 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमाएंगे। अरुणाचल पश्चिम लोकसभा सीट से कुल आठ उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जहां बहुकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है।

## पूर्व आईपीएस संजीव भट्ट को 20 साल की सजा

**अहमदाबाद, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

पालनपुर के 1996 के एनडीपीएस मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को 20 साल के कठोर कारावास और 2 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई है। पालनपुर के द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने उन्हें ये सजा सुनाई है। इससे पहले बुधवार को इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया गया था।

### वरुण गांधी ने बताया टिकट कटने का राज

## केंद्र की नीतियों के खिलाफ लिखी चिट्ठी टिकट कटने की वजह

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

वरुण गांधी ने पीलीभीत के लोगों के लिए लिखी चिट्ठी में बहुत सी भावुक बातें लिखी हैं। इसी चिट्ठी में वरुण गांधी ने पीलीभीत से उनका टिकट क्यों कटा, इसका भी इशारों-इशारों में बखूबी जिक्र किया है। वरुण गांधी ने अपनी चिट्ठी में स्पष्ट लिखा है कि वह राजनीतिक जीवन में आम लोगों का दर्द साझा करने आए थे।

भाजपा नेता वरुण गांधी ने गुरुवार को पीलीभीत के लोगों के नाम एक चट्ठी लिखी। वैसे तो चिट्ठी का पूरा मजमून यही है कि उनका पीलीभीत से बहुत करीबी नाता है और वह पीलीभीत के लोगों के लिए हमेशा खड़े रहेंगे। लेकिन इस चिट्ठी के अंत में वरुण गांधी ने एक लाइन में अपना वह

दर्द भी बयां कर दिया, जिसे लेकर सियासी गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चाएं हो रही थीं। सियासी गलियारों में वरुण गांधी की गुरुवार को लिखी गई चिट्ठी और ढाई साल पहले लिखी गई चिट्ठी से सीधा नाता जोड़ा जा रहा है। वरुण गांधी ने पीलीभीत की जनता को भरोसा दिलाया कि वह लोगों की समस्याओं और उनके दर्द को ऐसे ही उठाते रहेंगे। भले ही उसके लिए उन्हें कोई भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े। वरुण गांधी की चिट्ठी में उनका पीलीभीत से टिकट कटने का दर्द भी झलकता है।

दरअसल वरुण गांधी ने गुरुवार को लिखी चिट्ठी में जिस कीमत चुकाने का जिक्र किया है, वह ढाई साल पहले प्रधानमंत्री को लिखी गई चिट्ठी से सीधे तौर पर जुड़ रही है। 20 नवंबर 2021 को वरुण गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी थी। इस चिट्ठी में वरुण गांधी ने प्रधानमंत्री द्वारा तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा का स्वागत किया था। इसके अलावा उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर भी तत्काल फैसला लेने के लिए कहा था। ताकि आंदोलनरत किसान अपने घरों को वापस लौट सकें। वरुण गांधी ने किसान आंदोलन में मारे गए सभी 700 किसानों के लिए एक-एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिए जाने की भी मांग की थी। इसके अलावा उन्होंने लखीमपुर हिंसा मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी पर तत्काल कार्रवाई करने की भी मांग की थी।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि वरुण गांधी की इस चिट्ठी में वही मांगें थीं, जो विपक्ष के नेता और किसान आंदोलन में भाग लेने वाले आंदोलनकारी कर रहे थे। यही वजह थी कि वरुण गांधी की चिट्ठी के बाद न सिर्फ केंद्रीय नेतृत्व बल्कि केंद्र सरकार के साथ उनका टकराव बढ़ गया था। वरुण गांधी ने सिर्फ चिट्ठी के माध्यम से ही केंद्र सरकार पर निशाना नहीं साधा, बल्कि सोशल मीडिया पर भी वह हमलावर रहे।

## लगातार तीन तिमाहियों में वृद्धि दर आठ प्रतिशत से अधिक

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तिरुवनंतपुरम से भाजपा उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भारत की आर्थिक वृद्धि की गति पर विश्वास जताया। सीतारमण ने लगातार तीन तिमाहियों में 8 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर का हवाला देते हुए कहा कि हम आगे भी विकास दर को बनाए रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि तीसरी तिमाही में उल्लेखनीय 8.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

वित्त मंत्री ने कहा कि तमाम परेशानियों के बाद अर्थव्यवस्था इस स्तर पर पहुंची

है, तो हमें विश्वास है कि हम विकास की गति को बनाए रख सकते हैं। प्रत्येक राज्य को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने की आवश्यकता है। यह भारत का विकास है, न कि केवल एक पार्टी या राज्य का। उन्होंने कहा कि इस बात की संभावना है कि वित्तीय वर्ष 2024 के लिए विकास दर आठ प्रतिशत के आसपास रह सकती है। हालांकि, अभी से ऐसा दावा करना जल्दबाजी होगी, आंकड़े सामने आने पर ही हम आश्वस्त हो सकते हैं।

आर्थिक विस्तार को आगे बढ़ाने में मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, सीतारमण ने क्रय शक्ति को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने 2030 तक अनुमानित 70 करोड़ लोगों के साथ मध्यम वर्ग की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान लगाया, जो 2047 तक बढ़कर 100 करोड़ हो जाएगा।

सीतारमण ने भारत में आर्थिक गतिविधियों और सेवा क्षेत्र के विकास की व्यापक संभावनाओं को रेखांकित किया, इन अवसरों को भुनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने कहा, मध्यम वर्ग के हाथों में क्रय शक्ति बरकरार है और मांग बढ़ने के परिणामस्वरूप, 2030 तक हमारे पास मध्यम वर्ग में 70 करोड़ लोग होंगे और 2047 तक यह संख्या 100 करोड़ हो जाएगी। सीतारमण ने दोहराया कि भारत में विकास के लिए विशाल क्षमता है। उन्होंने इसे बनाए रखने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

### भाजपा ने पूछा अहम सवाल

## आतिशी के पास कहां से आया केजरीवाल का पत्र

### बिना दस्तखत की चिट्ठी को बताया फ्रॉड

**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

शराब नीति घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल की रिमांड को अदालत ने चार दिन यानी एक अप्रैल तक बढ़ा दिया है। इसी बीच भाजपा ने आम आदमी पार्टी से कुछ गंभीर प्रश्न किए हैं, जिसका जवाब आने के बाद आपा के कुछ नेताओं की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। भाजपा ने आम आदमी पार्टी नेताओं से यह प्रश्न पूछा है कि आखिर उन्हें प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्त में जेल में बंद अरविंद केजरीवाल का पत्र कैसे मिला?

दरअसल, इसके पहले ने संविधान के विशेषज्ञों से बात की थी। उनका मानना था कि प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्त में जेल में बंद कोई व्यक्ति पत्राचार नहीं कर सकता। सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति को भी जेल में रहने के बाद इस तरह के आदेश-निर्देश पत्र जारी करने की अनुमति नहीं होती। लेकिन इसी बीच भाजपा ने अरविंद केजरीवाल से पांच सवाल कर उसके लिए स्थिति असहज कर दी है। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आम आदमी पार्टी नेताओं से पूछा है कि दिल्ली की जनता मंत्री आतिशी से जानना चाहती है कि उन्होंने जो पत्र मुख्यमंत्री केजरीवाल का पत्र कह कर दिखाया वह उनके पास कहां से आया? किसने उन्हें वह पत्र दिया?

वरिष्ठ वकील आभा सिंह और अश्विनी उपाध्याय का मानना है कि विशेष परिस्थितियों में जेल में बंद व्यक्ति को पत्र लिखने या हस्ताक्षर करने की अनुमति दी जाती है, लेकिन इसके लिए अधिकारियों से पूर्वानुमति ली जाती है। इसके बारे में जेल अधिकारियों को पूरी सूचना दी जाती है। यदि अरविंद केजरीवाल ने बिना अनुमति के पत्र लिखे हैं, या उन पर हस्ताक्षर किये हैं तो इस मामले में उन पर नया मामला दर्ज किया जा सकता है।

यदि किसी व्यक्ति ने बिना अरविंद केजरीवाल के हस्ताक्षर का पत्र उनका बताकर मीडिया में सार्वजनिक किया है, यह फ्रॉड जैसे अपराध की श्रेणी में आता है और इस मामले में उचित धाराओं में केस दर्ज किया जा सकता है। हालांकि, इस मामले में असलियत में क्या हुआ है, इस पर जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

भाजपा ने यह भी पूछा है कि क्या जेल से सरकार चलाने की बात नैतिक रूप से सही है? भाजपा नेताओं ने कहा है कि केजरीवाल दुनिया में किसी एक मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री का उदाहरण दिखाएं, जिसने जेल से सरकार चलाई हो? जेल से सरकार चलाने की व्यावहारिकता पर भी प्रश्न उठाते हुए भाजपा ने पूछा है कि क्या यह व्यावहारिक होगा।

पार्टी ने पूछा है कि यदि जेल से सरकार चलाना नैतिक रूप से उचित है, तो केजरीवाल बताएं कि उन्होंने अपने दो मंत्रियों सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया से इस्तीफा क्यों लिया? भाजपा का आरोप है कि अरविंद केजरीवाल का आतंकवादी संगठनों से जुड़े लोगों से संवाद करने का मामला सामने आया है। एक आतंकवादी संगठन से जुड़े व्यक्ति का वीडियो सार्वजनिक है, जो उनसे संबंध होने और उन्हें पैसे देने की बात कह रहा है। भाजपा ने पूछा है कि केजरीवाल या आम आदमी पार्टी उसका खंडन क्यों नहीं कर रही है?

### जम्मू कश्मीर में लोकसभा चुनाव

## स्वतंत्र उम्मीदवारों की कम होती जा रही भागीदारी

**सुरेश एस डुग्गर**
**जम्मू, 28 मार्च।**

जम्मू कश्मीर में लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को मतदान होना है। हालांकि, देखा गया है कि इन चुनावों में स्वतंत्र उम्मीदवारों की भागीदारी धीरे-धीरे कम हो रही है। 2014 के चुनाव में उधमपुर-डोडा संसदीय क्षेत्र से आठ उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था, जिनमें तीन निर्दलीय भी शामिल थे।

राजनीतिक पंडितों का कहना है कि पहले संसदीय चुनावों को लेकर लोगों में मतदान और चुनाव लड़ने दोनों को लेकर खासा उत्साह रहता था। हालांकि, जबकि मतदान के प्रति

उत्साह उच्च बना हुआ है, चुनाव में भाग लेने वाले उम्मीदवारों, विशेषकर स्वतंत्र उम्मीदवारों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। वे इस गिरावट का कारण बढ़े हुए खर्च सहित स्वतंत्र रूप से संसदीय चुनाव लड़ने से जुड़ी चुनौतियों को मानते हैं।

2004 के संसदीय चुनावों में, 21 उम्मीदवारों ने इस क्षेत्र की सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा की, जिनमें से आठ स्वतंत्र उम्मीदवार थे। कांग्रेस, भाजपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस सहित 13 राजनीतिक दलों ने भी उम्मीदवार उतारे। हालांकि, 2019 के चुनावों तक, उम्मीदवारों की संख्या में काफी कमी आई थी, केवल पांच उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे, जिनमें से कोई भी स्वतंत्र नहीं था। जम्मू रियासी संसदीय क्षेत्र, जिसे पहले जम्मू राजौरी के नाम से जाना जाता था, में अब स्वतंत्र उम्मीदवार शायद ही कभी चुनाव लड़ते हैं। 2004 में इस सीट से 26 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था, जिनमें 15 निर्दलीय भी शामिल थे। हालांकि, बाद के चुनावों में स्वतंत्र उम्मीदवारों की संख्या में कमी आई, 2019 के चुनावों में केवल एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने भाग लिया।

जम्मू संभाग के दोनों संसदीय क्षेत्रों में स्वतंत्र उम्मीदवारों की संख्या में गिरावट स्पष्ट है। 2019 के चुनाव में 11 उम्मीदवारों में से केवल एक निर्दलीय उम्मीदवार था। इस प्रवृत्ति से पता चलता है कि जहां मतदाताओं का उत्साह ऊंचा रहता है, वहीं उम्मीदवार राजनीतिक दलों के बैनर तले चुनाव लड़ना पसंद करते हैं। इसके अलावा, क्षेत्र में हाल के संसदीय चुनावों में छोटे राजनीतिक दल भी कम दिखाई दे रहे हैं। अधिवक्ता धीरज चौधरी इस बदलाव का श्रेय 2014 के बाद से चुनावी गतिशीलता में बदलाव को देते हैं, यह देखते हुए कि संसदीय चुनावों में अब मुख्य रूप से राष्ट्रीय पार्टियां शामिल होती हैं। यह प्रवृत्ति केवल जम्मू संभाग के लिए ही नहीं है बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई है। स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने के लिए जनशक्ति और वित्त सहित महत्वपूर्ण संसाधनों की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, जम्मू संभाग में भौगोलिक बाधाएं सभी क्षेत्रों तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण बनाती हैं, जिससे स्वतंत्र उम्मीदवारों की संख्या और कम हो जाती है। परिणामस्वरूप, संसदीय चुनावों में स्वतंत्र भागीदारी में गिरावट जारी है।

# खनन माफिया पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

## दो आरोपी गिरफ्तार, वाहन, मशीन समेत विस्फोटक सामग्री बरामद

**धौलपुर,28 मार्च (एजेंसियां)।**

सरमथुरा थाना पुलिस ने गुरुवार को थाना क्षेत्र के बंध पुरा खनन इलाके में माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई अंजाम दिया है। दो ट्रैक्टर, दो कंप्रेसर समेत भारी तादाद में विस्फोटक सामग्री को बरामद किया है।अवैध खनन करते हुए तो माफियाओं को गिरफ्तार कर पुलिस ने आपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया है।

सरमथुरा थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया आईजी भरतपुर रेंज राहुल प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक सुमित के निर्देश में जिले भर में खनन माफियाओं के विरूद्ध आपरेशन अरावली अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिला पुलिस लगातार कार्रवाई कर खनन माफियाओं को सलाखों के पीछे भेज रही है। उन्होंने बताया गुरुवार को स्थानीय पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि थाना इलाके के लाल के पत्थर खनन एरिया में माफियाओं द्वारा अवैध तरीके से खनन किया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस थाने से टीम का गठन कर मौके पर कार्रवाई करने के लिए भेजा गया। पुलिस टीम ने सुनियोजित तरीके से घेराबंदी कर खनन माफिया 45 वर्षीय लाल सिंह गिलो राम मीणा निवासी बसंतपुरा एवं 21 वर्षीय हरिकेश मीणा पुत्र रामफूल मीणा निवासी डोमई को घेराबंदी कर दबोच लिया। खनन माफियाओं के कब्जे से दो ट्रैक्टर, दो कंप्रेसर मशीन, ड्रिल मशीन के साथ भारी तादाद में खनन करने के उपकरण

बरामद किए हैं। इसके अलावा पुलिस ने भारी में विस्फोटक सामग्री को भी बरामद किया है।

मौके से पुलिस ने 95 मीटर लालबत्ती, 35 गुल्ला जिलेटिन छड़,10 डोटनेटर को जब्त किया है। अचानक की गई कार्रवाई से खनन माफिया जंगल में कूद कर फरार हो गए। गिरफ्तार शुदा खनन माफिया लाल सिंह मीणा एवं हरिकेश मीणा के धारा 4,5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 व 30,33 वन अधिनियम एवं 286 आईपीसी में आपराधिक प्रकरण दर्ज किया है। खनन माफियाओं को गिरफ्तार कर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया पुलिस की कार्रवाई देख कुछ खनन माफिया जंगल में कूद कर फरार हो गए हैं। आरोपियों के संभावित ठिकानों पर पुलिस टीम पीछा कर दबिश दे रही है। उन्होंने बताया आरोपियों को पुलिस ने चिन्हित कर लिया है। फरार खनन माफियाओं को गिरफ्तार कर मामले में कानूनी कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा।

अजमेर-भारतीय जनता पार्टी के अजमेर लोकसभा सीट से प्रत्याशी भागीरथ चौधरी के चुनाव कार्यालय का गुरुवार को पूजा-अर्चना के साथ विधिवत रूप से उद्घाटन हुआ। भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी के का उद्घाटन करने के लिए प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा अजमेर पहुंचे और पूजा अर्चना में भाग लिया।

इस मौके पर डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने भागीरथ चौधरी को शुभकामनाएं देते हुए वहां मौजूद भाजपा नेताओं और पदाधिकारी को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी को वोट देने की अपली की। वहीं, दीया कुमारी ने भागीरथ चौधरी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चौधरी इस बार फिर से जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भाजपा 25 की 25 सीटें जीतेगी। अजमेर से मौजूदा सांसद भागीरथ इस बार पिछली बार से अधिक मतों जीत दर्ज करेंगे।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों से मोदी सरकार देश में अच्छा कार्य कर रही है। इस बार भी डबल इंजन की सरकार बनेगी। मोदी सरकार 400 पर करेंगी। मोदी सरकार के विकास कार्यों को जनता ने सराहा और विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने दर्ज की। इस मौके पर डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, प्रदेश महामंत्री ओमप्रकाश भड़ाना, भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी, नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा, केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम, मसूदा विधायक वीरेंद्र कानावत, अजमेर नगर निगम की महापौर ब्रजलता हाडा सहित कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# तीन थाना क्षेत्रों में की कार्रवाई

## 12 लाख रुपये की 60 ग्राम अवैध स्मैक बरामद, तीन गिरफ्तार

**जालोर,28 मार्च (एजेंसियां)।**

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जालौर पुलिस अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए सख्त नजर आ रही है। जिला पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए करीब 12 लाख कीमत की 60 अवैध स्मैक हीरोइन बरामद की। तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर परिवहन में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल को जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार ज़िला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना कोतवाली, बागरा और भीनमाल ने अलग-अलग कार्रवाई की। पुलिस थाना कोतवाली ने ग्राम स्मैक, पुलिस थाना बागरा द्वारा 01.32 ग्राम स्मैक सहित नकद 40150/- रुपये और पुलिस थाना भीनमाल ने 20.90 ग्राम स्मैक जब्त कर 03 मुलजिमानों को गिरफ्तार कर अवैध मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त 02 मोटरसाइकिल जब्त की है।

जालोर कोतवाली थानाधिकारी जसवंत सिंह के नेतृत्व गठित टीम ने थर्ड फेज जालोर में आरोपी नरेश कुमार पुत्र पुनमाराम जाति बिश्नोई निवासी पुनासा को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 37 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद हुई। अवैध मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त वाहन मोटरसाइकिल को जब्त है। आरोपी नरेश कुमार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान जारी है। जिले के बागरा पुलिस की कार्रवाई में जीत सिंह थानाधिकारी बागरा मय पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के गांव में दूध की डेयरी चलाने वाले एक व्यक्ति को दस्तयाब किया। उसके कब्जे से 1.32 ग्राम स्मैक (हिरोइन) व स्मैक और 40,150/- रुपये नकद बरामद किए। आरोपी विक्रम पुत्र पूनमाराम जाति विश्नोई निवासी भालनी गांव जिला साचोर हाल दूध की डेयरी डूडसी को गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज किया है।

# बस में सफर कर रहे युवक के बैग में मिले 71.80 लाख रुपए

**राजसमंद,28 मार्च (एजेंसियां)।**

राजसमंद जिले में देलवाड़ा पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान ट्रैवेल्स बस में रखे बैग से 71 लाख 80 हजार रुपये बरामद कर एक युवक को डिटेन किया है। इतनी बड़ी रकम को लेकर युवक बेहतर तरीके से जवाब नहीं दे पाया, जिसके बाद पुलिस ने जब्त कर युवक को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मामले की सूचना देकर उदयपुर से इनकम टैक्स की टीम को जांच के लिए बुलाया है।

देलवाड़ा पुलिस थाना इंचार्ज कमलेंद्र सिंह सोलंकी के अनुसार लोकसभा चुनाव को लेकर जिले में अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए पुलिस अधीक्षक त्रिपाठी के निर्देशन में देलवाडा पुलिस की टीम ने नेगडिया टोल नाके पर नाकाबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया। रात करीब 10 बजे भीलवाड़ा से अहमदाबाद चलने वाली ट्रेवल्स बस अंजनी पुत्र की तलाशी ली गई। इस दौरान बस में एक लावारिस बैग मिला, जिसे कोई भी अपना नहीं रहा था।

पुलिस ने बताया कि बैग के बारे में बस ड्राइवर और कंडक्टर से पूछताछ की गई तो उन्होंने बैग बस में बैठे संजय सेन (20) पुत्र बंसी लाल निवासी खटवाड़ा जिला भीलवाड़ा का होना बताया। पुलिस की टीम ने संजय से बैग के बारे में पूछताछ की वह संतुष्टिपूर्ण जवाब नहीं दे सका। बाद में बेग को खोलकर देखने पर उसमें 71 लाख 80 हजार रुपये मिले। इतनी बड़ी रकम के बारे में भी युवक सही जानकारी नहीं दे पाया। जिसके बाद पुलिस ने रुपये जब्त कर उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने राशि 10 रुपये से अधिक होने के कारण उदयपुर से इनकम टैक्स की टीम को मौके पर बुलाया।

# नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को अंतिम सांस तक कारावास

## 55 हजार रुपए का जुर्माना

**नारनौल,28 मार्च (एजेंसियां)।**

हरियाणा के नारनौल में नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में न्यायालय ने दोषी को अंतिम सांस कठोर कारावास के साथ 55 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं न्यायालय ने लीगल एड को पीड़िता के परिवार को पांच लाख की सहायता राशि प्रदान करने के भी आदेश दिए हैं। 28 मार्च को अमनदीप दीवान स्पेशल कोर्ट अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक

कोर्ट, पॉक्सो नारनौल की ने आरोपी विकास को दोषी करार देते हुए कठोर कारावास की सजा सुनाई और जुर्माना लगाया है। न्यायालय ने दोषी विकास को धारा 506 आईपीसी के तहत दो वर्ष कठोर कारावास, धारा 6 पॉक्सो एक्ट के तहत अंतिम सांस तक कठोर कारावास की सजा और धारा 12 पॉक्सो एक्ट तहत तीन वर्ष कठोर कारावास की सजा और 55 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है।

6 मई 2020 को नाबालिग पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर थाना कनीना में केस दर्ज किया गया था, जिसमें दोषी विकास की ओर से नाबालिग पीड़िता के साथ गलत काम करने, पीछा और परेशान करने के आरोप थे। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना कनीना पुलिस ने अविलंब अभियोग पंजीबद्ध किया था।

इसके बाद नाबालिग पीड़िता के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान करवाए गए तथा जांच इकाई की ओर से महत्व-पूर्ण साक्ष्यों का आंकलन कर अभियोग में प्रभावी कार्रवाई करते आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के सामने पेश किया गया था।

## कार की चपेट में आने से आठ साल के बच्चे की मौत

**फतेहाबाद ,28 मार्च (एजेंसियां)।**

फतेहाबाद के गांव धांगड़ के सालमखेड़ा रोड पर बनी ढाणी में वीरवार सुबह कार की चपेट आने से आठ वर्ष के इकलौते बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। बच्चा घर के बाहर खेल रहा था। बच्चा होली मनाने के लिए अपने नाना के घर आया हुआ था। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया है। घटना के बाद कार सवार से फरार हो गया। मामले के मुताबिक हिसार के सदलपुर निवासी हर्ष पुत्र कुलदीप होली पर्व पर अपने नाना महाबीर निवासी धांगड के घर आया था। वीरवार सुबह वह घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान सालमखेड़ा की तरफ से आ रही ऑल्टो कार ने बच्चे को टक्कर दी। परिजन तुरंत पीछे से आ रही दूसरी कार में बच्चे को अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

# सुरक्षा गार्ड के सिर में पत्थर से हमला कर हत्या

## गांव कुमासपुर के पास देवीलाल पार्क में पड़ा मिला शव

**सोनीपत,28 मार्च (एजेंसियां)।**

सोनीपत के गांव के पास स्थित देवीलाल पार्क में एक सिक्योरिटी गार्ड का शव पड़ा मिला है। उसके सिर व चेहरे पर पत्थर से हमला कर बेरहमी से हत्या की गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया है। युवक उत्तर प्रदेश का जा रहा है। उसके परिजनों का पता लगाया जा रहा है।

वीरवार सुबह देवीलाल पार्क में घूमने गए आसपास के लोगों ने एक युवक का शव पड़ा दिखाई दिया। वह सिक्योरिटी गार्ड की वर्दी पहने था। उसके सिर व चेहरे पर पत्थर से कई वार कर उसकी हत्या की थी। खून से सने पत्थर भी पास ही पड़े थे। मामले की सूचना के बाद पहुंची बहालगढ़ थाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस टीम शव की पहचान का प्रयास करने में जुट गई।

काफी मशक्कत के बाद जानकारी मिल सकी कि युवक मूलरूप से उत्तर के कानपुर का रहने वाला इमरान है। वह बहालगढ़ क्षेत्र में किराए पर रहकर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है। पुलिस टीम उसके परिजनों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बारे में पता लगने पर उन्हें अवगत कराया जाएगा। जिसके बाद का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

# बीबीएमबी के दो ट्रांसफार्मर में लगी आग

## पूरे शहर की बिजली गुल, तीन घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

**पानीपत,28 मार्च (एजेंसियां)।**

पानीपत के जीटी स्थित भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के दो ट्रांसफार्मरों में वीरवार अल सुबह आग लग गई। दोनों ट्रांसफार्मरों में आग लगने से आधे से अधिक जिले की बिजली गुल हो गई। दमकलकर्मियों ने रिफाइनरी, एनएफएल और थर्मल के दमकल विभागों की मदद से करीब तीन घंटे की मशक्कत के आग पर काबू पाया। इसके बाद बिजली सुचारु हो पाई। आग लगने से 400/220 केवी का ट्रांसफार्मर पूरी तरह से जल गया, जबकि दूसरा ट्रांसफार्मर आधे से अधिक जला है। बीबीएमबी के दो ट्रांसफार्मर जलने से शहर और ग्रामीण क्षेत्र में बिजली कटों की संख्या बढ़ गई है।

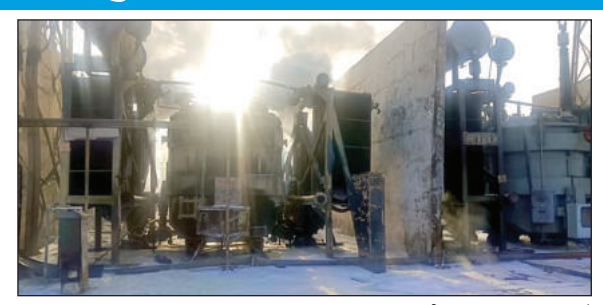

आग घटना वीरवार अल सुबह पांच बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार बीबीबीएम में ग्रिड से जुड़े 400/220 केवी ट्रांसफार्मर में आग लग गई। इसके साथ लगते दूसरे ट्रांसफार्मर ने भी आग पकड़ ली। दमकल विभाग की टीम आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची, लेकिन ट्रांसफार्मरों आग भयानक रूप ले गई। दमकलर्मियों ने रिफाइनरी, थर्मल और एनएफएल को सूचना दी। यहां से दमकल विभाग की टीम पहुंची। टीम ने फॉम मशीन से आग पर काबू पाया। इसमें करीब तीन घंटे तक लग गए। तब तक एक ट्रांसफार्मर पूरी तरह से जल चुका था और दूसरे आधे से अधिक आग लग गई थी। बीबीएमबी के अधिकारी भी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे।

**40 करोड़ रुपये है कीमत**

बीबीएमबी के जानकारों ने बताया कि मुख्य ट्रांसफार्मर की कीमत करीब 40 करोड़ रुपये है। इसको ठीक करने में चार से पांच महीने लगेंगे। बीबीएमबी के आला ने भी आग लगने के कारणों को जाना है। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

**आधे से अधिक जिले की बिजली गुल**

बीबीएमबी के ट्रांसफार्मर में आग लगते ही आधे से अधिक जिले की बिजली गुल हो गई। सुबह पांच से आठ बजे तक अंधेरा रहा। शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र की भी बिजली गुल रही। इसके बाद जिले में शेड्यूल बनाकर बिजली सप्लाई की गई। शहर और बाहरी कॉलोनियों में एक-एक घंटे की बिजली दी। इसके बाद लोगों को सुबह के समय ताजा पानी मिल पाया।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

अपने सामाजिक जीवन को दरकिनार न करें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा-सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। मुमकिन है कि आपके आँसुओं को पोंछने के लिए कोई ख़ास दोस्त आगे आए। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की मदद के बिना महत्वपूर्ण कामों को कर सकते हैं, तो आपकी सोच काफ़ी ग़लत है। हवन पूजा आदि का आयोजन घर मे होगा।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आप मानें या न मानें, आपके आस-पास को बड़े ग़ौर से आपको देख रहा है और आपको एक आदर्श मानता है। इसलिए ऐसे काम करें, जो क़ाबिले-तारीफ़ हों और आपकी प्रतिष्ठा को बढ़ाएँ। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। अगर आप जीवनसाथी के अलावा किसी और को अपने ऊपर असर डालने का मौक़ा दे रहे हैं, तो जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। किसी ख़ूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

अध्यात्म की सहायता लेने का सही समय है, क्योंकि मानसिक तनाव को मार भगाने के लिए यह सबसे बेहतरीन विकल्प है। ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रही हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। संयम और साहस का दामन थामे रखें। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

आर्थिक जीवन की स्थिति आज अच्छी नहीं कही जा सकती आज आपको आपको बचत करने में मुश्किलें आ सकती हैं। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आप अपने मातहतों से नाख़ुश हो सकते हैं, क्योंकि वे उम्मीद के मुताबिक़ काम नहीं कर रहे हैं। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। आप और आपका जीवनसाथी मिलकर वैवाहिक जीवन की बेहतरीन यादें रचेंगे

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अगर आप अपने साथी के नज़रिए को नज़रअंदाज़ करेंगे, तो वह अपना आपा खो सकता/सकती है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इज़ाफा होगा। लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी- लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। नवजात शिशु की ख़राब तबियत परेशानी का सबब बन सकती है। इस ओर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। डॉक्टर से भली-भांति सलाह लें, क्योंकि ज़रा-सी लापरवाही बीमारी को बद से बदतर बना सकती है। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है।

## शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 29 मार्च 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2080
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 08:23 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 08:36 तक
योग : वज्र रात्रि 11:10 तक
करण : बव प्रात: 07:44 तक
चन्द्रराशि : तुला दोपहर 02:29 तक
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 06:28 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 06:31 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:23 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:19 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : खरमास चालू हैं , गुड फ्राइडे

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# 25 शेयरों की खरीद बिक्री पर उसी दिन सेटलमेंट बीएसईने जारी की सूची, वैकल्पिक होगी व्यवस्था

**नई दिल्ली,28 मार्च (एजेंसियां) ।**

शेयर बाजारों में टी+0 सेटलमेंट का नियम लागू होने जा रहा है। बाजार नियामक सेबी की ओर से पेश किया यह नियम शुरुआत में 25 शेयरों पर लागू होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने इन शेयरों की सूची जारी कर दी है। टी+0 सेटलमेंट का मतलब है कि आप जिस दिन शेयरों की खरीद-बिक्री करेंगे, सेटलमेंट भी उसी दिन हो जाएगा। यह वैकल्पिक व्यवस्था सीमित संख्या में ब्रोकरों के लिए उपलब्ध होगी। बाकी के शेयरों पर टी+1 नियम लागू रहेगा। नए ढांचे के तहत वे सभी निवेशक टी+0 निपटान चक्र में भाग लेने के पात्र होंगे, जो बाजार बुनियादी ढांचा संस्थानों की ओर से निर्धारित समयसीमा, प्रक्रिया और जोखिम आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हैं। टी+0 सेटलमेंट अभी पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जा रहा है। इसमें शेयरों की खरीद-बिक्री का समय सुबह 9.15 बजे से दोपहर 1.30 बजे के बीच होगा। इस पर भी वही निगरानी उपाय लागू होंगे, जो टी+1 निपटान चक्र में शेयरों पर प्रभावी होते हैं।

**इन 25 शेयरों पर टी+0 सेटलमेंट नियम लागू** – बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने टी+0 सेटलमेंट बीटा वर्जन के लिए 25 शेयरों की सूची जारी की है। इनमें अंबुजा सीमेंट्स, अशोक लीलैंड, बजाज ऑटो, बैंक ऑफ बड़ौदा, बीपीसीएल, बिरलासॉफ्ट, सिप्ला, कोफोर्ज, डिविस लेबोरेटरीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, इंडियन होटल्स कंपनी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, एलटीआई माइंडट्री, एमआरएफ, नेस्ले इंडिया, एनएमडीसी, ओएनजीसी, पेट्रोनेट एलएनजी, संवर्धना मदरसन इंटरनेशनल, एसबीआई, टाटा कम्युनिकेशंस, ट्रेंट लि. और यूनियन बैंक।

**मजबूत होगा जोखिम प्रबंधन** – टी+0 सेटलमेंट के जरिये समग्र प्रतिभूति बाजार तंत्र में जोखिम प्रबंधन मजबूत होगा। निवेशकों के लिए लागत, समय दक्षता और शुल्क में पारदर्शिता आएगी। सेंसेक्स 526 अंक चढ़ा, निफ्टी 22,100 पार बैंक, वाहन व पेट्रोलियम शेयरों में लिवाली से शेयर बाजारों में तेजी लौटी।

## मार्च में 90 फीसदी घट सकता है सोने का आयात, रिकॉर्ड उच्च कीमतों से घटी मांग

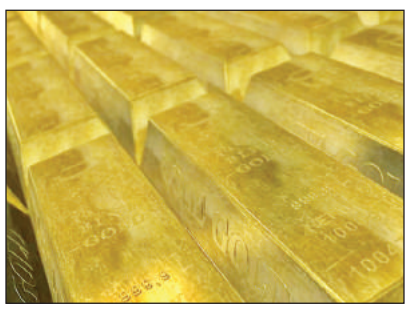

**मुंबई ।** देश का सोना आयात फरवरी, 2024 के मुकाबले मार्च में 90 फीसदी से अधिक घटकर कोरोना महामारी के बाद से अपने निचले स्तर पर पहुंच जाएगा। एक सरकारी अधिकारी और दो बैंक डीलरों ने बताया कि बहुमूल्य धातु की रिकॉर्ड उच्च कीमतों की वजह से मांग प्रभावित हुई है। इससे बैंकों ने सोने की खरीदारी में कटौती की है, जिससे आयात में बड़ी गिरावट आ सकती है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारत ने फरवरी में 110 टन सोने का आयात किया था। मार्च में यह घटकर 10-11 टन पर सीमित रह सकता है। व्यापार घाटे में आएगी कमी सोने के दूसरे सबसे बड़े उपभोक्ता भारत के कम आयात से वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातु की कीमतों में तेजी सीमित रह सकती है, जो इस माह की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी। आयात में गिरावट से भारत को व्यापार घाटा कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही, रुपये को भी समर्थन मिल सकता है। खरीदारी घटने की वजह जूलर्स 35 डॉलर प्रति औंस से अधिक छूट के बाद भी सोना नहीं खरीद रहे हैं क्योंकि रिकॉर्ड उच्च कीमतों पर आयात करने व मांग बढ़ने की प्रतीक्षा करने का कोई कारण नहीं है। ग्राहक ऊंची कीमतों के कारण सोने के पुराने आभूषणों को नए से बदल रहे हैं, जिससे जूलर्स ने बैंकों से सोना खरीदना बंद कर दिया है। सोना 150 रुपये महंगा चांदी 250 रुपये फिसली वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी से दिल्ली सराफा बाजार में सोना 150 रुपये महंगा होकर 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।चांदी 250 रुपये सस्ती होकर 77,250 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 66,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआथा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मजबूती के साथ 2,180 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ।

## अगले पांच वर्षों में कुछ और सुधारों की उम्मीद, 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष ने कही यह बात

**नई दिल्ली ।** 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने कहा कि भारत अगले पांच वर्षों में कुछ और सुधारों को लागू करके वास्तविक रूप से अपनी आर्थिक वृद्धि को मौजूदा 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत के करीब पहुंचा सकता है। पनगढ़िया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को व्यवसायों के लिए अनुकूल स्थान बनाने के लिए पिछले 10 वर्षों में कड़ी मेहनत की है, इसलिए निवेश आ रहा है। अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर- अरविंद पनगढ़िया एक निजी कार्यक्रम में बोलते हुए अरविंद पनगढ़िया ने कहा कि आज, अर्थव्यवस्था खुली है। अगले 2-3 दशकों में हम बहुत तेजी से विकास कर सकते हैं। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो पिछले डेढ़ साल में सबसे तेज है। भारत वर्तमान में वास्तविक रुपये में लगभग 7 प्रतिशत या प्रति वर्ष की दर से बढ़ रहा है।

## कोरोना काल के बाद जीडीपी वृद्धि में महाराष्ट्र और यूपी का सर्वाधिक योगदान, एसबीआई रिपोर्ट में दावा

**नई दिल्ली ।** भारतीय अर्थव्यवस्था ने कोरोना काल के बाद शानदार प्रदर्शन किया है। इस दौरान जीडीपी की

वास्तवित औसत वृद्धि दर 8.1 फीसदी पहुंच गई, जो कोविड-19 अवधि से पहले के 5.7 फीसदी से काफी अधिक है। एसबीआई की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना काल के बाद से घरेलू अर्थव्यवस्था में 235 आधार अंक की वृद्धि देखने को मिली है। इस वृद्धि में महाराष्ट्र ने 56 आधार अंक और उत्तर प्रदेश ने 40 आधार अंक का योगदान दिया, जो राज्यों में सबसे ज्यादा है। भारतीय जीडीपी की इस वृद्धि में अन्य राज्यों का योगदान 90 आधार अंक रहा। जीडीपी में इन राज्यों की भी अहम हिस्सेदारी रिपोर्ट के मुताबिक, सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के मोर्चे पर गुजरात ने अपने आर्थिक उत्पादन को उल्लेखनीय रूप से दोगुना कर दिया है। यह पिछले दशक में 2.2 गुना की वृद्धि को दर्शाता है।

# भारतीय मूल की डॉक्टर को पड़ी दो करोड़ रुपयों की जरूरत, मदद को आगे आए एलन मस्क

**ओटावा,28 मार्च (एजेंसियां) ।**

**साल 2020 को कभी नहीं भूलाया जा सकता है, जब कोरोना महामारी के कारण पूरी दुनिया ठहर गई थी। हर तरफ सिर्फ शव ही शव थे। आए दिन दुनिया में लाखों लोगों की मौत हो रही थी। तब सरकार ने कोरोना से बचाव के टीके का हल निकाला और वहीं लॉकडाउन भी लगा दिया। हालांकि, इसका भारतीय मूल की डॉक्टर कुलविंदर कौर गिल ने विरोध किया था। उन्होंने सरकार की ओर से लगाए गए लॉकडाउन और टीकाकरण के आदेश के खिलाफ बात की थी। उनके इस रुख के चलते उन्हें चिकित्सा संस्थानों की ओर से मुकदमों और एक्स (ट्विटर) के पिछले प्रबंधन द्वारा सेंसरशिप का सामना करना पड़ा।**

### कोविड से संबंधित पोस्ट करके कानूनी पचड़े में फंसीं

कनाडा में इम्यूनोलॉजी और पीडियाट्रिक्स (शिशु चिकित्सा) की विशेषज्ञ डॉक्टर गिल कोविड से संबंधित पोस्ट करके कानूनी पचड़े में फंस गई हैं। उन्हें कानूनी लड़ाई के लिए 300,000 कैनेडियन डॉलर (1,83,75,078 रुपये) की जरूरत है। इसे जुटाने के लिए उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, इस बीच उनके लिए एक अच्छी खबर आई है। उन्हें एक्स से समर्थन मिला है, जिसने उनके खर्चों को उठाने का वादा किया है।

### एलन मस्क का बयान

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने डॉक्टर गिल का पक्ष लेते हुए एक बयान जारी किया। एक्स ने कहा, %गिल कोविड लॉकडाउन के प्रयासों और सार्वजनिक टीकाकरण के आदेश के विरोध में कनाडा और ओंटारियो की सरकार के खिलाफ खुलकर ट्वीटर पर बोलीं थीं। इसलिए उन्हें मीडिया द्वारा परेशान किया गया। वहीं, पूर्व ट्विटर प्रबंधन द्वारा सेंसर किया गया था। इतना ही नहीं, ओंटारियों के कॉलेज ऑफ फिजिशियन और सर्जन द्वारा जांच और कार्रवाई के तहत उनके स्थायी सार्वजनिक रिकॉर्ड में सावधान शब्द जोड़ दिया गया था।

बयान में आगे कहा गया, जब एलन मस्क को इस सप्ताह की शुरुआत में कानूनी फीस का भुगतान करने के लिए गिल के क्राउडफंडिंग अभियान के बारे में पता चला तो उन्होंने मदद करने का वादा किया। एक्स अब डॉक्टर गिल की बाकी कानूनी प्रक्रिया के लिए फंडिंग करेगा ताकि वे फीस और आदेश से जुड़े 300,000 डॉलर चुका सकें।

### गिल ने किया था यह पोस्ट

रिपोर्ट के अनुसार, कानूनी कार्यवाही के कारण डॉक्टर गिल की जीवन भर की बचत खत्म हो गई है और उन पर भारी कर्ज हो गया है। भारतीय मूल की डॉक्टर वैक्सीनेशन की मुखर आलोचक रही हैं। उन्होंने अगस्त, 2020 में एक पोस्ट किया था, जिसमें लिखा था, अगर आपको अभी तक पता नहीं चला है कि हमें वैक्सीन की जरूरत नहीं है, तो आप ध्यान नहीं दे रहे हैं। हैशटेग फैक्ट्स नॉट फियर ।

उनकी पोस्ट की चिकित्सा से जुड़े लोगों ने आलोचना की थी। वहीं मीडिया में भी कई लोगों ने उनके खिलाफ तीखी बयानबाजी की थी। डॉ गिल ने 23 डॉक्टरों, पत्रकारों और समाचार आउटलेट्स पर मुकदमा दायर किया था। इन लोगों पर मानहानि का मुकदमा दायर किया था। हालांकि, एक जज ने सार्वजनिक भागीदारी के खिलाफ रणनीतिक मुकदमा विरोधी कानून का हवाला देते हुए मुकदमा खारिज कर दिया था। इसमें कहा गया था कि डॉक्टर गिल का इरादा सार्वजनिक मंच पर अपने आलोचकों की आवाजों को दबाना था। डॉ गिल को प्रतिवादियों के कानूनी खर्चों का भुगतान का निर्देश दिया गया था।

# कांग्रेस को एक और झटका देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने भी छोड़ी पार्टी

**:नई दिल्ली,28 मार्च ।**

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले एक पार्टी से दूसरी पार्टी में नेताओं के जाने का सिलसिला जारी है। हाल ही में कांग्रेस नेता नवीन जिंदल पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। बीजेपी ने उन्हें हरियाणा के कुरुक्षेत्र से प्रत्याशी भी बना दिया है। अब नवीन जिंदल की मां और देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने भी कांग्रेस छोड़ दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।

### दो लाख करोड़ से ज्यादा नेटवर्थ है सावित्री जिंदल का

भारत की सबसे अमीर महिलाओं की लिस्ट में सावित्री जिंदल का नाम सबसे ऊपर है। उनकी उम्र 84 साल है और वे जिंदल समूह का विशाल कारोबार संभालती हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार 28 मार्च 2024 तक सावित्री जिंदल की कुल संपत्ति 29.6 अरब डॉलर है। भारतीय मुद्रा में यह करीब 2.47 लाख करोड़ रुपये है। वैश्विक स्तर पर दुनिया के अरबपतियों की सूची में सावित्री जिंदल 56वें स्थान पर हैं।

### सावित्री जिंदल का राजनीतिक करियर

ओपी जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन सावित्री जिंदल ने 10 वर्षों तक हिसार निर्वाचन क्षेत्र से विधायक और हरियाणा सरकार में मंत्री रही हैं। साल 2005 में एक विमान दुर्घटना में उनके पति और जिंदल समूह के संस्थापक ओपी जिंदल की मृत्यु के बाद जिंदल को हिसार निर्वाचन क्षेत्र से हरियाणा विधानसभा के लिए चुना गया था। वह 2009 में हिसार से फिर चुनाव जीतीं। अक्टूबर 2013 में उन्हें हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया। साल 2006 में शहरी स्थानीय निकाय और आवास राज्य मंत्री के रूप में उन्होंने काम किया। हालांकि 2014 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में सावित्री जिंदल हिसार से हार का सामना करना पड़ा। अब उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया है।

# रनवे पर दो विमान एक दूसरे के संपर्क में आए, बाल- बाल बची यात्रियों की जान, डीजीसीए ने लिया ये एक्शन

**नई दिल्ली,28 मार्च (एजेंसियां) ।**

कोलकाता एयरपोर्ट पर एक बड़ा विमान हादसा टल गया, जब रन-वे से गुजरते हुए एक इंडिगो का एक विमान एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान के संपर्क में आ गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस का ये विमान कोलकाता से चेन्नई की तरफ जाने के लिए तैयार हो रहा था। इस मामले में विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने कार्रवाई करते हुए इंडिगो के पायलटों को रोस्टर से हटाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही नियामक ने इस मामले में एक विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं।

इंडिगो के प्रवक्ता ने इस हादसे के बारे में बताया कि कोलकाता हवाई अड्डे पर इंडिगो का एक विमान और एक अन्य विमान के साथ मामूली रूप से संपर्क में आ गया। प्रोटोकॉल के अनुसार, विमान निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई के लिए बे में लौट आया। इसके चलते इंडिगो की कोलकाता और दरभंगा के बीच उड़ान संख्या 6ई 6152 में देरी हो गई।

इंडिगो के अनुसार सभी यात्रियों को जलपान उपलब्ध कराया गया है और यात्रियों को होने वाले विलंब और असुविधा को कम करने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई है। इंडिगो यात्री सुरक्षा को सबसे

ऊपर प्राथमिकता देता है। प्रोटोकॉल के तहत घटना की रिपोर्ट डीजीसीए को सौंपी जाएगी।

### इंडिगो के विमान में चार शिशुओं समेत 135 यात्री थे सवार

वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से भी घटना की पुष्टि की गई है। एयरलाइन ने कहा है कि हमारा विमान चेन्नई के लिए निर्धारित प्रचालन से पहले कोलकाता के रनवे में प्रवेश की मंजूरी की प्रतीक्षा कर रहा था। इसी दौरान यह घटना घटी। आगे की जांच चल रही है, जिसके लिए हम नियामक और हवाई अड्डे के अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं।

# कुछ फिनटेक कंपनियों के खिलाफ जांच कर रहा प्रतिस्पर्धा आयोग, चेयरपर्सन बोलीं-फिल्म उद्योग पर है नजर

**नई दिल्ली,28 मार्च ।**

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) कुछ फिनटेक कंपनियों के खिलाफ जांच कर रहा है। साथ ही, प्रतिस्पर्धी डिजिटल बाजार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम भी उठा रहा है। सीसीआई की प्रमुख रवनीत कौर ने कहा, जांच में हम देख रहे हैं कि फिनटेक कंपनियां कैसे प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रही हैं और क्या इसके जरिये वे बाजार में प्रतिस्पर्धा को प्रभावित कर रही हैं उन्होंने इस संबंध में और जानकारी दिए बिना कहा, नियामक फिल्म उद्योग खासकर फिल्म वितरकों से संबंधित कुछ मामलों को भी देख रहा है।

सीसीआई चेयरपर्सन ने कहा, प्रतिस्पर्धा कानून को लेकर विभिन्न इकाइयों के बीच जागरूकता बढ़ी है। हमारा ध्यान 'विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन बनाने' पर है। नियामक का ध्यान बड़ी तकनीकी कंपनियों के साथ फिनटेक और ऑनलाइन मध्यस्थ सेवा प्रदाताओं सहित विभिन्न क्षेत्रों पर है। उन्होंने कहा, यह सब विनियमन व स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन बनाने को लेकर है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बाजार प्रतिस्पर्धी बना रहे और यह सभी संबद्ध पक्षों के लिए निष्पक्ष रूप से काम करे।

### स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से आर्थिकी पर पड़ेगा सकारात्मक असर

कौर ने कहा, बाजार खराब करने की गतिविधियों को दूर करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने से अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। नवाचार को गति मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा, आयोग डिजिटल बाजार से जुड़े मामलों में तेजी ला रहा है। यह अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष डिजिटल बाजार सुनिश्चित करेगा। हालांकि, नियामकीय परिदृश्य को लेकर कानूनी चुनौतियां भी हैं। हमारा ध्यान एक ऐसा परिवेश बनाने पर रहता है, जहां प्रतिस्पर्धा हो।

## अडाणी फैमिली ने अंबुजा सीमेंट में 6,661 करोड़ निवेश किया

# इससे कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 3.6 प्रतिशत बढ़कर 66.7 प्रतिशत हुई, शेयर में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी

**नई दिल्ली,28 मार्च (एजेंसियां) ।**

**बिलेनियर गौतम अडाणी के परिवार ने अंबुजा सीमेंट में 6,661 करोड़ रुपए निवेश किया है, जिससे सीमेंट बनाने वाली कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 3.6 प्रतिशत बढ़कर 66.7 प्रतिशत हो गई है। अंबुजा सीमेंट ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसके बारे में जानकारी दी है। इससे पहले अक्टूबर 2022 में वारंट के माध्यम से अडाणी फैमिली ने अंबुजा सीमेंट्स में 5,000 करोड़ रुपए का निवेश किया था। अधिग्रहण के बाद कंपनी के प्रमोटरों ने अब तक अंबुजा में 11,661 करोड़ रुपए निवेश किए हैं।**

कंपनी ने कहा कि इस निवेश से उसकी फाइनेंशियल सिचुएशन मजबूत होगी और हम डेवलपमेंट प्लान को आगे बढ़ाने के साथ इमर्जिंग अपॉर्चुनिटी का फायदा उठा सकेंगे। अडाणी ग्रुप ने जून 2022 में 10.5 बिलियन डॉलर में अंबुजा सीमेंट और एसीसी सीमेंट को खरीदा था।

**यह विजन और बिजनेस मॉडल में दृढ़ विश्वास का प्रमाण** – अंबुजा सीमेंट के सीईओ अजय कपूर ने कहा,हम अडाणी फैमिली के हिस्सेदारी बढ़ाने के फैसले की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। यह फंड अंबुजा को फास्ट-ट्रैक ग्रोथ के लिए कैपिटल फ्लेक्सिबिलिटी प्रोवाइड करता है।

यह न केवल हमारे विजन और बिजनेस मॉडल में दृढ़ विश्वास का प्रमाण है, बल्कि हमारे स्टेकहोल्डर्स को लॉग टर्म सस्टेनेबल वैल्यू क्रिएशन प्रोवाइड करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।

**अंबुजा सीमेंट के शेयर में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी** – अंबुजा सीमेंट के शेयर में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है। दोपहर 1 बजे कंपनी का शेयर 2.19 प्रतिशत तेजी के साथ 614 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा था। पिछले 6 महीनों में अंबुजा सीमेंट के शेयर में 46 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है।

**वॉरंट क्या होता है** – वॉरंट एक तरह का फाइनेंशियल कॉन्ट्रेक्ट होता है। कंपनियां इसका इस्तेमाल फंड रेज करने के लिए करती है।

ये निवेशकों को एक्सपायरेशन से पहले एक निश्चित कीमत पर उस कंपनी के निश्चित शेयर खरीदने या बेचने का अधिकार देता है।

भारतीय और अमेरिकी वॉरंट किसी भी समय एक्सपायरी डेट पर या उससे पहले एग्जीक्यूट किए जा सकते हैं, जबकि यूरोपीय वॉरंट केवल एक्सपायरी डेट पर ही एग्जीक्यूट हो सकते हैं। शेयर खरीदने का अधिकार देने वाले वॉरंट को कॉल वारंट कहा जाता है। वहीं, शेयर बेचने का अधिकार देने वालों को पुट वॉरंट के रूप में जाना जाता है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

# भाजपा की खातिरदारी में

पौधे फिर से जमीन से, उखड़े अपनी जमीर पर। कौन किसको झटका दे गया, कौन दे रहा और कौन दे पाएगा, इसको लेकर हिमाचल की राजनीति का खुद पर संशय है। भाजपा लगातार कांग्रेस को हैरान करने के सामर्थ्य में, अधिकांश भाजपाइयों को परेशान करने की जहमत उठा रही है। ऐसा जिगरा राजनीति के संदर्भों को पलटी मार रहा है या फैसलों की फेहरिस्त में अति आत्मविश्वास का खतरा पनप रहा है। पहले मंडी से कंगना और कांगड़ा से डा. राजीव भारद्वाज को उतार कर भाजपा ने कई कतारबद्ध पंक्तियां तोड़ी हैं, तो अब कल तक कांग्रेस के बागी विधायक ठहराए गए, आगामी उपचुनाव के गाल सहलाते हुए भाजपा के उम्मीदवार बने हैं। सभी छह पूर्व कांग्रेसी विधायक भाजपा की गलबहियों में ऐसा भविष्य संवारना चाहते हैं, जिसकी परिणति में अतीत और वर्तमान का बैर चस्पां है। इस फैसले का रायता कितना फैलता है, कुछ अंदाजा बेचारे मेहमानों के स्वागत पर छाई मायूसी बता रही है। पहले सवाल पचाने का है, फिर आगे बढ़ाने का है। ऐसा भी नहीं कि भाजपा की खातिरदारी में कोई कमी रहेगी, लेकिन चूल्हे पर चढ़ी तरकारी शिकायत कर रही। कमाल तो यह कि भाजपा द्वारा छह के छह पूर्व कांग्रेसी विधायकों को अपनाने के अपनत्व का घनत्व, गहरे राज लिए है। यह फांस किसके लिए, संपूर्ण क्रांति लाती है, यह कहना ठीक से भले ही मुश्किल हो, लेकिन दलबल का जादू शीर्षासन अवश्य कर रहा है। नई संगत में पारंगत होने की चुनौती देवेंद्र कुमार भुट्टो, चैतन्य शर्मा, रवि कुमार, इंद्रदत्त लखन पाल, राजिंदर राणा से सुधीर शर्मा तक है, तो इसकी सबसे बड़ी वजह भाजपा के भीतर ठनक रही थाली बता रही है। कुछ तो है तेरे मदीने में, वरना लोग क्यों घुटनों के बल फरियाद करते। जो आशंकाएं कंगना रनौत के आने से मंडी महसूस कर रही थी, उसका समाधान सोशल मीडिया कर रहा है। कंगना बनाम सुप्रिया श्रीनेत विवाद में झूमती राजनीति बता रही है कि उम्मीदवार दिया है तो भाजपा ने इंतजाम भी किया है। इसी तरह उपचुनाव में कांग्रेस के पूर्व विधायक झौंके हैं, तो घर और बाहर झाड़ू का इंतजाम किया है। यह सिर्फ नहले पे दहला का चुनाव न होता तो हिमाचल में सत्तारूढ़ कांग्रेस राज्यसभा की सीट न गंवाती, लेकिन इस बार चुनावी घालमेल में बड़ा व्यापार और हिसाब होगा। यह हिसाब कांग्रेस को लगाना है कि अपने ही विधायकों द्वारा खाली की गई सीटों पर अब किसे खड़ा करे। दूसरी ओर भाजपा को अपना राजनीतिक व्यापार दिखा कर घर को शांत और कांग्रेस के मोहल्ले को परेशान कैसे करना है। मंडी की सीट पर कंगना रनौत के बहाने स्त्री अस्मिता के प्रश्न पैदा करके भाजपा ने अपने चक्रव्यूह की रेंज बता दी है। पार्टी के पुराने घोड़े भले ही भगदड़ की चेतावनी दे रहे हैं, लेकिन भाजपा के अस्तबल में नए दौड़ रहे हैं। आखिर जनता केंद्र में जिसकी सरकार आने का सोच रही है, उसी की निगाह में उपचुनाव तौले जाएंगे। अगर दिल्ली में परिवर्तन की सुगबुगाहट सुनाई दी, तो सुक्खू के दिशा परिवर्तन में उपचुनाव लिखे जाएंगे, वरना फिर हिमाचल का मन ये उपचुनाव बताएंगे। आंकड़ों की रहोबदल में आरंभिक तौर पर कांग्रेस को बस एक कदम जीतना है, लेकिन दूसरे पलड़े का बढ़ता बोझ जख्मों को कितना सालता है, यह भी देखना है। कहना न होगा कि भाजपा फिर से घेराबंदी की फितरत में कांग्रेस को नचा सकती है, लेकिन इस बार घर के भीतर उठते बवाल को भी तो काबू में रखना होगा। निश्चित रूप से कांग्रेस के बागी विधायक इतने भी हल्के नहीं कि अपने हलकों में यूं ही शून्य हो जाएंगे। उन्हें सिर्फ यह वजह बतानी है कि क्यों अपनी ही सरकार की वजह से वे दरकिनार हुए। उनके पास सरकार के विरोध में सिर्फ तकरार नहीं, जनापेक्षाओं से जुड़े आंदोलन भी हैं। अपनी ही डेढ़ साल की सरकार की डींगों को पीटने के लिए मुद्दों के जमात, ये विरोधी उपचुनाव भी तो साबित हो सकते हैं।

> भाजपा लगातार कांग्रेस को हैरान करने के सामर्थ्य में, अधिकांश भाजपाइयों को परेशान करने की जहमत उठा रही है। ऐसा जिगरा राजनीति के संदर्भों को पलटी मार रहा है या फैसलों की फेहरिस्त में अति आत्मविश्वास का खतरा पनप रहा है। पहले मंडी से कंगना और कांगड़ा से डा. राजीव भारद्वाज को उतार कर भाजपा ने कई कतारबद्ध पंक्तियां तोड़ी हैं, तो अब कल तक कांग्रेस के बागी विधायक ठहराए गए, आगामी उपचुनाव के गाल सहलाते हुए भाजपा के उम्मीदवार बने हैं। सभी छह पूर्व कांग्रेसी विधायक भाजपा की गलबहियों में ऐसा भविष्य संवारना चाहते हैं, जिसकी परिणति में अतीत और वर्तमान का बैर चस्पां है। इस फैसले का रायता कितना फैलता है, कुछ अंदाजा बेचारे मेहमानों के स्वागत पर छाई मायूसी बता रही है। पहले सवाल पचाने का है, फिर आगे बढ़ाने का है। ऐसा भी नहीं कि भाजपा की खातिरदारी में कोई कमी रहेगी, लेकिन चूल्हे पर चढ़ी तरकारी शिकायत कर रही।

### कांग्रेस ने वहां से कुलदीप इंदौरा को प्रत्याशी बनाया है

# राजस्थान में वसुंधरा समर्थक सांसदों का सफाया

रमेश सर्राफ धमोरा

> पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे समर्थक विधायकों के बड़ी संख्या में टिकट काटे गए थे। अब लोकसभा चुनाव में भी उनके समर्थकों का सफाया हो गया है। सिर्फ वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह को झालावाड़ से पांचवीं बार सांसद का टिकट मिला है। श्रीगंगानगर सीट पर पांच बार के मौजूदा सांसद निहालचंद मेघवाल का टिकट काटकर अनूपगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष प्रियंका बैलान को प्रत्याशी बनाया गया है। प्रियंका बैलान प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ युवा मोर्चा में प्रदेश सचिव रह चुकी है।

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के सभी समर्थक सांसदों के टिकट काट दिए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे समर्थक विधायकों के बड़ी संख्या में टिकट काटे गए थे। अब लोकसभा चुनाव में भी उनके समर्थकों का सफाया हो गया है। सिर्फ वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह को झालावाड़ से पांचवीं बार सांसद का टिकट मिला है। श्रीगंगानगर सीट पर पांच बार के मौजूदा सांसद निहालचंद मेघवाल का टिकट काटकर अनूपगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष प्रियंका बैलान को प्रत्याशी बनाया गया है। प्रियंका बैलान प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ युवा मोर्चा में प्रदेश सचिव रह चुकी है। निहालचंद मेघवाल 1996, 1999, 2004, 2014 व 2019 में सांसद व 1998 में रायसिंह नगर से विधायक रह चुके हैं। उनके पिता बेगाराम चौहान 1977 में जनता पार्टी से व 1989 में जनता दल से सांसद व 1972 में रायसिंह नगर से स्वतंत्र पार्टी की टिकट पर विधायक रह चुके हैं। निहालचंद के भाई लालचंद चौहान भी 2003 में रायसिंह नगर से भाजपा के विधायक रह चुके हैं। ऐसे में निहालचंद मेघवाल का टिकट काटने का सिर्फ एक ही कारण रहा है। उनका वसुंधरा राजे गुट में होना। कांग्रेस ने वहां से कुलदीप इंदौरा को प्रत्याशी बनाया है। चूरू से भाजपा के दो बार सांसद रहे राहुल कस्वां का टिकट काटने का भी मुख्य कारण वसुंधरा राजे के नजदीकी होना था। राहुल कस्वां चूरू में मजबूत जनाधार वाले नेता माने जाते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में नेता प्रतिपक्ष रहे राजेंद्र राठौड़ के तारानगर से चुनाव हारने के चलते राहुल कस्वां का टिकट काटा गया है। राहुल कस्वां स्वयं 2014 व 2019 में चूरू से भाजपा टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चूरू से चार बार सांसद व सादुलपुर से विधायक रह चुके हैं। राहुल कस्वां के दादा दीपचंद कस्वां 1980 में सादुलपुर सीट से निर्दलीय व राहुल कस्वां की माता कमला कस्वां 2008 में सादुलपुर से भाजपा की विधायक रह चुकी है। उनकी माता कमला कस्वां चूरू की



जिला प्रमुख व पंचायत समिति प्रधान भी रही हैं। राहुल कस्वां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के छोटे भाई कुलदीप धनकड़ के दामाद है। फिर भी उनका टिकट महज राजेंद्र राठौड़ के विरोध के चलते काटा गया है। अब राहुल कस्वां कांग्रेस टिकट पर चूरू लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। झुंझुनू से नरेंद्र कुमार खीचड़ का टिकट काटकर उदयपुरवाटी से पूर्व में विधायक रहे शुभकरण चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया है। नरेंद्र खीचड़ भी वसुंधरा राजे के नजदीकी माने जाते रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले स्वयं वसुंधरा राजे ने उनको भाजपा में शामिल करवा कर 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा टिकट पर प्रत्याशी बनवाया था। 2019 में उन्हें वसुंधरा राजे की सिफारिश पर ही लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया गया था। झुंझुनू में कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला के सुपुत्र विजेंद्र ओला को प्रत्याशी बनाया है। जयपुर शहर लोकसभा सीट से भाजपा से दो बार लगातार सांसद व पूर्व जिला प्रमुख रहे रामचरण बोहरा का टिकट काटकर मंजू शर्मा को प्रत्याशी बनाया गया हैं। रामचरण बोहरा वसुंधरा राजे के नजदीकी लोगों में शुमार होते थे तथा उनके हर कार्यक्रम में पूरी सक्रियता से भाग लेते थे। इसी के चलते उनका टिकट काटा गया है। हालांकि मंजू शर्मा भी भाजपा के तीन बार प्रदेश अध्यक्ष व भाजपा की सभी सरकारों में मंत्री रहे दिग्गज नेता भंवरलाल शर्मा की पुत्री है तथा 2008 में हवामहल सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी बृजकिशोर शर्मा से मात्र 580 वोटो से चुनाव हार गई थी। चर्चा है कि मंजू शर्मा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सिफारिश पर भाजपा का प्रत्याशी बनाया गया है। दौसा से भाजपा सांसद जसकौर मीणा का टिकट काट दी गयी है। जसकौर मीणा पूर्व में सवाई माधोपुर से सांसद व बाजपेयी सरकार में राज्य मंत्री रह चुकी है। वह वसुंधरा राजे के नजदीकी मानी जाती है। दौसा सीट पर वर्तमान सांसद जसकोर मीणा अपनी पुत्री अर्चना मीणा को टिकट दिलवाना चाहती थी। वहीं राजस्थान सरकार में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा अपने भाई जगमोहन मीणा को टिकट दिलवाना चाहते थे। ऐसे में भाजपा ने वहां से चार बार विधायक व मंत्री रह चुके कन्हैयालाल मीणा को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने दौसा से मौजूदा विधायक मुरारीलाल मीणा को प्रत्याशी बनाया है। करौली-धौलपुर लोकसभा सीट से भाजपा ने मौजूदा सांसद मनोज राजोरिया का टिकट काट कर पूर्व प्रधान इन्दु देवी जाटव को प्रत्याशी बनाया है। मनोज राजोरिया 2014 व 2019 में सांसद बनने में सफल रहे थे। उनका वसुंधरा राजे के प्रति जुड़ाव किसी से छिपा हुआ नहीं है। इसी के चलते उनका टिकट काटा गया है। उदयपुर सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। यहां से लगातार दो बार सांसद रहे अर्जुनलाल मीणा का टिकट काटकर उनके स्थान पर परिवहन विभाग में कार्यरत मन्नालाल रावत को उम्मीदवार बनाया गया है। अर्जुन लाल मीणा वसुंधरा राजे गुट के माने जाते हैं। इसी के चलते उनका टिकट काट दिया गया है। कांग्रेस ने यहां से पूर्व जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा को प्रत्याशी बनाया है। बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट पर मौजूदा सांसद कनकमल कटारा का टिकट काटकर कांग्रेस से भाजपा में आए विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय को प्रत्याशी बनाया गया है। मालवीय प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पसंद माने जाते हैं। भीलवाड़ा लोकसभा सीट पर लगातार दो बार से सांसद बनते आ रहे सुभाष बहेड़िया का टिकट कटना भी तय माना जा रहा है क्योंकि यहां से अभी तक प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं हो पाई है।

दृष्टि कोण

# चुनौतियां अपार, आकर्षण बरकरार

पहाड़ों की ऊंचाइयों को फतह कर चोटी पर पहुंचने की चाहत हमेशा से मनुष्य को कुछ अद्भुत कर गुजरने के लिए प्रोत्साहित करती रही है। इसलिए संसाधनों के अभाव के बावजूद विश्व के दुर्गम इलाकों तक भी मनुष्य ने अपने जोश और जुनून के चलते पहुंच बनाई है। चाहे वह एवरेस्ट पर्वत हो अथवा उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों की खोज, कुछ हटकर करने की चाहत के चलते ही हजारों लोगों ने अपने नाम गिनीज बुक ऑफ वल्ड रिकॉड्र्स में दर्ज करवाने में सफलताएं हासिल की हैं। आज भी भारत और हिमाचल सहित अनेक राज्यों में ऐसे दर्शनीय स्थल हैं जहां पहुंचना अभी भी असंभव समझा जाता है। हिमाचल प्रदेश में एक ऐसा ही रमणीय अनछुआ और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर बैजनाथ उपमंडल का बड़ा भंगाल क्षेत्र है जहां सडक़ सुविधा न होने के कारण पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं माना जाता है। हिमालय की धौलाधार श्रृंखला में समुद्र तल से 2550 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बड़ा भंगाल एक सुंदर घाटी है। यह घाटी विशाल पहाड़ों से घिरी हुई है और बर्फ से ढकी चोटियों, हरे-भरे घास के मैदानों और चमचमाती नदियों के मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती है। 169 घरों और 620 के लगभग आबादी वाले बड़ा भंगाल गांव में लोग लगभग 7 महीने ही रहते हैं और जब बर्फ पड़ती है तो अधिकांश लोग बीड़ बिल्लिंग में आ जाते हैं जहां उनके घर हैं अथवा वे किराए के घरों में रहते हैं। इसी प्रकार वहां का स्कूल और पढने वाले बच्चे भी बीड़ स्थित स्कूल में स्थानांतरित हो जाते हैं। यहां पहुंचने के लिए बेहद दुर्गम, ढांकयुक्त खतरनाक दर्रों और पहाड़ों से होकर पहुंचना होता है। ढांकें इतनी खतरनाक कि एक बार पैर फिसला तो फिर बचाने वाला कोई नहीं। रोजगार के नाम पर जंगल से लकडियां चुनना, पशुपालन और भेड़-बकरियां पालना यहां के लोगों की मुख्य गतिविधियां हैं। दुर्गम इलाके में होने की वजह से और सडक़ मार्ग न होने के कारण इस गांव का भारत के शेष क्षेत्रों से संपर्क कटा रहता है। लोगों की आवाजाही बहुत कम है, सर्दियों में केवल बुजुर्ग लोग ही वहां घरों और पशुधन की देखभाल के लिए रह जाते हैं, जिनके समक्ष भयानक सर्दी जनित समस्याएं बरकरार रहती हैं। बड़ा भंगाल में एक आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी, पशु औषधालय, स्कूल, पीडब्ल्यूडी, आईपीएच और इलेक्ट्रिसिटी विभाग के कार्यालय तो हैं, लेकिन वहां कर्मचारियों की कमी खलती है। साईं फाउंडेशन ने वर्ष 2003-04 में 40 किलोवाट का एक हाइडल इलेक्ट्रिसिटी प्रोजेक्ट बड़ा भंगाल में लगाया था, लेकिन बाद में रखरखाव के अभाव के कारण वह बंद पड़ा है। बड़ा भंगाल के लोगों की 9 मांगें हैं जिनमें मुख्यतः सडक़ निर्माण, बिजली घर को ठीक करना, सामाजिक पेंशनधारकों को पेंशन राशि का समयबद्ध वितरण, जिनके बैंक अकाउंट बीड़ में हैं, लेकिन वह पिछले 4 सालों से अस्वस्थ होने की वजह से नहीं जा पा रहे हैं, को हेली सुविधा उपलब्ध करवाना शामिल हैं। बर्फ के दिनों में क्योंकि दो-ढाई सौ लोग ही गांव में रहते हैं, बीमार लोगों को मौके पर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचे, इसके लिए हेली सर्विस की मांग भी प्रमुख है। बड़ा भंगाल गांव में जो हेलिपैड है, उसे मरम्मत की दरकार है ताकि हेलिकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग हो सके। जब बात पहाड़ों पर चढने की और वादियों को निहारने की और ट्रैकिंग की आती है, तो शायद हिमाचल से बढिया एडवेंचर डेस्टिनेशन कोई दूसरा नहीं हो सकता है। उसमें भी बड़ा भंगाल एक ऐसा क्षेत्र है जिसे अनछुआ और चुनौतीपूर्ण समझते हुए साहसिक गतिविधियों में रुचि रखने वाले लोग ही वहां पहुंचना पसंद करते हैं। प्रतिवर्ष 200-300 ट्रैकर्स कुल्लू की काली हाण्णिए होली (चंबा) के रास्ते से और मुल्थान वाया थामसर जोत, बड़ा भंगाल पहुंचते हैं। एडवेंचर और ट्रैकिंग में रुचि रखने वाले लोग यहां आते रहते हैं जिनमें विदेशियों की काफी संख्या रहती है। अधिकांश टूरिस्ट और ट्रैकर्स अपने गाइड के साथ ही आते हैं। बड़ा भंगाल गांव की साक्षरता दर कम है। मनोरंजन के कोई साधन नहीं हैं। यहां के अधिसंख्य लोग ठाकुर राजपूत जातियों के हैं जिन्हें सरकार ने ओबीसी कैटेगरी में रखा है, लेकिन इनकी मांग है कि इन्हें अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाए। बड़ा भंगाल का इलाका वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी के अंतर्गत आता है। इसलिए रास्तों एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वन विभाग की स्वीकृति की आवश्यकता रहती है। इस प्रक्रिया को सरकार को आसान बनाना चाहिए। जिलाधीश कांगड़ा ने होली-चंबा के रास्ते जाने वाली पैदल पथ की मरम्मत के लिए 5 लाख और सोलर लाइट्स के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की थी। यह प्रसन्नता का विषय है कि इन्वर्टर और अन्य सामग्री घोड़े-खच्चरों द्वारा बड़ा भंगाल पहुंचाई जा चुकी है, जबकि हेलीकॉप्टर के माध्यम से सोलर पैनल भी पहुंचाए जा चुके हैं। हिम ऊर्जा विभाग (हिमाचल प्रदेश) द्वारा 61 लाख रुपए की लागत से 169 सोलर लाइट्स किट्स लगाई जा चुकी हैं। खुशी की बात है कि पिछली सर्दियों से पहले पहले बड़ा भंगाल के सभी 169 घरों में सोलर लाइट्स से घर रोशन हो चुके थे। सेक्रेटरी पीडब्ल्यूडी ने सडक़ निकालने और बंद पड़े सडक़ मार्ग के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने के आदेश दिए हैं। हिमाचल सरकार गर्मियों के सीजन में यदि चार महीनों के लिए ही सही ऑनलाइन बुकिंग द्वारा हेलीकाप्टर सेवा और बड़ा भंगाल में पर्यटकों के रहने-खाने की व्यवस्था एक पैकेज के तहत व्यवस्थित तरीके से करे तो निश्चित तौर पर बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आना और ठहरना चाहेंगे, जिससे न केवल बड़ा भंगाल क्षेत्र में पर्यटक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, अपितु राज्य की आर्थिकी को भी मजबूती मिलेगी। इस क्षेत्र की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होना चाहिए।

कुछ अलग

# सपने के टूटते कगार

अभी हमने सिर उठाया भी नहीं, कि उससे पहले ही उन्हें खतरा पैदा हो गया, कि ये लोग सिर उठाएंगे तो जीने की राह मांगेंगे। पीठ भरने का वसीला मांगेंगे। खोई हुई जानों का हिसाब मांगेंगे। इसलिए इससे क्या बेहतर नहीं कि ये सिर उसी प्रकार झुके रहें, और अपनी जान और माल की खैर खैरियत हमसे मांगते रहें। आप पूछ सकते हैं, कौनसी जान और कौनसा माल? क्या वह जान जो संक्रमित होकर इसलिए दम तोड़ गई, कि उसके फेफड़ों को चालू रखने के लिए प्राण वायु के सिलेंडर नहीं थे। किस माल की हिफाजत करने की बात कहते हैं आप? सुना नहीं है क्या, जर, जोरू और जमीन पर कब्जा ताकत वाले का होता है। ताकत तो अपने वंश दर वंश हवेलियों वालों को सौंप दी। रजवाड़ाशाही खत्म हो गई। देश के करोड़ों बांके नौजवानों ने एक लंबी लड़ाई लड़ कर सामंतवाद को नेस्तनाबूद कर दिया है। इतिहास ने बताया। फिर यहां बदल कर कहां से नए रजवाड़े और नए सामंत आ गए? ये नाम जनता के राज का लेते हैं और पहले तो उम्र भर अपनी कुर्सी नहीं छोड़ते, फिर वंशगत परम्परा में उनके वारिसों, आने वाले सब वारिसों की वोटों की वसीयत अपने नाम करवा लेते हैं। वोट डालने के दिन नजदीक आते हैं, तो जनता जनार्दन के टूटे सपनों के रूप खण्डहरों की मरम्मत होने लगती है। उन्हें नई वायवीय घोषणाओं की बैसाखियों के साथ खड़ा करके उपलब्धियों का एक नया सब्जबाग बना कर पेश कर दिया जाता है। इस जमाने का कोई भरोसा नहीं है, साब। जाने कब करवट बदल ले। जाने किस दांव अपना हाथ बदल अपनी हार को जीत में बदल दे। वैसे भी जीत का लड्डू हमेशा ही ऊपर वालों के हाथ रहता है। तब भी जब वोटें पडने का मौसम करीब आया, और आपने युगों से लम्बित अच्छे दिनों का सपना साकार होने का एक ट्रेलर हमें दिखा दिया और पूरी फिल्म दिखाने का सपना भविष्य के कंधों पर लाद दिया। लेकिन याद रखिए, कल, आज और कल में जो बीत गया वह कल तो कभी मुडक़र आता नहीं और आने वाला कल कभी मिलता नहीं, जब भी मिलेगा, वह यही आज बन कर ही मिलता है। वही रंग उतरा आज जिसमें आने वाले दिनों में अच्छे दिन दे देने के वायदों को दोहराया जाता है। उन लोगों ने दोहराया है, जो बरसों बाद आपका और भी निर्जीव होता चेहरा पहचानने चले आए थे। नए वायदों के कनकौओं के साथ, एक बार फिर से आकाश में उडने का एहसास दे रहे हैं। यह वे एहसास हैं जो काम किए बिना देश के आत्मनिर्भर हो जाने की तस्वीर बनाते हैं। आंकड़ों के ऐसे खेल दिखाते हैं कि गिरावट की ओर सटपट भागती अर्थव्यवस्था का शेयर सूचकांक बल्लियों उछलने लगता है। इन्होंने पूरा विश्व एक मंडी बना देने का वायदा किया था न। लीजिये पूरे विश्व में पैट्रोल और डीजल की कीमतें कम हो गईं हैं, फिर भी देश की चाल धीमी हो गई तो क्या? इस देश के लोगों को तो वैसे ही कीड़ी चाल से रेंगने की आदत है। धरती पर रेंगना और आकाशचारी होकर विकास के आंकड़ों के वायुयान की सवारी करना इनकी पुरानी आदत है। भैया, ये आंकड़े बहुत बड़ी चीज हैं। आप जितना चाहें आंकड़ों की सत्यता की जांच कर वैकल्पिक आंकड़े ले आएं, हमने संकट बचा लिया और अपनी कुर्सी भी। बस अब चुप लगा जाइए और अपनी जानों को कुर्सीधारियों की अमानत मानिए। वे खैरात बांटते रहेंगे, अब बस दुआओं से काम चलाइए। बदलाव के नारे मंचों तक सीमित रहे तो बेहतर।

देश दुनिया से

# पहले आम चुनाव के 25 में से 12 राज्य जो अब नहीं हैं

> अजमेर राज्य कभी भारत का एक राज्य था जिसकी राजधानी अजमेर शहर थी। इसकी स्थापना 7वीं शताब्दी में हुई थी और इस पर चैहान वंश का शासन था। बाद में यह मुगल साम्राज्य और फिर मराठों के नियंत्रण में आ गया। 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, अजमेर राज्य भारत के संघ में शामिल हो गया। 1950 में यह राजस्थान राज्य का हिस्सा बन गया। यह राज्य 1951-52 के आम चुनाव में शामिल रहा। स्वतंत्रता से पूर्व भोपाल राज्य भारत में एक रियासत थी जो 1723 से 1949 तक अस्तित्व में थी, जिसकी राजधानी भोपाल शहर थी। इसकी स्थापना एक अफगान कमांडर दोस्त मोहम्मद खान ने की थी और इस पर उनके वंश के वंशजों, भोपाल के नवाबों का शासन था। 1947 में, भारत के विभाजन के दौरान, रियासतों को भारत या पाकिस्तान में शामिल होने का विकल्प दिया गया था।

गणतांत्रिक भारत का अट्ठारहवां आम चुनाव देश के 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में हो रहा है। जिनमें 29 पूर्ण राज्य और शेष केन्द्र शासित प्रदेश है। लेकिन कभी भारत का प्रशासनिक ढांचा थोड़ा सा भिन्न था। इसमें 10 पार्ट-ए, 8 पार्ट-बी, 9 पार्ट-सी और एक पार्ट-डी राज्य थे। इनमें से 12 राज्य अब वजूद में नहीं हैं। अजमेर राज्य कभी भारत का एक राज्य था जिसकी राजधानी अजमेर शहर थी। इसकी स्थापना 7वीं शताब्दी में हुई थी और इस पर चैहान वंश का शासन था। बाद में यह मुगल साम्राज्य और फिर मराठों के नियंत्रण में आ गया। 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, अजमेर राज्य भारत के संघ में शामिल हो गया। 1950 में यह राजस्थान राज्य का हिस्सा बन गया। यह राज्य 1951-52 के आम चुनाव में शामिल रहा। स्वतंत्रता से पूर्व भोपाल राज्य भारत में एक रियासत थी जो 1723 से 1949 तक अस्तित्व में थी, जिसकी राजधानी भोपाल शहर थी। इसकी स्थापना एक अफगान कमांडर दोस्त मोहम्मद खान ने की थी और इस पर उनके वंश के वंशजों, भोपाल के नवाबों का शासन था। 1947 में, भारत के विभाजन के दौरान, रियासतों को भारत या पाकिस्तान में शामिल होने का विकल्प दिया गया था।



उस समय भोपाल के नवाब हमीदुल्ला खान ने भारत में शामिल होने का फैसला किया 1949 में, भोपाल राज्य का भारत संघ में विलय कर दिया गया और 1956 में भोपाल नवगठित राज्य मध्य प्रदेश का हिस्सा बन गया। इस राज्य में भी देश के पहले आम चुनाव हुये थे। 1951 तक, भोपाल राज्य में भोपाल शहर, बैरसिया, सीहोर, रायसेन, होशंगाबाद, इटारसी, नरसिंहगढ़, राजगढ़, विदिशा एवं सिरोंज आदि क्षेत्र थे। बॉम्बे राज्य भारत का एक राज्य था, जो 1950 से 1960 तक अस्तित्व में रहा। इसका निर्माण बॉम्बे प्रेसीडेंसी के क्षेत्रों को पश्चिमी क्षेत्र की रियासतों के साथ विलय करके किया गया था। सन-1957 तक बंबई राज्य कई परिवर्तनों से गुजरा। बॉम्बे राज्य का गठन 1 मई 1950 को राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के तहत किया गया था, जिसने राज्यों को भाषाई आधार पर पुनर्गठित किया था। इस राज्य में पूर्व बॉम्बे प्रेसीडेंसी के क्षेत्र शामिल थे, जिसमें वर्तमान महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के कुछ हिस्से शामिल थे। इतिहासकारों के अलावा कुर्ग राज्य शायद ही भारतवासियों के मस्तिष्क में सलामत होगा। यह राज्य हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ राज्यों की तरह भारत का एक पार्ट-सी राज्य था जो 1950 से 1956 तक अस्तित्व में था। जब 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ, तो अधिकांश मौजूदा प्रांतों को राज्यों में पुनर्गठित किया गया तो कूर्ग प्रांत कूर्ग राज्य बन गया। कूर्ग राज्य पर एक मुख्य आयुक्त का शासन था और मरकारा इसकी राजधानी थी। राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के अनुसार 1 नवंबर 1956 को कूर्ग राज्य को समाप्त कर दिया गया और इसके क्षेत्र को मैसूर राज्य (बाद में 1973 में इसका नाम बदलकर कर्नाटक कर दिया गया) में मिला दिया गया। वर्तमान में, कूर्ग कर्नाटक राज्य का एक जिला है। हैदराबाद राज्य भी भारत में एक रियासत थी जो 1724 से 1948 तक अस्तित्व में थी। इस पर निजामों का शासन था। यह भारत की सबसे बड़ी रियासत थी और अपनी सांस्कृतिक और भाषाई विविधता के लिए जानी जाती थी। क्षेत्रफल के मामले में भारत की सबसे बड़ी रियासत थी। इसमें लगभग 214,190 वर्ग किलोमीटर (82,865 वर्ग मील) के क्षेत्र था। यह भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिण-मध्य भाग में स्थित था। सन-1956 के राज्य पुनर्गठन अधिनियम में भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन हुआ तो हैदराबाद राज्य के तेलुगु भाषी हिस्सों को आंध्र प्रदेश बनाने के लिए आंध्र राज्य में मिला दिया गया, जबकि मराठी भाषी क्षेत्रों को बॉम्बे राज्य में मिला दिया गया, और कन्नड़ भाषी क्षेत्र मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) का हिस्सा बन गए। राज्य के तौर पर यहां 1951 में अंतिम आम चुनाव हुआ था। मध्य भारत नाम से भी 1956 तक एक राज्य था। जिसे मालवा संघ के नाम से भी जाना जाता था। यह पच्चीस रियासतों के विलय से 28 मई 1948 को बनाया गया था। संघ का क्षेत्रफल 120,380 वर्ग किमी था। ग्वालियर इसकी शीतकालीन और इंदौर ग्रीष्मकालीन राजधानी थी। इसकी सीमा दक्षिण-पश्चिम में बॉम्बे, उत्तर-पश्चिम में राजस्थान, उत्तर में उत्तर प्रदेश और पूर्व में विंध्य प्रदेश और दक्षिण-पूर्व में भोपाल राज्य और मध्य प्रदेश राज्यों से लगती थी। 1 नवंबर 1956 को, मध्य भारत, विंध्य प्रदेश और भोपाल राज्य के साथ मध्य प्रदेश में विलय कर दिया गया।

आप का नजरिया

# क्या चीन निशाने पर...?

पाकिस्तान में दो वारदातें ऐसी हुई हैं, जिनका निशाना चीनी नागरिकों की तरफ लगता है। पाकिस्तान की सुरक्षा समस्याएं एक बार फिर बदतर होती जा रही हैं। एक घटना बीते सोमवार को हुई, जब 'बलोच मुक्ति सेना' के चरमपंथियों ने पाकिस्तान के नौसेना बेस 'पीएनएस सिद्धिक' में घुसने की कोशिश की। यह खबर जानबूझ कर छिपा दी गई, अलबत्ता इसके फलितार्थ बेहद गंभीर हो सकते थे। यह हमलानुमा प्रयास ग्वादर बंदरगाह क्षेत्र पर किए गए हमले के करीब एक सप्ताह बाद किया गया। हालांकि सुरक्षा बलों ने हमले को नाकाम कर दिया। ग्वादर चीन पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर का केंद्रीय स्थान है, जबकि नौसेना बेस चीनी ड्रोन्स का आतिथ्य करता है। यदि बलोच चरमपंथी नौसेना अड्डे में घुसने में कामयाब हो जाते, तो न जाने क्या हो सकता था? पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र-खैबर पख्तूनख्वा-में 'बलोच मुक्ति सेना' अपनी आजादी की लड़ाई लड़ रही है। खनिजों से सम्पन्न बलूचिस्तान पाकिस्तान के व्यवहार, रवैये और वहां की हुकूमत को 'साम्राज्यवादी' करार देता रहा है। वहां के चरमपंथी पाकिस्तान की फौज पर भी हमले करते रहे हैं। चूंकि आर्थिक कॉरिडोर को 'बलोच चरमपंथी' पाकिस्तान के औसत गरीब को लूटने वाली परियोजना मानते रहे हैं। इससे फौज के जनरलों के 'संभ्रांत वर्ग' को ही फायदा है, क्योंकि उन्हें करोड़ों डॉलर के नए कर्ज चीन से मिलते रहे हैं। बहरहाल दूसरी वारदात एक आतंकी हमले सरीखी थी। बीते मंगलवार को पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में एक आत्मघाती हमले में चरमपंथियों ने 5 चीनी इंजीनियरों और एक पाकिस्तानी वाहन चालक को मार दिया। हमलावरों ने विस्फोटकों से भरे वाहन से उनकी गाड़ी को टक्कर मारी और विस्फोट जानलेवा साबित हुआ। चीनी इंजीनियर एक पनबिजली परियोजना पर काम कर रहे थे। हमला उस वक्त किया गया, जब वे इस्लामाबाद से कोहिस्तान की ओर जा रहे थे। आत्मघाती हमले से साफ है कि पाकिस्तान में आर्थिक कॉरिडोर के लिए सब कुछ ठीक नहीं है। चरमपंथी हुकूमत और फौज के प्रिय दोस्तों, चीनियों को, भी निशाना बना रहे हैं। हालांकि ऐसे चीनी इंजीनियरों को पाकिस्तान में पर्याप्त सुरक्षा-व्यवस्था मुहैया कराई जा रही है, लेकिन हमले रुक नहीं पा रहे हैं। 2023 में भी ग्वादर में चीनी नागरिकों पर हमला किया गया था, जिसमें चार चीनी मारे गए थे। पाकिस्तान आतंकवाद को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने में 'मास्टर' है। 'बलोच मुक्ति सेना' वर्षों से इस्लामाबाद के लिए 'कांटा' साबित होती रही है। पाकिस्तान के लिए आतंकवाद कई मायनों में स्वीकार्य है। हालांकि वहां भी आतंकवाद ने हजारों मासूम नागरिकों की जिंदगी छीनी है, फिर भी आतंकी हमलों से पाकिस्तान न तो चिंतित होता है और न ही बेचैन होता है। अब चीनी इंजीनियरों की हत्या को लेकर पाकिस्तान अपनी पुरानी दलीलें दे सकता है, लेकिन चीन भी उससे विमुख नहीं हो सकता, क्योंकि कॉरिडोर पर अरबों डॉलर खर्च किए जा चुके हैं और यह चीन के लिए बेहद महत्वाकांक्षी परियोजना है।

# रंग पंचमी का पर्व कल

## जानें पूजन विधि और इस दिन का महत्व

रंग पंचमी का पर्व हिंदू धर्म में बहुत महत्व रखता है। इस पर्व के दिन देवी-देवता को गुलाल लगाया जाता है। इस दिन विशेष तौर पर राधा-कृष्ण जी की पूजा-अर्चना की जाती है। आइये जानते हैं हिंदू पंचाग के अनुसार कब और क्यों मनाया जाता है रंग पंचमी का पर्व।

रंग पंचमी के दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। रंग पंचमी हर साल चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। रंग पंचमी को रंग खेलने वाली होली के 5 दिन के बाद मनाया जाता है।

साल 2024 में रंग पंचमी का पर्व 30 मार्च, शनिवार के दिन मनाया जाएगा। पंचमी पर मनाए जाने के कारण इस पर्व को रंग पंचमी कहा जाता है। देवी-देवताओं को गुलाल लगाया जाता है। इस दिन को होली उत्सव का आखिरी दिन माना जाता है। प्राचीन काल में होली के त्योहार को कई दिनों तक मनाया जाता था लेकिन चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को होली का अंतिम दिन माना जाता था।

इस पर्व को उत्तर भारत, महाराष्ट्र और भारत के अन्य हिस्सों में धूम-धाम से मनाया जाता है।रंग पंचमी के दिन राधारानी के बरसाने के प्रसिद्ध मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है।

### रंग पंचमी तिथि 2024

पंचमी तिथि प्रारम्भ - मार्च 29, 2024 रात 8:20 बजे

पंचमी तिथि समाप्त - मार्च 30, 2024 रात 9:13 बजे

भारत में कुछ स्थानों पर रंग पंचमी पर होली खेली जाती है। मथुरा और वृंदावन के कुछ मन्दिरों में भी रंग पंचमी के बाद होलिका उत्सव का समापन होता है।

### रंग पंचमी का महत्व

रंग पंचमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण राधा रानी के साथ होली खेला करते थे। रंग पंचमी के दिन देवी-देवताओं को गुलाल-अबीर अर्पित करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है।

### रंग पंचमी के दिन पूजा विधि

-रंगपंचमी के दिन सुबह स्नान करने के बाद व्रत-पूजा का संकल्प लें

-घर के किसी साफ स्थान पर राधा-कृष्ण की प्रतिमा स्थापित करें।

-तस्वीर के पास ही तांबे का पानी से भरा कलश भी रखें।

-इसके बाद तस्वीर पर कुंकम से तिलक लगाएं और फूल माला पहनाएं।

# शुक्रवार को लक्ष्मी जी की आरती का पाठ दिलाता है धन, वैभव और समृद्धि

इस संसार में धन की देवी लक्ष्मी की कृपा से धन, ऐश्वर्य, कीर्ति, वैभव की प्राप्ति होती है । मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए साधक तमाम पूजा, पाठ, मंत्र साधना और उपाय करते हैं। कहते हैं कि जिस पर धनलक्ष्मी का आशीर्वाद हो उसके वारे न्यारे हो जाते हैं। धर्म ग्रंथों में अष्टलक्ष्मी यानी लक्ष्मी जी के आठ स्वरूप का वर्णन है।

देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद पाना चाहते हैं तो रोजाना या फिर खासकर शुक्रवार को लक्ष्मी जी का पूजन कर आरती जरूर गाए। कल शुक्रवार है। इस दिन लक्ष्मी जी की आरती का पाठ बहुत ही लाभकारी माना जाता है, इस आरती से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी बना रहता है, समस्त मनोकामना पूरी होती है।

**लक्ष्मी जी की आरती**

ओम जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशिदिन सेवत, हरि विष्णु विधाता।।
ओम जय लक्ष्मी माता।।
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता।
सूर्य-चंद्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता।।
ओम जय लक्ष्मी माता।।
दुर्गा रुप निरंजनी, सुख सम्पत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता।।
ओम जय लक्ष्मी माता।।
तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभदाता।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता।।
ओम जय लक्ष्मी माता।।
जिस घर में तुम रहतीं, सब सदुण आता।
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता।।
ओम जय लक्ष्मी माता।।
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता।
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता।।
ओम जय लक्ष्मी माता।।
शुभ-गुण मंदिर सुंदर, क्षीरोदधि-जाता।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता।।
ओम जय लक्ष्मी माता।।
महालक्ष्मीजी की आरती, जो कोई जन गाता।
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता।।
ओम जय लक्ष्मी माता।।
सब बोलो लक्ष्मी माता की जय, लक्ष्मी नारायण की जय।

**धन लक्ष्मी के उपाय**

लक्ष्मीजी के किसी भी मंत्र का जप बुधवार या शुक्रवार से शुरू करें और नित्य कमल गट्टे की एक माला जाप करें। मान्यता है इससे आर्थिक तंगी नहीं झेलनी पड़ती।

गाय को रोजाना ताजी रोटी खिलाएं। घर में काली चीटियों को आटे में शक्कर मिलाकर खिलाएं। इससे धनलक्ष्मी जल्द प्रसन्न होती हैं।

लक्ष्मी जी की कृपा के लिए हमेशा अपनी पत्नी को सम्मान दें, ताकि शुक्र ग्रह प्रसन्न होकर आपके घर पे धनवर्षा कर सके।

# क्यों मनाया जाता है गुड फ्राइडे

## जानें प्रभु यीशु के बलिदान की कहानी

गुड फ्राइडे ईसाई समुदाय के खास पर्वो में से एक है। इसे भगवान यीशु के शोक दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को ग्रेट फ्राइडे, ब्लैक फ्राइडे या होली फ्राइडे का नाम भी दिया गया है। शुक्रवार, दि. 29 मार्च को गुड फ्राइडे मनाया जाएगा। ऐसा मान्यता है कि मानव जाति की रक्षा को लेकर प्रभु यीशु ने बलिदान दे दिया था। यीशु को यहूदी शासकों ने शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया था। इस दिन यीशु को सूली पर चढ़ाया गया। ये दिन शुक्रवार था। इसे गुड फ्राइडे के रूप में मनाया जाता है। इस कारण से ईसाई धर्म के लोग गुड फ्राइडे को प्रभु यीशु के बलिदान के रूप में याद करते हैं।

ये दिन ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए बेहद खास होता है। इस दिन ईसाई धर्म के लोग गिरजाघरों में जाकर प्रार्थना सभा में सम्मलित होते हैं। इसके साथ प्रभु यीशु की याद में उपवास भी रखा जाता है। उपवास को करने के बाद मीठी रोटी बनाई जाती है। गुड फ्राइडे को पुरे विश्वभर में सभी ईसाई लोग मनाते हैं। आइए इस दिन को लेकर विस्तार से जानने की कोशिश करते हैं। हर वर्ष गुड फ्राइडे को अंग्रेजी कैलेडर के हिसाब से अप्रैल के माह में मनाया जाता है। मगर, इस साल 29 मार्च 2024 को गुड फ्राइडे मनाया जाएगा।

### किस लिए मनाया जाता है गुड फ्राइडे

गुड फ्राइडे के दिन प्रभु यीशु को सूली पर चढ़ाया गया था। उस समय धार्मिक कंट्टरपंथियों ने रोम के शासक से शिकायत करके उन्हें सूली चढ़ाने को कहा। प्रभु ईसा मसीह प्रेम और शांति के प्रतीक थे। इस वजह से ईसाई धर्म को मानने वाले लोग गुड फ्राइडे को काले दिवस के रूप में मनाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि प्रभु यीशु इस घटना के तीन दिन बाद यानी ईस्टर संडे के दिन दोबारा जीवित हो उठे थे।

### ऐसे मनाया जाता है गुड फ्राइडे

ईसाई धर्म के लोग गुड फ्राइडे के दिन व्रत का पालन करते हैं। इसके साथ प्रभु यीशु के त्याग और बलिदान को याद किया जाता है। इस दिन लोग शोक मनाने के लिए काले रंग के वस्त्र को धारण करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि गुड फ्राइडे वाले दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता है। यहां पर लोग क्रॉस को चूमकर प्रभु यीशु को याद करते हैं।

# मार्च के आखिरी 2 दिन हैं बहुत शुभ

## इस शुभ योग में हर काम होगा सफल

जल्द ही साल का तीसरा महीना खत्म होने वाला है। मार्च के महीने के कुछ ही दिन शेष बचें हैं। मार्च माह के आखिरी दो दिन बहुत शुभ होने वाले हैं। मार्च में जल्द बनने वाला है रवि योग। रवि योग को बहुत ही शुभ योग माना गया है।

मार्च के महीने में 30, 31 तारीख में बन रहा है रवि योग। रवि योग को बहुत ही शुभ योग माना गया है। रवि योग सभी दोषों को नष्ट करता है। इस योग में किए गए काम आपको शुभ फल प्रदान करते हैं। रवि योग में किया गया दान आपको सौ गुना होकर प्राप्त होता है।

रवि योग में सूर्य देव का प्रभाव अधिक होता है। ऐसा माना जाता है कि आप जो भी कार्य रवि योग में करते हैं उसके सफल होने की संभावना अधिक होती है।

रवि योग 30 मार्च, शनिवार को रात 10:03 से 31 मार्च की सुबह 08:00 बजे तक रहेगा, वहीं रात में 10.57 मिनट से लेकर पूरा 1 अप्रैल का दिन रहेगा, जो रात में 11.12 मिनट पर समाप्त होगा।

मार्च के साथ-साथ अप्रैल महीने की शुरूआत भी आप इस शुभ रवि योग के साथ कर सकते है। इस दिन किए गए काम आपको सफलता दिलाएंगे। इस योग के दौरान सूर्य पूजा अवश्य करें। अगर आप किसी भी काम को करने की मनोकामना रखते हैं तो इस योग में कर सकते हैं।

# हिन्दू धर्म में आचमन का क्या मतलब है?

## जानें इसका महत्व, विधि और लाभ

आचमन का महत्व पूजा में अत्यंत उच्च माना जाता है क्योंकि यह शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक होता है। आचमन से पूजा करने वाला अपने मन, वचन, और क्रिया को पवित्र और शुद्ध बनाता है, जिससे उनकी पूजा व्यावसायिक रूप से संपन्न होती है और देवी-देवताओं को प्रसन्न करने में सहायक होती है। इसलिए, बिना आचमन के पूजा को अधूरा माना जाता है, क्योंकि यह पूर्णता की कमी को दर्शाता है और दिव्यता के अनुरूप नहीं होता।

**आचमन क्या होता है?**

आचमन एक प्रकार का धार्मिक अभ्यास है जो हिन्दू धर्म में पाया जाता है। इसमें व्यक्ति एक शुद्ध प्रकार से पानी का प्रयोग करके अपने मुख को धोता है और उस पानी को पीता है। यह प्रार्थना और पूजा के पहले किया जाता है और इसे अपनी शुद्धता की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। आचमन का प्रयोग पूजा, हवन, व्रत आदि धार्मिक क्रियाओं में किया जाता है।

**हिन्दु धर्म में क्या है आचमन का महत्व?**

हिंदू धर्म में आचमन का बहुत महत्व है। आचमन को पूजा-पाठ से पहले एक महत्वपूर्ण क्रिया माना जाता है। आचमन के अनेक लाभ हैं, जिनमें शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों शामिल हैं। आचमन

करने से शारीर में पाचन क्रिया बेहतर होती है, शरीर में रक्त प्रवाह बढ़ता है, त्वचा स्वस्थ और चमकदार होती है और मुंह और दांतों की सफाई होती है। वहीं आध्यात्मिक तौर पर मन शांत और एकाग्र होता है, नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और देवताओं का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

**क्या है आचमन करने की विधि:**

-सबसे पहले, हाथों को अच्छी तरह से धो लें।
-फिर, दाएं हाथ में थोड़ा सा पानी लें।
- पानी को तीन बार हथेली में लेकर, 'ॐ गंगाय नमः' मंत्र का उच्चारण करते हुए पानी को पी लें।
-इसके बाद, बाएं हाथ में थोड़ा सा पानी लें।
-पानी को तीन बार हथेली में लेकर, 'ॐ यमुनाय नमः' मंत्र का उच्चारण करते हुए पानी को पी लें।
-अंत में, दोनों हाथों में थोड़ा सा पानी लें।
-पानी को तीन बार हथेली में लेकर, 'ॐ सरस्वत्यै नमः' मंत्र का उच्चारण करते हुए पानी को पी लें।

क्या है आचमन का समय:

आचमन को पूजा-पाठ से पहले करना चाहिए।
स्नान करने के बाद आचमन करना चाहिए।
भोजन करने से पहले करना चाहिए।
किसी भी शुभ कार्य से पहले करना चाहिए।

# स्वास्थ्य और धर्म का संबंध गहरा और महत्वपूर्ण है, जानें इसके फायदे

स्वास्थ्य और धर्म का संबंध गहरा और महत्वपूर्ण है। धार्मिक तत्वों में स्वास्थ्य का महत्व उच्च माना जाता है। धर्म के अनुसार, अच्छे स्वास्थ्य का अभिलाषी रहना और अपने शरीर, मन, और आत्मा की देखभाल करना आवश्यक है। संघर्ष में न लगाकर और अपने आहार, व्यायाम, और विचारों का ध्यान रखकर शारीरिक, मानसिक, और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को संतुलित रखना धर्म के मूल तत्वों में से एक है। धर्म में विभिन्न प्रथाओं और आचारों के माध्यम से स्वास्थ्य की रक्षा और संरक्षण की जाती है। ध्यान और मेधा की व्यायाम, योग, प्राणायाम, और आध्यात्मिक अभ्यास धर्म के अंतर्गत आते हैं, जो स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाए रखने में मदद करते हैं। धर्म में स्वास्थ्य की देखभाल को गंभीरता से लिया जाता है और यह व्यक्ति को संतुलित और पूर्णत: विकसित जीवन की ओर प्रेरित करता है।

धर्म का स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव :

तनाव कम करता है। धर्म लोगों को तनाव कम करने में मदद कर सकता है। धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने से लोगों को शांती और सांत्वना मिल सकती है, जिससे तनाव कम होता है। धर्म लोगों को सामाजिक समर्थन प्रदान कर सकता है। धार्मिक समुदायों में लोग एक दूसरे से जुड़ते हैं और एक दूसरे की मदद करते हैं, जिससे लोगों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। कुछ धर्म स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करते हैं, जैसे कि शाकाहारी भोजन, नियमित व्यायाम, और शराब और तंबाकू से परहेज। इन आदतों से लोगों का शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

**धर्म का स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव :**

कुछ धर्मों में सख्त नियम और कानून होते हैं, जो लोगों पर दबाव डाल सकते हैं और तनाव बढ़ा सकते हैं। असुरक्षित व्यवहार को प्रोत्साहित कर सकता है। कुछ धर्मों में असुरक्षित व्यवहार को प्रोत्साहित किया जा सकता है, जैसे कि बिना टीकाकरण के बच्चों को पालना या खतरनाक धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेना। सामाजिक अलगाव को बढ़ा सकता है। कुछ धर्म लोगों को अन्य लोगों से अलग कर सकते हैं, जिससे सामाजिक अलगाव और अवसाद हो सकता है।

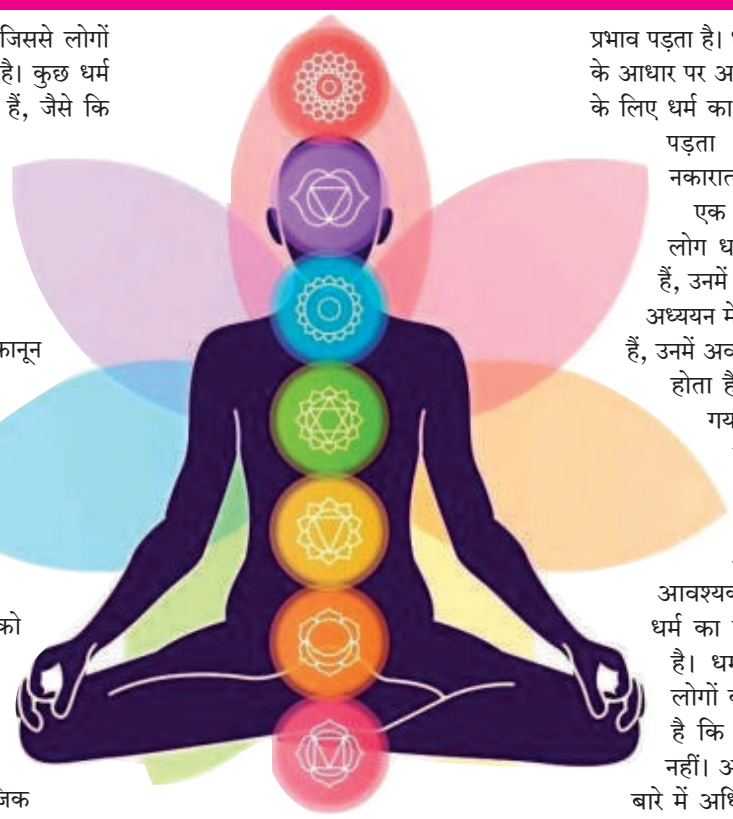

सभी धर्मों का स्वास्थ्य पर समान प्रभाव नहीं होता है। कुछ धर्मों का स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जबकि अन्य का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। धर्म का स्वास्थ्य पर प्रभाव व्यक्ति के आधार पर अलग-अलग होता है। कुछ लोगों के लिए धर्म का स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जबकि अन्य के लिए नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग धार्मिक गतिविधियों में भाग लेते हैं, उनमें मृत्यु दर कम होती है। एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि जो लोग धार्मिक हैं, उनमें अवसाद और चिंता का खतरा कम होता है। एक तीसरे अध्ययन में पाया गया कि जो लोग धार्मिक हैं, उनमें उच्च रक्तचाप और हृदय रोग का खतरा कम होता है।

हालांकि, इस विषय पर अभी अधिक रिसर्च की आवश्यकता है यह समझने के लिए कि धर्म का स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है। धर्म एक व्यक्तिगत मामला है। लोगों को यह तय करने का अधिकार है कि वे धार्मिक होना चाहते हैं या नहीं। अगर आप धर्म और स्वास्थ्य के बारे में अधिक जानना चाहते हैं, तो आप किसी धार्मिक नेता, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर, या शोधकर्ता से बात कर सकते हैं।

# रामचरण तेजा ने सेलिब्रेट किया अपना 39वां बर्थडे

## अब अपकमिंग फिल्म के लिए ले रहे हैं 100 करोड़

साउथ सुपरस्टार राम चरण तेजा 27 मार्च को अपना 39वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। साल 2007 में फिल्म 'चिरुथा' से एक्टिंग करियर की शुरूआत करने वाले राम चरण आज साउथ में सबसे ज्यादा फीस लेने वाले स्टार्स में से एक हैं । अपनी पहली ही फिल्म में उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। एक साल पहले ही उनकी फिल्म 'आरआरआर' के गाने 'नाटू-नाटू' को ऑस्कर सम्मान भी मिला है। राम चरण अपनी असल जिंदगी काफी लग्जरियस है। उनके पास लग्जरी गाड़ियों का काफिला और आलीशान विला है। उनकी बर्थडे पर आइए जानते हैं राम चरण की लाइफस्टाइल के बारें में।।.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, राम चरण एक साल में 30 करोड़ से भी ज्यादा की कमाई कर लेते हैं। अपनी एक फिल्म के लिए करीब 20 करोड़ तक फीस चार्ज करते हैं। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आरआरआर' के लिए उन्होंने 45 करोड़ रुपए लिए थे। राम चरण हैदराबाद के सबसे अमीर खानदान से आते हैं। फेमस तेलुगु स्टार चिरंजीवी के बेटे हैं और हैदराबाद में ही फैमिली के साथ रहते हैं। यह घर बेहद आलीशान है। इसकी कीमत 30 करोड़ या उससे ज्यादा आंकी जाती है। इसके अलावा उनका मुंबई में भी एक बंगला है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी कुल नेटवर्थ 1,300 करोड़ है।

राम चरण न सिर्फ एक जबरदस्त एक्टर बल्कि बेहतरीन बिजनेसमैन भी हैं। उनका एक प्रोडक्शन हाउस भी है। वह ट्रूजेट एयरलाइन्स के चैयरमैन भी हैं। इसमें उन्होंने 127 करोड़ रुपए निवेश किए हैं। वहीं, हैदराबाद पोलो राइडिंग क्लब के भी रामचरण मालिक हैं।

राम चरण को लग्जरी लाइफस्टाइल पसंद हैं। उनके पास एक से बढ़कर एक लग्जरी गाड़ियां हैं। रामचरण के कार कलेक्शन में 5।8 करोड़ की एस्टन मार्टिन, बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज, मर्सिडीज बेंज एस क्लास और रेंज रोवर वोग जैसी धांसू गाड़ियां हैं। इन सभी गाड़ियों की कीमत ही करोड़ों में हैं। राम चरण को महंगी घड़ियां पहनने का शौक है। उनके पास 30 घड़ियां हैं, जो बेहद लग्जरी और महंगी हैं।

# वही नैन नक्श, वही चाल ढाल, एकदम हूबहू स्माइल

## गोविंदा के इस हमशक्ल को देख कर फैंस हुए कन्फ्यूज, बोले- अरे भई रियल कौन है

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा अपने डांस के साथ शानदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। उनका स्टाइल, उनका डांस हर चीज फैंस को पसंद आता है। इसी वजह से गोविंदा के करोड़ों फैंस हैं। कई लोग गोविंदा की तरह एक्टिंग और डांस करने की कोशिश करते हैं लेकिन हर किसी के बस की बात नहीं है ये। गोविंदा को कॉपी कर पाना बहुत ही मुश्किल है। मगर एक ऐसा शख्स है जिसे देखकर आप कंफ्यूज हो जाएंगे कि ये रियल गोविंदा है कि नहीं। जी हां इस शख्स का नाम दीपक उत्वल है।

बॉलीवुड सेलेब्स की एक्टिंग कॉपी करने वाले कई लोग मिल जाते हैं लेकिन हमशक्ल बहुत ही कम मिलते हैं। मगर अब गोविंदा का हमशक्ल मिल गया है। खास बात ये है कि दीपक गोविंदा से भी मिल चुके हैं। दीपक का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो गोविंदा की फिल्म हीरो नंबर 1 का डायलॉग मीना मैं तेरे प्यार में क्या क्या नहीं बना बोलते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं।

दीपक के वीडियो पर एक फैन ने लिखा- 19,20 का तो फर्क होता ही है। वहीं दूसरे ने लिखा- वाह सर मेरे फेवरेट हीरो। एक ने लिखा- आप तो गोविंदा जैसे

लग रहे हो।दीपक अपने हमशक्ल गोविंदा से भी मिल चुके हैं। गोविंदा से उनकी मुलाकात एयरपोर्ट पर हुई थी।

दीपक ने अपने सोशल मीडिया पर भी गोविंदा से मिलते हुए वीडियो शेयर की थी। ये वीडियो खूब वायरल हुआ था।वर्कफ्रंट की बात करें गोविंदा ने लंबे समय से फिल्मों से दूरी बनाई हुई है। उनके म्यूजिक वीडियो आते रहते हैं। इसके अलावा वो फैंस को रियलिटी शो में दिख जाते हैं। गोविंदा हाल ही में अपनी पत्नी सुनीता के साथ डांस दीवाने में आए थे। जहां कंटेस्टेंट के साथ उन्होंने ढेर सारी मस्ती की थी।

# आमिर खान के बाद अब रावण की पत्नी का रोल करेगी ये एक्ट्रेस

## बॉक्स ऑफिस पर दे चुकी है दो हजार करोड़ की फिल्म

रणबीर कपूर बीते कुछ वक्त से फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। उनकी इस फिल्म का निर्देशन दंगल के डायरेक्टर नितेश तिवारी कर रहे हैं। हर दिन 'रामायण' और उसकी स्टार कास्ट को लेकर अपडेट आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म में अब तक साई पल्लवी, यश, लारा दत्ता और सनी देओल नजर आने वाले हैं। अब 'रामायण' में एक और एक्ट्रेस की एंट्री होने की खबर है। यह एक्ट्रेस बॉक्स ऑफिस पर 500 या 1000 करोड़ की नहीं बल्कि 2 हजार करोड़ रुपये की ब्लॉकबस्टर फिल्म दे चुकी है।

अंग्रेजी वेबसाइट फिल्मी बीट के मुताबिक 'रामायण' में बॉलीवुड और टीवी एक्ट्रेस साक्षी तंवर नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह रावण की पत्नी मंदोदरी का रोल करेंगी। खबरों की मानें तो फिल्म 'रामायण' में रावण का रोल केजीएफ एक्टर यश करने वाले है। इसके लिए उन्होंने मोटी फीस ली है। वहीं साक्षी तंवर सुपरस्टार आमिर खान के साथ फिल्म दंगल में काम कर चुकी हैं। दंगल बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली है। इस फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 2 हजार करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। फिल्म दंगल में साक्षी तंवर ने आमिर खान की पत्नी यानी महावीर सिंह फोगाट की पत्नी का रोल किया था। बात करें फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम के रोल में नजर आने वाले हैं। तो वहीं साउथ स्टार यश फिल्म में रावण का किरदार निभा सकते हैं। आपको बता दें कि नितेश तिवारी की इस फिल्म में रणबीर कपूर और साई पल्लवी के अलावा कुछ और नाम तय हो गए हैं। भले ही उनके नाम को ऑफिशियली अनाउंस नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें लगभग तय माना जा रहा है। इस लिस्ट में सनी देओल, बॉबी देओल और विजय सेतुपति का नाम शामिल है। खबरों के मुताबिक सनी देओल हनुमान जी के रोल में दिखेंगे, तो वहीं विजय सेतुपति रावण बन सकते हैं।

# जेल से बाहर आते ही सिद्धिविनायक के दर्शन करने पहुंचे एल्विश यादव

बिग बॉस 17 के विनर और मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव बीते काफी समय से विवादों में हैं। एल्विश यादव का नाम सांपों के जहर की सप्लाई में आया था, जिसके बाद उन्हें नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार भी कर था। एल्विश यादव की 2 रातें जेल में भी कटीं, लेकिन वकीलों ने उन्हें बेल पर बाहर निकाल लिया। वहीं, जेल से बाहर आने के बाद एल्विश यादव ने सबसे पहले भगवान को याद किया है। उन्होंने मुंबई जाकर सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन किए। इसके अलावा, ने अपनी बेकबोन का जिक्र भी किया है।

दरअसल, एल्विश यादव ने मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर से एक फोटो शेयर की। इस फोटो में एल्विश के साथ उनके दोनों दोस्त नजर आ रहे हैं, जो सायं एक तरह उनके साथ हैं। इसके अलावा, एल्विश यादव ने एक और फोटो शेयर की है, जिसके बारे में उन्होंने एक शब्द का कैप्शन लिखा है। इस फोटो में एल्विश के साथ उनकी फैमिली नजर आ रही हैं। इस फोटो में एल्विश नीचे जमीन पर बैठे हुए हैं और उनके पीछे उनकी बहन, दादा, पापा मम्मी नजर आ रही

हैं। इस फोटो के साथ एल्विश यादव ने कैप्शन में लिखा, 'मेरी बेकबोन।' एल्विश यादव की ये दोनों फोटो इंटरनेट पर तहलका मचा रही हैं। कई लोगों ने फैंस को पसंद किया है तो कुछ लोग राव साहब के मजे ले रहे हैं।

बता दें कि एल्विश यादव होली से एक दिन पहले ही जेल से बाहर आए थे। उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था, लेकिन पुलिस ने यूट्यूबर के ऊपर से एनडीपीएस एक्ट हटा दिया जिसके बाद उन्हें आसानी से बेल मिल गई। बेल मिलने के बाद एल्विश यादव ने सूरत में अपनी होली मनाई थी। यूट्यूबर सूरत के एक होली इवेंट में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने इवेंट में फैंस के बीच भौकाल काट दिया था। एल्विश की होली पार्टी की फोटोज तहलका मचा दिया था।

# स्विट्जरलैंड की वादियों में गुम महेश बाबू की फैमिली

## गिरती बर्फ का मजा लेती दिखीं बेबी सितारा

साउथ फिल्म स्टार महेश बाबू का परिवार इन दिनों स्विटजरलैंड की वादियों के मजे रहा है। महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर ने खुद इस बात की जानकारी दी। अदाकारा ने अपने बच्चों के साथ स्विट्जरलैंड की वादियों से लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें उनका परिवार गिरती बर्फ का मजा लेता दिखा। सामने आईं तस्वीरों में महेश बाबू की बेटी सितारा, बेटा और उनकी पत्नी नम्रता शिरोडकर गिरती बर्फ के मजे लेती दिखीं। बॉलीवुड स्टार नम्रता शिरोडकर तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू की पत्नी हैं। अदाकारा ने अपनी इन तस्वीरों से स्विट्जरलैंड वेकेशन की तस्वीरें फैंस को दिखाई हैं। महेश बाबू की बेटी सितारा भी सामने आईं इन तस्वीरों में अपनी मां शिरोडकर के साथ मस्ती करती दिखी हैं। जिसकी फोटोज इंस्टाग्राम पर आते ही छाने लगीं। इस वेकेशन ट्रिप पर महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर के साथ उनका बेटा गौतम घट्टामनेनी भी साथ ही था। इस दौरान नम्रता शिरोडकर ने अपने बेटे संग भी ढेर सारी मस्ती की। इस अदाकारा नम्रता शिरोडकर ने अपने बच्चों के साथ खूब मस्ती की। ये बात सामने आईं उनकी ये तस्वीरें खुद बयां कर रही हैं। गिरती बर्फ के बीच महेश बाबू का बेटा गौतम छाता संभालते हुए दिखा। ये तस्वीरें महेश बाबू के फैंस के बीच भी काफी वायरल हो रही जबकि, महेश बाबू की बेटी सितारा इस दौरान भरपूर मस्ती में चूर थी। सितारा घट्टामनेनी की ये तस्वीरें फैंस का दिल जीत ले

गई हैं। अदाकारा नम्रता शिरोडकर यहां हर पल का मजा लेती हुई दिखीं। अदाकारा की ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर आते ही छाने लगी हैं। सुपरस्टार महेश का बेटा गौतम भी लुक्स में अपने पापा पर ही गया है। महेश बाबू के बेटे की ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर आते ही वायरल होने लगीं। ये तस्वीरें सितारा घट्टामनेनी के इंस्टाग्राम से सामने आई हैं। जहां वो अपने भाई के साथ गिरती बर्फ के बाद भी स्विटजरलैंड की के मजे लेते हुई दिखीं।

# फिल्म टॉक्सिक में सुपरस्टर यश बहन का किरदार निभाएंगी करीना

अभिनेता यश पिछले काफी समय से अपनी फिल्म टॉक्सिक को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं।इस फिल्म के निर्देशन की कमान गीतू मोहनदास ने संभाली है।अफवाहों का बाजार गर्म है कि यश के साथ टॉक्सिक में करीना कपूर काम करती नजर आ सकती हालांकि, कुछ दिन पहले करीना की टीम ने इन खबरों को अफवाह बताया था। नई खबर के अनुसार, करीना टॉक्सिक में यश की बहन का किरदार निभाएंगी।टॉक्सिक में यश की बहन का किरदार निभाने के लिए करीना से संपर्क किया गया है। अभिनेत्री और निर्माताओं के बीच बातचीत जारी ऐसा होता है तो यह यश और करीना के बीच पहला सहयोग होगा।विकास से जुड़े एक सूत्र ने कहा, फिल्म की कहानी भाई-बहन के रिश्ते के ईद-गिर्द घूमेगी, जिसके लिए यश के साथ करीना नजर आएंगी। निर्देशक फिल्म की शुरुआत से ही करीना को टॉक्सिक में लेने के इच्छुक बातचीत चल रही थी।रिपोर्ट्स के मुताबिक, टॉक्सिक में यश का एकदम नया अवतार देखने को मिलेगा। यह फिल्म एक्शन से भरपूर होगी।ऐसी चर्चा है कि यश और करीना के अलावा इस फिल्म में श्रुति हासन, साई पल्लवी और शाहरुख खान जैसे दिग्गज सितारे भी नजर आएंगे। फिलहाल इस खबर आधिकारिक पुष्टि होना बाकी ह।बता दें, फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास करेंगे। उम्मीद की जा रही है कि टॉक्सिक 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# 11 साल के बाद भारत में टीवी पर दिखेंगे न्यूजीलैंड के मैच, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर उठा सकेंगे लुत्फ

**नई दिल्ली,28 मार्च (एजेंसियां) ।** न्यूजीलैंड क्रिकेट भारत में 11 साल के बाद टीवी पर देखा जा सकेगा। 2013 में न्यूजीलैंड-वेस्टइंडीज के बीच सीरीज के समय अंतिम बार न्यूजीलैंड क्रिकेट के टीवी प्रसारण अधिकार नियो स्पोर्ट्स के पास थे। इसके बाद अब सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने सात साल के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकार प्राप्त कर लिए हैं। इनमें पुरुषों (ब्लैककैप्स) और महिलाओं (वाइट फर्न्स) के सभी प्रारूप के मैच (टी-20, वनडे और टेस्ट) शामिल होंगे। यह भारत में क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी बड़ी खुशखबरी है। इससे पहले अमेजन प्राइम वीडियो ने 2020 में 2024-25 सत्र तक के डिजिटल प्रसारण अधिकार लिए थे, परंतु टीवी प्रसारण अधिकार लंबे समय से किसी के पास नहीं थे।

### टीवी प्रसारण मिलना थी बड़ी चुनौती

वर्ल्ड की सबसे सफल टीमों में शामिल होने के बावजूद न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के घरेलू मैचों का भारत में टीवी प्रसारक मिलने का यह सफर बहुत चुनौतीपूर्ण रहा है। इसका प्रमुख कारण भारतीय समयानुसार न्यूजीलैंड में सुबह तीन बजे मैच का शुरू होना है। भारतीय टीवी प्रसारकों का मानना रहा है कि यह समय भारतीय दर्शकों को इनके मैच देखने के लिए प्रेरित नहीं करेगा।

### भारत के न्यूजीलैंड दौरे के मैचों का करेंगे प्रसारण

एक मई 2024 से 30 अप्रैल 2031 तक के इस ऐतिहासिक करार में 2026-27 और 2030-31 की गर्मियों में भारत के न्यूजीलैंड दौरे के अलावा इस अवधि के दौरान न्यूजीलैंड में खेले जाने वाले सभी अन्य द्विपक्षीय टेस्ट, वनडे और टी20 मैच शामिल होंगे। सभी मैचों का प्रसारण टीवी पर सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और आनलाइन लाइवस्ट्रीमिंग सोनी लिव पर की जाएगी। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के पास इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के साथ करार भी शामिल हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### धोनी इस कारण निचले क्रम पर उतर रहे : हसी

**चेन्नई ।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को इस बार बल्लेबाजी के लिए आठवें नंबर पर रखा गया है जिससे प्रशंसक हैरान हैं। वहीं बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा कि 'इंपेक्ट प्लेयर नियम के कारण बल्लेबाजी क्रम लंबा हो गया है, इसलिए ऐसा ऐसा हो रहा है। 'इंपेक्ट प्लेयर नियम गत वर्ष 2023 सत्र से शुरू किया गया था। इसमें हर फ्रेंचाइजी को पांच खिलाड़ियों को नामित करने की अनुमति मिलती है और इनमें से एक मैच के दौरान स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरता है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ सीएसके टीम को जीत मिली थी पर इस मैच में सातवें नंबर तक भी जब धोनी नहीं उतरे तो दर्शक आशंकित हो गये थे। इसी को लेकर हसी ने कहा, 'मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का स्पष्ट निर्देश है कि मुकाबले को आगे बढ़ाते रहें। 'इंपेक्ट प्लेयर नियम ने बल्लेबाजी क्रम को लंबा कर दिया है जिसमें धोनी आठवें नंबर पर रखे गये हैं। उन्होंने कहा, 'इसी कारण ऊपरी क्रम के बल्लेबाज बिना किसी दबावा के आक्रामक रुख अपना सकते हैं। उन्हें निश्चित रूप से कोच और कप्तान का समर्थन प्राप्त है। उन्हें पता है कि अगर वे आक्रामक खेलते समय विकेट भी गंवा देते हैं तो भी धोनी आगे आकर हालात संभाल लेंगे। सुपरकिंग्स के लिए अब तक न्यूजीलैंड के क्रिकेटर रचिन रविंद्र ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। ट्रेनिंग के दौरान रचिन के साथ कैसे काम किया, इस बारे में हसी ने कहा कि उन्हें 'अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने को कहा गया। उन्होंने कहा, 'उसने बेहतरीन शुरुआत की है, यह देखना शानदार है। वह यहां काफी ऊर्जा के साथ आया है और अधिक सीखना चाहता है और टीम पर सकारात्मक प्रभाव डालना चाहता है।

### शमी जैसे गेंदबाज की कमी पूरी करना कठिन रहेगा : मोहित

**नई दिल्ली ।** गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहित शर्मा ने माना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की कमी पूरी करना टीम के लिए कठिन रहेगा। शमी टखने की सर्जरी के बाद से ही खेल से दूर हैं। मोहित ने कहा, ''किसी भी टीम के लिए शमी जैसे गेंदबाज की कमी खलेगी और आप उनकी भरपाई किसी अन्य खिलाड़ी से नहीं कर सकते पर चोट पर किसी का नियंत्रण नहीं है और आपको यह देखना होगा कि इसके साथ कैसे आगे बढ़ना है।'' उन्होंने कहा, ''जहां तक गुजरात टाइटंस की बात है, स्पेंसर जॉनसन और अजमतुल्लाह उमरजई पहली बार खेल रहे हैं और उन्हें अनुभव नहीं होने के कारण नुकसान हुआ है। इसलिए हमें उनके साथ धैर्य रखना चाहिए और परिणामों पर बहुत अधिक ध्यान नहीं देना चाहिए।'' माना जा रहा है कि शमी अब बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज से ही वापसी करेंगे। सर्जरी के कारण ही वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज से भी बाहर थे। वह वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में भी नहीं खेल पाएंगे।

### मुंबई में पांड्या को करना पड़ सकता है दर्शकों की नाराजगी का सामना : मनोज तिवारी

**मुंबई ।** पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा है कि एक अप्रैल को कप्तान हार्दिक पांड्या को मुम्बई में होने वाले आईपीएल मुकाबले में दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ सकता है। पांड्या को इस सत्र से पहले रोहित शर्मा की जगह मुम्बई का कप्तान बनाया गया था जिसके बाद से ही प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर विरोध जताया था। इस सत्र की शुरुआत से पहले मुंबई के कप्तान के रूप में जब हार्दिक अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलने उतरे तो भी अहमदाबाद में प्रशंसकों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की थी। मुंबई इंडियन्स की टीम इस मैच में गुजरात से छह रनों से हार गई और ऐसे में अब अगले वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले मैच में पांड्या को मुम्बई में लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। तिवारी ने कहा, 'आपको यह देखना होगा कि यहां मुंबई में उसका स्वागत कैसे किया जाता है। मुझे लगता है कि यहां उसकी ज्यादा ही हूटिंग हो सकती है क्योंकि एक प्रशंसक के रूप में मुंबई या रोहित शर्मा के प्रशंसक के रूप में, किसी ने भी उम्मीद नहीं की थी कि कप्तानी हार्दिक को दी जाएगी। उन्होंने कहा, 'रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच बार खिताब जिताये थे पर इसके बाद भी उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया, इससे भी लोगों में नाराजगी है जिसका सामना पांड्या को धैर्य से करना होगा।

# रोमांचक मैच में राजस्थान ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत, दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराया

जयपुर, 28 मार्च (एजेंसियां)।

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में लगातार दूसरी जीत हासिल की है। टीम ने मौजूदा सीजन के 9वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 12 रन से हराया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकरपहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया।

राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 185 रन बनाए। जवाब में दिल्ली 20 ओवर में 5 विकेट पर 173 रन ही बना सकी। राजस्थान की ओर से रियान पराग ने 45 बॉल पर 84 रन की पारी खेली, जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 29 और ध्रुव जुरेल ने 20 रन का योगदान दिया। दिल्ली की ओर से डेविड वॉर्नर ने 49 रन बनाए, जबकि कप्तान ऋषभ पंत ने 28 रन बनाए। राजस्थान के युजवेंद्र चहल और नांद्रे बर्गर ने 2-2 विकेट झटके।

आवेश खान की फुलर लेंथ बॉल के साथ राजस्थान रॉयल्स ने मौजूदा सीजन में लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली है। जबकि दिल्ली को लगातार दूसरे मैच में पराजय का सामना करना पड़ा। आरआर ने डीसी को 12 रन से हराया।

टीम को 2 ओवर में 32 रन की जरूरत थी। संदीप ओवर करने आए ट्रिस्टन स्टब्स ने उनकी पहली बॉल पर सिक्स और दूसरी बॉल पर चौका लगाकर ओवर की शुरुआत की। तीसरे बॉल पर सिंगल आया। जबकि, चौथी बॉल पर अक्षर ने फिर

सिंगल लिया। पांचवी बॉल पर ट्रिस्टन फिर क्रीज पर आए और फिर एक रन लेकर आखिरी बॉल के लिए अक्षर को स्ट्राइक दी। आखिरी बॉल पर अक्षर ने दो रन लिए। 16वें ओवर की चौथी बॉल पर ट्रेंट बोल्ट से ट्रिस्टन स्टब्स का कैच छूट गया। इसके बाद स्टब्स ने लगातार अश्विन के ओवर में आखिरी 2 बॉल पर 2 सिक्स लगा दिए। 16वें ओवर की तीसरी बॉल पर दिल्ली ने 5वां विकेट गंवा दिया है। चहल की तीसरी बॉल पर अभिषेक पोरेल को जोस बटलर ने कैच किया। यहां टीम का स्कोर 122 रन रहा। 16 ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 126/5 रहा। 13वें ओवर में दिल्ली ने 100 रन का आंकड़ा पार कर दिया है। टीम ने संदीप शर्मा की पहली बॉल पर पंत के सिंगल के साथ 100 का आंकड़ा छुआ और स्टब्स के साथ स्कोर 100 पार पहुंचाया। इस ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 105/3 रहा। 12वें ओवर में दिल्ली ने तीसरा विकेट गंवा दिया है। आवेश खान के ओवर की दूसरी बॉल पर संदीप शर्मा ने शॉर्ट थर्ड मैन में वॉर्नर का शानदार कैच पकड़ा। वॉर्नर 49 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें आवेश ने दूसरी बार आउट किया है। ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 99/3 रहा।दूसरी पारी शुरू होने से पहले राजस्थान रॉयल्स ने नांद्रे बर्गर को इम्पैक्ट प्लेयर बनाया। वे शिमरोन हेटमायर की जगह मैदान पर उतरे। नई गेंद डालने उतरे ट्रेंट बोल्ट ने पहले ओवर में महज दो रन दिए। इस ओवर में खेल कुछ देर के लिए रोकना भी पड़ा। पहले ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 2/0 रहा। पारी के आखिरी ओवर में रियान पराग ने लगातार 5 बाउंड्री जमाई। इसमें दो छक्के और 3 चौके शामिल रहे। एनरिक नॉर्त्या के इस ओवर से 25 रन खर्च किए। इसके साथ ही टीम धीमी शुरुआत के बावजूद 20 ओवर में 185 रन का स्कोर बनाने में सफल रही। रियान पराग ने 45 बॉल पर नाबाद 84 रन बनाए। उनकी पारी में 7 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। 18वां ओवर डालने आए एनरिक नॉर्त्या ने दूसरी बॉल पर ध्रुव जुरेल को बोल्ड कर दिया। इसी के साथ उन्होंने रियान पराग और ध्रुव जुरेल की अर्धशतकीय साझेदारी तोड़ी। जुरेल ने ओवर की पहली बॉल पर चौका जमाते हुए अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। दोनों ने 23 बॉल पर 52 रन की साझेदारी की।

# अभी संन्यास के बारे में नहीं सोचा : मेसी

**वाशिंगटन,28 मार्च (एजेंसियां) ।** लियोनल मेसी ने अभी तक संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि जब वो संन्यास लेंगे तो इस फैसले के पीछे उम्र निर्णायक कारक नहीं होगी।

लियोनल मेसी ने संन्यास को लेकर एकबार फिर अपना मन बदला है। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह अपने करियर को तभी अलविदा कहेंगे जब उन्हें लगेगा कि वह अब अपना बेस्ट नहीं दे सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, मेसी ने कहा, मुझे पता है कि जिस क्षण मुझे लगेगा कि मैं अब अच्छा नहीं कर पा रहा हूं या मैं खेल का आनंद नहीं ले रहा हूं या अपने साथियों की मदद नहीं कर रहा हूं, तब मैं उसी क्षण संन्यास ले लूंगा।

मुझे पता है कि मैं कब अच्छा और कब खराब खेलता हूं। जब मुझे लगेगा कि यह कदम उठाने का समय आ गया है, तो मैं उम्र के बारे में सोचे बिना ऐसा करूंगा।

अगर मुझे अच्छा लगता है, तो मैं प्रतिस्पर्धा जारी रखने की कोशिश करूंगा। यह वही है जो मुझे पसंद है और मैं जानता हूं कि इसे कैसे करना है।

कतर में फीफा विश्व कप 2022 खिताब के लिए अर्जेंटीना का नेतृत्व करने के बाद, मेसी ने कहा कि उन्होंने वह सब कुछ हासिल किया है जिसकी उन्हें उम्मीद थी।

मेसी ने कहा, मैंने अभी तक संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। फिलहाल, मैं भविष्य के बारे में सोचे बिना हर दिन, हर पल का आनंद लेने की कोशिश करता हूं। इसलिए जब सही समय आएगा तब मैं इसके बारे में सोचूंगा।

मेसी ने इंटर मियामी के लिए 19 मैचों में 16 गोल किए हैं और सात सहायता प्रदान की है, जिसमें वह पिछले जुलाई में पेरिस सेंट-जर्मेन से फ्री ट्रांसफर पर शामिल हुए थे।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### बदल सकती है...

जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में काफी गिरावट आई, जो दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था।

### महत्वपूर्ण मुद्दों...

का शीर्ष नेतृत्व गहन विचार-मंथन सत्रों में शामिल होगा।

इन सत्रों का उद्देश्य परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना, नवाचार और अनुकूलनशीलता की संस्कृति को बढ़ावा देने के महत्व और भविष्य की चुनौतियों से निपटने की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में निवेश करना होगा।

### मुख्यमंत्री बने...

वह अपने आप को किसान और सामाजिक कार्यकर्ता होने का दावा करते हैं। यादव ने तर्क रखा कि केजरीवाल के पद पर बने रहने से न केवल कानून की उचित प्रक्रिया में बाधा आएगी और न्याय की प्रक्रिया बाधित होगी, बल्कि राज्य में संवैधानिक तंत्र भी टूट जाएगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने गिरफ्तार होने के कारण एक तरह से मुख्यमंत्री के रूप में अपना पद खो दिया है और चूंकि वह हिरासत में हैं, इसलिए उन्होंने एक लोक सेवक होने के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को निभाने से खुद को अक्षम कर लिया है और इस तरह उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए कि मुख्यमंत्री बने रहें। यादव ने कहा कि जेल में बंद सीएम किसी भी व्यवसाय को करने में असमर्थ होगा जिसका कानून उसे आदेश देता है और अगर उसे ऐसा करने की अनुमति दी जाती है तो किसी भी सामग्री को चाहे वह गुप्त प्रकृति की हो जेल में उन तक पहुंचने से पहले जेल अधिकारियों द्वारा पूरी तरह से उसे स्कैन करेगी। केजरीवाल के हाथ और ऐसा कृत्य सीधे तौर पर संविधान की तीसरी अनुसूची के तहत सीएम को दिलाई गई गोपनीयता की शपथ का उल्लंघन होगा।

इसके अलावा, याचिका में कहा गया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के कामकाज के लेन-देन नियम, 1993 एक मुख्यमंत्री को कैबिनेट के किसी भी विभाग से टोर फाइलें मंगाने का अधिकार देता है और अगर केजरीवाल मुख्यमंत्री बने रहते हैं, तो वह अपने अधिकारों के दायरे में रहेंगे। उन फाइलों की जांच की मांग जिनमें उन्हें आरोपी बताया गया है। ऐसी स्थिति आपराधिक न्यायशास्त्र के लोकाचार के खिलाफ है।

### अंतरिक्ष में स्टार्टअप की...

उन्होंने कहा कि विक्रम-1 भारत में निजी क्षेत्र द्वारा डिजाइन और निर्मित अब तक का सबसे बड़ा प्रणोदन सिस्टम है। यह सफल परीक्षण और इसरो में परीक्षण पास करने वाला पहला कार्बन-मिश्रित-निर्मित मोटर है। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षण पैरामीटर अपेक्षित सीमा के भीतर हैं। इस कामयाबी के बाद विक्रम-1 रॉकेट की मदद से आगामी कक्षीय प्रक्षेपण की तैयारी हो रही है। हम एक कदम और करीब पहुंच गए हैं।

इससे पहले जुलाई, 2023 में भी इसरो ने अंतरिक्ष जगत के प्राइवेट सेक्टर स्टार्टअप स्काईरूट के रॉकेट इंजन का सफल परीक्षण किया था। तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्पलेक्स (आईपीआरसी) में लिक्विड थ्रस्टर टेस्ट फैसिलिटी (एलटीटीएफ) में परीक्षण के दौरान रमन-2 इंजन का इस्तेमाल किया गया। स्काईरूट ने 820 न्यूटन (समुद्र स्तर) और 1,460 न्यूटन (वैक्यूम) बल उत्पन्न करने के लिए इस इंजन को डिजाइन किया है। इंजन में मोनो मिथाइल हाइड्रोजन और नाइट्रोजन टेट्रोक्साइड का प्रणोदक के रूप में उपयोग किया गया है।

इससे पहले नवंबर 2022 में, स्काईरूट ने निजी तौर पर विकसित रॉकेट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। यह भारत और दक्षिण एशिया का पहला ऐसा प्रक्षेपण था। अक्टूबर 2023 में निवेश के रास्ते कंपनी की कुल फंडिंग बढ़कर 95 मिलियन डॉलर तक पहुंच चुकी है।

अंतरिक्ष वैज्ञानिक पवन कुमार चांदना और नागा भरत ढाका ने 2018 में इस स्टार्टअप की शुरुआत की थी। हैदराबाद में इसका मुख्यालय है। कंपनी छोटे और मध्यम आकार के अंतरिक्ष प्रक्षेपण वाहनों का डिजाइन और निर्माण करती है। अक्तूबर, 2023 में स्पेसटेक कंपनी- स्काईरूट एयरोस्पेस ने बताया था कि सिंगापुर सरकार के स्वामित्व वाली वैश्विक निवेश कंपनी टेमासेक के नेतृत्व में प्री-सीरीज सी फंडिंग राउंड में उसे 27.5 मिलियन डॉलर हासिल हुए। अंतरिक्ष जगत का यह स्टार्टअप बुनियादी ढांचे के विकास और प्रौद्योगिकी निर्माण की दिशा में काम कर रहा है। कंपनी के मुताबिक नई अधिग्रहित पूंजी का उपयोग उपग्रह लॉन्चिग क्षमता को बढ़ाने में किया जाएगा।

### शिवसेना में शामिल...

जिसकी तस्वीर भी सामने आई थी। गोविंदा इससे पहले 2004 में कांग्रेस के टिकट पर मुंबई उत्तर लोकसभा सीट से चुनाव जीत चुके हैं। तब उन्होंने भाजपा के राम नाईक को 48,271 वोट से हराया था। गुरुवार को सीएम एकनाथ शिंदे ने गोविंदा को पार्टी की सदस्यता दिलाई, जिसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। पार्टी में शामिल होने के बाद गोविंदा ने कहा, मैंने सोचा था कि मैं दोबारा राजनीति में प्रवेश नहीं करूंगा, लेकिन अब मैं शिव सेना में शामिल हो रहा हूं और मेरे लिए यह भगवान का आशीर्वाद है। वहीं, इस दौरान अभिनेता ने सीएम एकनाथ शिंदे की भी तारीफ की।

गोविंदा के राजनीति में वापसी पर राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। देवड़ा ने कहा, मैं गोविंदा को बीते 25 साल से जानता हूं। हम दोनों ने साल 2004 में साथ में चुनाव भी लड़ा था। मेरे दिवंगत पिता ही उन्हें कांग्रेस में लेकर आए थे। गोविंदा एक साफ दिल वाले इंसान है, जो देश की सांस्कृतिक राजधानी मुंबई का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं।

### चुनाव तक भाजपा...

विपक्षी गठबंधन को जर्जर करने का दायित्व कई वरिष्ठ नेताओं को दिया गया है। इसके लिए भाजपा ने अलग से ज्वाइनिंग कमेटी का गठन किया। भाजपा नेता विनोद तावड़े को पश्चिमी भारत की जिम्मेदारी दी गई है। रविशंकर प्रसाद को पूर्वी भारत, राजीव चंद्रशेखर को दक्षिण भारत, अनुराग ठाकुर को उत्तर भारत और भूपेंद्र यादव को मध्य भारत की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अभी हाल ही में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, रितेश पांडे, संगीता आजाद (बहुजन समाज पार्टी), परनीत कौर, लालचंद कतारिया, किरण कुमार रेड्डी (आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम), सुरेश पचौरी, ज्योति मिर्धा, अर्जुन मोढवाडिया और रवनीत सिंह बिट्टू (कांग्रेस), अर्जुन सिंह (टीएमसी), वी. वरप्रसाद राव (वाईएसआरसीपी), सुशील कुमार रिंकू (आप) और शीतल अंगुराल भाजपा में शामिल हुईं है। इसके अलावा पिछले दिनों जम्मू कश्मीर में कुलगाम के पीडीपी जिला अध्यक्ष फारूक अहमद अपने समर्थकों के साथ जम्मू कश्मीर के महासचिव संगठन अशोक कौल और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए।

### नवनीत राणा भाजपा...

स्वागत किया। इससे पहले दिन में भाजपा ने नवनीत राणा को अमरावती (सुरक्षित सीट) से पार्टी उम्मीदवार घोषित किया था।

भाजपा में शामिल होने के बाद नवनीत राणा ने कहा कि वह पिछले पांच साल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों पर काम कर रही हैं। उनकी विचारधारा भी भाजपा से मेल खाती है। उन्होंने कहा, मेरे पति विधायक रवि राणा ने महाराष्ट्र में भाजपा सरकार का समर्थन किया। पीएम मोदी जमीनी स्तर पर काम करने वालों का समर्थन करते हैं, उन्होंने मुझे टिकट दिया। भाजपा ने मेरी मेहनत का सम्मान किया है और हम चुनाव जीतकर इस बार 400 पार का संकल्प पूरा करेंगे। अब मैं भाजपा की समर्पित कार्यकर्ता के तौर पर काम करूंगी।

अमरावती से टिकट दिए जाने पर नवनीत ने कहा, एक राष्ट्रीय पार्टी द्वारा किसी व्यक्ति को इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपना यह दर्शाता है कि पार्टी का वरिष्ठ नेतृत्व जमीनी स्तर पर काम करने वालों के साथ है। अब मैं भाजपा में शामिल हो गई हूं और पूरी लगन के साथ काम करूंगी। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बावनकुले ने कहा कि नवनीत राणा ने पीएम मोदी के हर काम का समर्थन किया है और संसद में पेश किए गए हर बिल के पक्ष में मतदान किया। उनके भाजपा में शामिल होने से पार्टी मजबूत होगी।

साल 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में चार निर्दलीय जीतकर संसद पहुंचे थे। इनमें से एक नवनीत राणा भी थीं। महाराष्ट्र की अमरावती सीट से निर्दलीय उतरीं नवनीत राणा 36,951 वोटों से चुनाव जीती थीं। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वालीं नवनीत राणा का नाम नवनीत कौर है। रवि राणा से शादी के बाद उन्होंने अपने नाम के आगे राणा जोड़ लिया। जानकारी के मुताबिक, नवनीत कौर और रवि राणा की मुलाकात योग गुरु रामदेव बाबा के आश्रम में हुई थी। साल 2011 में एक सामूहिक विवाह मंडप में दोनों ने शादी कर ली थी। सांसद नवनीत का जन्म मुंबई के पंजाबी परिवार में हुआ है और उनके पिता आर्मी में थे।

महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मचाने वाली अमरावती सांसद नवनीत राणा राजनीति में आने से पहले अभिनय की दुनिया में नाम कमा रही थीं। उन्होंने 12 वीं के बाद पढ़ाई छोड़कर मॉडलिंग में अपना करियर शुरू किया था। जानकारी के मुताबिक वह, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। कन्नड़ भाषा में बनी फिल्म दर्शन से नवनीत ने अभिनय में अपना डेब्यू किया था। नवनीत राणा ने शादी के बाद ही राजनीति में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने शादी के तीन साल बाद 2014 में लोकसभा चुनाव में एनसीपी के टिकट से चुनाव लड़ा था, हालांकि वह जीत नहीं पाईं, लेकिन इसके बाद नवनीत ने साल 2019 के लोकसभा चुनाव में निर्दलीय सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल कर अमरावती से सांसद बनीं।

### माफिया मुख्तार अंसारी...

सुभानल्लाह उम्र लगभग 63 वर्ष को जेल कर्मियों द्वारा रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज बांदा के आकस्मिक विभाग में उल्टी की शिकायत एवं बेहोशी की हालत में लाया गया। मरीज को 9 डॉक्टर्स की टीम के द्वारा तत्काल चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई गई। लेकिन भरसक प्रयासों के बावजूद कार्डियेक अरेस्ट के कारण मरीज की मृत्यु हो गई। माफिया की मौत की सूचना उसके घर वालों को दे दी गई है। साथ ही पूरे प्रदेश में चौकसी बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि बैरेक में मुख्तार अंसारी अचानक बेहोश होकर गिर गया था।

बताया गया कि रोजा रखने के चलते मुख्तार की तबीयत बिगड़ गई थी। डॉक्टरों के अनुसार रोजा रखने से मुख्तार अंसारी को कमजोरी आ गई थी। कमजोरी के चलते ही मुख्तार को हार्ट अटैक पड़ा। तीन डॉक्टरों का पैनल इलाज में जुटा था। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल भी अस्पताल में मौजूद हैं।

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल की तरफ से तीन डॉक्टरों का पैनल इलाज के लिए नियुक्त किया गया था। उधर, मुख्तार के गृह जनपद मऊ में अलर्ट जारी कर दिया गया है। शासन स्तर से एडीजी प्रयागराज भानु भास्कर को बांदा के हालात पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है। वहीं, जिस जगह मुख्तार का इलाज चल रहा है वहां के बाकी तीमारदारों को बाहर निकाल दिया गया है। माफिया मुख्तार के परिवार के सदस्य बांदा के लिए रवाना हो गए हैं।

बता दें कि दो दिन पहले 26 मार्च को मुख्तार ने जेल प्रशासन से पेट में दर्द की शिकायत की थी। इसके बाद उसे तत्काल ही मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। जहां डॉक्टरों ने ओवर ईटिंग व कब्ज बताकर इलाज किया और 14 घंटे बाद उसी दिन देर शाम उसे वापस मंडलीय कारागार भेज दिया था। इधर, गुरुवार शाम साढ़े सात बजे के आसपास अचानक मुख्तार की तबीयत बिगड़ने पर प्रशासन ने आनन-फानन उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

मुख्तार के स्थानीय अधिवक्ता नसीम हैदर ने बताया कि मुख्तार को हार्ट अटैक पड़ने की आशंका है। प्रशासन उन्हें मुख्तार से मिलने नहीं दे रहा है। इधर हालात बिगड़ने न पाए, इसके लिए जिले भर की पुलिस फोर्स को अलर्ट कर दिया गया है।

जेल के भीतर भी पुलिस फोर्स तैनात है। देर रात तक डीएम और एसपी भी मेडिकल कॉलेज में मौजूद रहे और मुख्तार की पल-पल की खबर लेते रहे।

दो दिन पहले मेडिकल कॉलेज से आने के बाद मुख्तार ने खाना-पीना न के बराबर कर दिया था। बुधवार तक कुछ फल ही खाए थे। जेल सूत्रों के मुताबिक गुरुवार दोपहर से उसकी तबीयत दोबारा बिगड़ने लगी थी। सूचना मिलते ही जिला अस्पताल के तीन डॉक्टरों की टीम ने मौके पर पहुंच कर उसकी सेहत की जांच की थी। गुरुवार को मुख्तार ने सिर्फ थोड़ी सी खिचड़ी ही खाई थी।

रात करीब आठ बजे जैसे ही प्रशासन के अधिकारी एंबुलेंस से मुख्तार को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे, वहां भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। डॉक्टरों की टीम के साथ डीएम और एसपी भी मेडिकल कॉलेज के भीतर दाखिल हो गए। इसके बाद जैसे-जैसे समय बीतता गया और जिले में ही नहीं प्रदेश भर में मुख्तार को लेकर तरह तरह की चर्चाएं होना शुरू हुई, वैसे ही फोर्स की तादात भी बढ़ती चली गई।

यहां तक कि रात के साढ़े नौ बजे तक अर्धसैनिक बल भी तैनात कर दिया गया।

# किसी के लिए परिवार प्रथम, मोदी के लिए राष्ट्र : योगी

## यूपी के मुखिया ने मथुरा से लोकसभा के चुनावी रण का फूंका बिगुल

**मथुरा/लखनऊ, 28 मार्च (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चुनावी समर में दो पक्ष स्पष्ट नजर आ रहे हैं। एक के लिए फैमिली फर्स्ट है तो मोदी के नेतृत्व वाले पक्ष के लिए नेशन फर्स्ट है। एक पक्ष अपने कृत्यों से माफिया राज को प्रश्रय देता है तो मोदी जी का पक्ष कानून के राज को प्रभावी ढंग से लागू करता है। एक पक्ष भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है तो मोदी जी का पक्ष जीरो टॉलरेंस का पक्षधर है। एक पक्ष तुष्टिकरण, जाति-मत-मजहब के आधार पर समाज को बांटना चाहता है, लेकिन दूसरे पक्ष में मोदी जी के नाम पर सबका साथ, सबका विकास के माध्यम से गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव जरूरतमंदों को देने का भाव दिखाई देता है। एक तरफ फैमिली फर्स्ट की बात करने वाले लोग हैं तो दूसरी तरफ 140 करोड़ लोगों को परिवार मानने वाले मोदी हैं। हमें मोदी के परिवार का हिस्सा बनकर नए भारत का दर्शन करना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार से लोकसभा चुनाव प्रचार की कमान संभाल ली। उन्होंने मथुरा में पहली जनसभा कर प्रबुद्धजनों से संवाद बनाते

हुए सांसद व भाजपा उम्मीदवार हेमामालिनी के पक्ष में वोट देने की अपील की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न विकास योजनाओं को गिनाकर मोदी का मतलब भी बताया।

सीएम ने कहा कि हम सभी ने होली खेले रघुबीरा भजन सुना है, लेकिन 500 वर्ष में पहली बार अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने अपने धाम में विराजमान होकर होली के साक्षात दर्शन भी कराए। मथुरा-वृंदावन की गलियां भी इंतजार कर रही थीं। दुनिया के अंदर मथुरा-वृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव, बलदेव में खेली गई होली की चर्चा है। श्रद्धालुओं की भीड़ देखते ही बनती है। सीएम ने कहा कि इस धरती का प्रताप व ताकत है कि 2021 में यमुना मैया के तट पर यहां वैष्णव महाकुंभ का आयोजन हुआ था। वृंदावन बिहारी लाल की असीम कृपा हम पर थी, वैष्णव कुंभ जब तक था तब तक कोरोना का पता नहीं, कुंभ के विसर्जन के उपरांत कोरोना आ गया। यहां का जज्बा नई ताकत व नई ऊर्जा प्रदान करने वाला था। उसी ताकत के बल पर उप्र जैसे बड़े राज्य की आबादी को पीएम मोदी के मार्गदर्शन में कोरोना से बचाव करने में हम सफलता प्राप्त कर सके।

सीएम योगी ने कहा कि 10 वर्ष में आपने बदलते हुए नए भारत को देखा है। सीमा सुरक्षित हुई तो इंफ्रास्ट्रक्चर के बड़े-बड़े कार्य भी हुए। हाइवे, रेलवे, एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, नए संस्थानों का निर्माण व बिना भेदभाव जरूरतमंदों को गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। 2014 के पहले जाति, मत, मजहब को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाती थीं। 2014 के बाद सिर्फ सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के अनुरूप बिना भेदभाव योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। हर गरीब, व्यापारी, महिला, नौजवान, किसान को लाभ मिल रहा है। सुरक्षा-सब्सिडी सबको दे रहे हैं। तुष्टिकरण नहीं, बल्कि मोदी जी ने हर नागरिक की संतुष्टि को आधार बनाया है। नए भारत में युवा की आजीविका की व्यवस्था, आस्था का सम्मान, पौराणिक विरासत के संरक्षण का कार्य भी हो रहा है। विकास के साथ आम नागरिकों को जोड़ने का कार्य हो रहा है। बेटी-बहन और व्यापारी को सुरक्षा की गारंटी है। किसान को विकास के अभियान के साथ जोड़ने की गारंटी ही मोदी की गारंटी है।

सीएम ने कहा कि हम बिना भेदभाव 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार मानते हैं। 2014 के पहले पूर्वोत्तर के राज्यों में उग्रवाद, अलगाववाद चरम पर था। जम्मू-कश्मीर में पत्थरबाज हावी थे। सुरक्षा के जवान चोटिल होते थे। आज जम्मू-कश्मीर में पत्थरबाजी समाप्त, धारा-370 समाप्त हो गया। 1952 में कांग्रेस ने यह दंश दिया था, जो देश में उग्रवाद का कारण बना था, लेकिन उसका निदान मोदी जी ने कर दिया। आज कोई भारत की सीमा में घुसपैठ या आतंकी घटना का साहस नहीं कर सकता। यशस्वी नेतृत्व होने से सर्वांगीण विकास होता है।

आज सीमावर्ती क्षेत्रों तक भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर पहुंचा है। पहले सैनिकों को कई किमी. दूर तक पीठ पर सामान बांधकर जाना पड़ता था, लेकिन अब सीमा क्षेत्र तक भारत की कनेक्टिविटी बेहतर हो गई है।

### चुनाव के पहले सपा में घोर कलह और खटपट

## प्रत्याशियों को स्वीकार करने को तैयार नहीं सपाई

**लखनऊ, 28 मार्च (एजेंसियां)।** रामपुर और मुरादाबाद लोकसभा सीट पर सपा के टिकट के लिए पार्टी में जो खटपट शुरू हुई है वह खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। मुरादाबाद लोकसभा सीट से पहले डॉ. एसटी हसन टिकट दे दिया गया। उन्होंने मंगलवार को अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया।

अब इस सीट से रुचि वीरा ने सपा प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल कर दिया है। यही हाल रामपुर का है यहां बुधवार की सुबह मोहिबुल्लाह का नाम सपा प्रत्याशी के तौर पर घोषित किया गया। उन्होंने नामांकन भी दाखिल कर दिया। लेकिन इसके बाद आजम खां के करीबी आसिम राजा ने भी अपना नामांकन सपा प्रत्याशी के तौर पर कर दिया।

2019 के लोकसभा चुनाव में सपा को रामपुर और मुरादाबाद सीट पर जीत मिली थी। रामपुर से आजम खां चुनाव जीते थे तो मुरादाबाद से डॉ. एसटी हसन। हालांकि 2022 में विधायक बनने के बाद आजम खां ने लोकसभा की सीट छोड़ दी थी। उपचुनाव में यह सीट भाजपा के घनश्याम लोधी ने जीत ली थी।

2024 के लोकसभा चुनाव में इन दोनों सीटों पर मतदान पहले चरण में होना है। जिसके लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तिथि 27 मार्च थी। नामांकन की प्रक्रिया 20 मार्च से शुरू हो गई थी। इसके बाद भी सपा ने इन दोनों सीटों पर अपने पत्ते नहीं खोले। राजनीतिक हलकों में ऐसी चर्चा थी कि आजम खां से अखिलेश यादव की मुलाकात के बाद इन दोनों सीटों पर प्रत्याशी तय किए जाएंगे।

इसके बाद अखिलेश यादव ने सीतापुर जेल में जाकर आजम खां से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच क्या चर्चा हुई यह तो वही जानें लेकिन एक बात जो बाहर आई वह यह थी कि आजम खां ने अखिलेश यादव से रामपुर से चुनाव लड़ने के लिए कहा है। हालांकि अखिलेश यादव ने साफ तौर पर कुछ नहीं कहा। रामपुर के सपाई भी अखिलेश यादव से मुलाकात करने के लिए लखनऊ गए और उनको आजम खां के सुझाव के मुताबिक फैसला लेने का आग्रह किया।

# यूपी की कानून व्यवस्था बनेगी डबल इंजन सरकार की ताकत

**लखनऊ, 28 मार्च (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के दौरान जब मतदाता ईवीएम में प्रत्याशी के आगे लगा बटन दबाएंगे तो उनके सामने प्रदेश की कानून व्यवस्था में विगत सात वर्ष में हुए उल्लेखनीय सुधार की तस्वीर जरूर होगी। वो 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश और 2017 के बाद के उत्तर प्रदेश के अंतर को जरूर महसूस करेंगे। सांप्रदायिक हिंसा और माफिया राज से मुक्त प्रदेश की छवि जो 7 वर्षों में बनी है, मतदाता उसे जरूर ध्यान में रखेंगे। महिलाओं की सुरक्षा के लिए किए गए कार्य उन्हें फिर एक बार मोदी सरकार बनाने के लिए प्रेरित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सीएम योगी ने इन 7 वर्षों में कानून व्यवस्था को सुधाने के लिए जो प्रयास किए हैं, वो इन चुनावों में डबल इंजन की सरकार के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। 2022 के विधान सभा चुनावों में भी प्रदेश की कानून व्यवस्था ने सीएम योगी को दोबारा सत्ता दिलाने में अपनी भूमिका निभाई थी और अब 2024 के आम चुनावों में भी यही फैक्टर 80 सीटों पर अपना प्रभाव दिखाकर पीएम मोदी को तीसरी बार केंद्र की बागडोर दिला सकता है।

अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते उत्तर प्रदेश में विगत 7 वर्षों में एक भी सांप्रदायिक हिंसा की घटना नहीं हुई। नवंबर 2019 से नवंबर 2023 के बीच प्रदेश के कुल 68 चिन्हित

माफिया अपराधी व गैंग के सदस्यों द्वारा अवैध कृत्यों से अर्जित 3723 करोड़ से अधिक की संपत्तियों का जब्तीकरण व ध्वस्तीकरण किया गया। अन्य विभिन्न माफिया की जनवरी 2021 से अक्टूबर 2023 तक गैंगस्टर अधिनियम के अंतर्गत 4268 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के जब्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की गई। गैंगस्टर अधिनियम के अंतर्गत मार्च 2017 से नवंबर 2023 तक कुल 22,301 अभियोग पंजीकृत किए गए, जबकि 70,879 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए। इसके साथ ही 120 अरब रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। इस दौरान 192 अपराधी मुठभेड़ में मारे गए, जबकि 5800 घायल हुए।

वर्ष 2016 की तुलना में वर्ष 2023 तक में अपराधों में बड़ी कमी दर्ज की गई। डकैती में 87 प्रतिशत से ज्यादा, लूट में 72 प्रतिशत से ज्यादा, हत्या के मामलों में 40 प्रतिशत, फिरौती के लिए अपहरण के मामलों में 68 प्रतिशत और बलात्कार के मामलों में 24 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई। इसी तरह 2016 की तुलना में 2023 तक में व्यापक पैमाने पर निरोधात्मक कार्रवाई की गई। शस्त्र अधिनियम के तहत 4 प्रतिशत अधिक, एनडीपीएस अधिनियम में 26 प्रतिशत अधिक, गैंगस्टर अधिनियम में 23 प्रतिशत, गुंडा एक्ट में 31 प्रतिशत और आबकारी एक्ट में 32 प्रतिशत अधिक कार्रवाई की गई।

महिलाओं की सुरक्षा सीएम योगी की प्राथमिकता रही है और इसको लेकर प्रदेश में बड़े स्तर पर कार्य किए गए हैं। सरकार में 1698 एंटी रोमियो स्क्वाड गठित किए गए हैं, जिन्होंने प्रदेश भर में 21,422 मुकदमे दर्ज किए हैं। प्रदेश के सभी जनपदों के 1584 थानों में महिला हेल्प डेस्क व 18 जोनल ऑफिसेज में महिला साइबर क्राइम सेल की स्थापना की गई है। मार्च 2022 से नवंबर 2023 तक महिला एवं पॉक्सो अपराध में दोषी पाए गए 12855 अभियुक्तों को सजा दिलाई गई है। 16 अभियुक्तों को मृत्युदंड, 1298 को आजीवन कारावास, 3422 को 10 वर्ष से अधिक की सजा तथा 8119 को 10 वर्ष तक की सजा से दंडित कराया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने तथा उनमें सुरक्षा की भावना जागृत करने के उद्देश्य से प्रदेश के 1518 थानों में 10,378 महिला बीट गठित कर कुल 15,130 महिला कर्मियों की तैनाती की गई।

### भाजपा के सामने फिर भी हैं बड़ी चुनौतियां

## राम मंदिर निर्माण से फायदा, पर सवाल भी कई...

**लखनऊ, 28 मार्च (एजेंसियां)।** भाजपा यूपी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 में कर चुकी है। अब सभी 80 सीटें जीत पाना तो दो पत्थरों के बीच दूब उगाने जैसा होगा। हालांकि, ऐसा करिश्मा आपातकाल के बाद हुए 1977 के आम चुनाव में हो चुका है। तब जनता पार्टी उस समय की सभी 85 सीटों पर अपना परचम फहराने में कामयाब हुई थी। सियासी पंडितों का तर्क है कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा 16 सीटें हार गई थी। उपचुनाव में आजमगढ़ और रामपुर दो सीटें जीतीं जरूर, लेकिन मुकाबला कड़ा रहा।

सपा के गढ़ वाली मैनपुरी और कांग्रेस का किला रही रायबरेली दो ऐसी सीटें हैं, जो भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण रही हैं। पिछले चुनाव में हारी और कड़े मुकाबले वाली 20 से ज्यादा सीटों के हालात अब भी पिछले आम चुनाव से ज्यादा भिन्न नहीं हैं। उल्टा कई सीटों पर मोदी फैक्टर की जगह प्रत्याशी फैक्टर हावी है। अब तक घोषित 63 सीटों में से करीब 10 ऐसी हैं, जहां मतदाता इस बार भाजपा से नए चेहरे की उम्मीद कर रहा था। पर, पार्टी ने रामलहर का प्रभाव मानकर पुराने को ही उतार दिया।

साल 2014 और 2017 के चुनाव की तरह तत्कालीन सरकार के खिलाफ वाला माहौल भी नहीं है। सरकार भाजपा की है। 2014 की तरह चतुष्कोणीय मुकाबला नहीं है। तब भाजपा-अपना दल, कांग्रेस-रालोद-महान दल गठबंधन के अलावा बसपा

और सपा के बीच चतुष्कोणीय चौसर सजी थी। 2019 की तरह महागठबंधन जरूर सामने नहीं है, लेकिन त्रिकोण बनाने को मैदान में उतरी बसपा के पास पहले जैसे दमदार प्रत्याशी नजर नहीं आ रहे हैं।

दूसरा, 2019 में बसपा प्रदेश की 37 सीटों पर मैदान में नहीं थी। ऐसी सीटों पर अपवाद स्वरूप छोड़कर दलित वोट महागठबंधन के बजाय भाजपा की ओर शिफ्ट हो गया था, जिसकी वजह से भाजपा की सीटें 2014 की अपेक्षा घटने के बावजूद मत प्रतिशत बढ़ गया था। तीसरा, इस चुनाव में सत्ताधारी दल के काम, व्यवहार और आचरण की भी लोग चर्चा कर रहे हैं। चुनाव कार्यक्रम के एलान के साथ ही अलग-अलग इलाकाई फैक्टर उभरने लगे हैं। एक और बड़ी बात-पिछले दो चुनावों में भाजपा की सीटें बढ़ने की जगह घटी हैं। भाजपा 2014 की अपनी 71 सीटों की जगह 2019 में 62 सीटें और 2017 के विधानसभा चुनाव में मिलीं 312 सीटों के मुकाबले 2022 में 255 सीटें ही जीत सकी। ऐसा तब हुआ जब दोनों ही चुनाव राज्य व केंद्र की डबल इंजन सरकार के सत्ता में रहते हुए संपन्न हुए हैं।

भाजपा कार्यकर्ता आजकल कहीं भी कहते मिल जाते हैं कि अब तो मंडल और जिलों से क्षेत्र तक के संगठन में काडर की जगह विधायकों, मंत्रियों और सांसदों के पिछलग्गू पदाधिकारियों के नाम गिनाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि ऐसे पदाधिकारी संगठन की शक्ति बढ़ाने की जगह अपने नेता की भक्ति में डूबे रहते हैं। इससे जमीनी कार्यकर्ता हताश हो रहे हैं। इन सबसे हटकर प्रचंड गर्मी में मतदाताओं को घर से निकालने की बड़ी चुनौती होगी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि हमारा वोटर पॉजिटिव फैक्टर जैसी धारणा में चुनाव तक पूरा माहौल बनाकर वोट के दिन घर बैठ जाता है। अयोध्या में विवादित ढांचा गिराए जाने के बाद यूपी सहित भाजपा की कई राज्य सरकारें बर्खास्त कर दी गईं। बाद के चुनाव में बर्खास्तगी के खिलाफ ऐसा आक्रोश नजर आ रहा था कि जिससे लग रहा था कि दो तिहाई बहुमत से सरकार बनेगी। पर, हुआ उल्टा।

दूसरा वाकया तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय का है। पहली बार केंद्र सरकार ने अपने काम पर वोट मांगने का साहस दिखाया था। अति उत्साह में चुनाव के लिए इंडिया शाइनिंग का नारा दे दिया गया। चुनाव भर खूब उत्साह नजर आया। पर, नतीजे आए तो ढेर थे। 2014 की सफलता से बेहतर प्रदर्शन के लिए पार्टी ने रणनीति और चुनाव प्रबंधन से लेकर आक्रामक प्रचार अभियान की जोरदार तैयारी की है।

### अयोध्या से रामेश्वरम तक पदयात्रा करने वाली जल-नारी ने कहा

# दक्षिण के राज्यों में योगी मॉडल को लेकर उत्सुकता

**लखनऊ, 28 मार्च (एजेंसियां)।** वॉटर वुमेन के नाम से मशहूर उत्तर प्रदेश की बेटी शिप्रा पाठक ने अयोध्या से रामेश्वरम तक 3,952 किमी की पदयात्रा के उपरांत अपने अनुभवों को साझा किया है। उन्होंने इस बात पर सबसे ज्यादा हर्ष व्यक्त किया कि योगी आदित्यनाथ का यूपी मॉडल दक्षिण के राज्यों में भी लोकप्रिय है। कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे प्रांतों में योगी मॉडल के प्रति लोगों में काफी उत्सुकता देखने को मिलती है। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि योगी आदित्यनाथ के यूपी के मुख्यमंत्री होने के कारण आज प्रदेश की बेटियों के मन में सुरक्षा की भावना पैदा हुई है। यूपी की बेटियों में सबसे ज्यादा इस बात को लेकर भरोसा पैदा हुआ है कि उनके साथ अगर कुछ भी गलत होता है तो महाराज जी के भय से उनकी सुनवाई हर कहीं होगी। उन्होंने बताया कि योगी आदित्यनाथ आज पूरे देश में उत्तर प्रदेश के पर्यायवाची बन चुके हैं।

सरयू से सागर तक जाने वाली राम जानकी वन गमन पथ की भारत की प्रथम पदयात्री वॉटर वूमन शिप्रा पाठक ने यात्रा की शुरुआत 27 नवंबर को राम नगरी अयोध्या से की थी। राम नाम के संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में पड़ने वाले राम वन गमन पद चिन्ह के साथ साथ चलकर 11 मार्च को उनकी यात्रा रामेश्वरम पहुंची। शिप्रा ने अपनी इस यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उनकी पदयात्रा के साथ-साथ विभिन्न

नदियों का जल लेकर एक वाहन भी चल रहा था, जिसपर उत्तर प्रदेश का रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित था। ये कार ही उनके यूपी के होने की पहचान थी। वह जहां से भी गुजरतीं, लोग खुशी और आश्चर्य व्यक्त करते हुए ये जरूर पूछते थे की आप योगी जी महाराज के यूपी से आ रही हैं?

शिप्रा ने बताया कि यूपी का होना देशभर में आज गर्व का विषय बन चुका है। यूपी और योगी जी दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची बन चुके हैं। वह जहां-जहां भी गईं वहां के लोगों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया, सभी को इस बात की खुशी थी कि वह योगी जी के प्रदेश से आई हैं। जिस प्रकार से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निर्णय लेते हैं उसे लेकर अयोध्या से रामेश्वरम तक हर किसी के मन में आदर का भाव देखने को मिला। ज्यादातर लोग यूपी की कानून व्यवस्था और अयोध्या श्रीराम मंदिर की चर्चा और सराहना करते थे।

शिप्रा ने बताया कि पहले नर्मदा परिक्रमा और गोमती पदयात्रा के बाद राम-जानकी वनगमन यात्रा के दौरान वे जहां जहां भी गई वहां लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते दिखे। सबसे ज्यादा इस बात की कि उन्होंने धर्म और आध्यात्म को संरक्षण देने वाले प्रदेश के रूप में यूपी को विकसित किया है। यूपी की विकास यात्रा में धर्म को संरक्षण और विरासत को सम्मान देने के भाव का सभी वर्ग खुलकर स्वागत करते दिखे। शिप्रा पाठक ने बताया कि उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत को भविष्य में होने वाले जल संकट से बचाने के लिए अध्यात्म जागरण से पर्यावरण जागरण की यात्रा है।

शिप्रा ने बताया कि उनकी संस्था पंचतत्व के माध्यम से जल संकट को दूर करने के लिए अभियान चला रही है। उन्होंने बताया कि राम-जानकी वन गमन यात्रा के जरिए वह देश में राम-जानकी वन वाटिका लगाने का संकल्प ले चुकी हैं। शिप्रा के अनुसार औषधीय पौधों को संरक्षण देने के लिए इसे आध्यात्मिक स्थलों के साथ जोड़ना होगा। राम-जानकी वन गमन यात्रा के दौरान जहां भी शिलाएं स्थापित की जा रही हैं वहां की सरकार और प्रशासन से मिलकर उन स्थानों पर वाटिकाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मिलकर इस संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए प्रयास किये जाएंगे। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि योगी सरकार से सहयोग मिलने के बाद देशभर की राज्य सरकारों से अपने आप सहयोग मिलने लगेगा, क्योंकि महाराज जी सुशासन का जो भी मॉडल प्रस्तुत करते हैं, पूरे देश में उसका अनुसरण किया जाता है।

वॉटर वुमेन शिप्रा पाठक मूल रूप से यूपी के दातागंज (बदायूं) की रहने वाली हैं। सोशल एक्टिविस्ट शिप्रा पाठक ने इंग्लिश लिट्रेचर से पोस्ट ग्रेजुएट किया है। इनका राजनीतिक परिवेश से भी जुड़ाव रहा है। शिप्रा की दादी स्व. संतोष कुमारी पाठक दातागंज से चार बार विधायक रह चुकी हैं। इसके अलावा उनके नाना त्रिवेणी सहाय शर्मा भी दातागंज से विधायक रह चुके हैं। उनके पिता का भी संबंध राजनीति से रहा है। इससे इतर शिप्रा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों से जुड़ी रहती हैं। वह भगवा वस्त्र पहनती हैं और नदियों और वनस्पतियों की रक्षा और उसके संवर्धन के संकल्प के साथ अभियानों का नेतृत्व करती हैं। शिप्रा ने इससे पहले मां नर्मदा की 3600 किमी परिक्रमा, मानसरोवर परिक्रमा, मां शिप्रा परिक्रमा, सरयू पद यात्रा और ब्रज चौरासी कोसी पदयात्रा करते हुए नदियों के संरक्षण की अलख जगा चुकी हैं। शिप्रा कई पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित की जा चुकी हैं। इसके अलावा वो एक जानी-मानी मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं, जो पूरे देश में युवाओं से जुड़कर उन्हें राष्ट्रहित और प्रकृति से जुड़े मुद्दों को लेकर जागरूक करती हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
# म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 29 मार्च, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

## पुलिस कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में बंडी संजय पर मामला दर्ज

**हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
मेडिपल्ली पुलिस ने बुधवार को एक विरोध रैली के दौरान मेडिपल्ली के चेंगीचेर्ला में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के कार्य में कथित रूप से बाधा डालने के लिए भाजपा सांसद बंडी संजय और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

संजय ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ चेंगीचेर्ला गांव में एक रैली निकाली, जहां रविवार को होली पर संगीत बजाने को लेकर दो समुदायों के बीच झड़प हुई थी। झड़प में तीन लोग घायल हो गए और उसी दिन घटना के संबंध में दो मामले दर्ज किए गए थे।

आरोप है कि बुधवार को बंडी संजय और अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुलिस बैरिकेड तोड़ दिया और कथित तौर पर पुलिसकर्मियों को धक्का देने के बाद गांव में घुस गए। इस दौरान हुई हाथापाई में इंस्पेक्टर ए नंदीश्वर रेड्डी समेत तीन पुलिसकर्मी जमीन पर गिर गए और घायल हो गए।

## गोवत्स राधाकृष्णजी महाराज के मुखारविंद से नानी बाई का मायरा आज से

**हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
ध्यान फाउण्डेशन के अश्विनी गुरुजी की प्रेरणा से पेद्दाशापुर, गोलुरू रोड स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी के समीप शमशाबाद स्थित ध्यान फाउण्डेशन गौशाला के सहायतार्थ नानी बाई का मायरा का आयोजन शुक्रवार 29 मार्च से रविवार 30 मार्च तक अत्तापुर पिल्लर नं. 268 के पास स्थित एसएनसी कन्वेंशन में दोपहर 3:30 बजे से सायं 6:30 बजे तक गोवत्स परम पूज्य राधाकृष्णजी महाराज के मुखारविंद से किया जायेगा। यह जानकारी ध्यान फाउण्डेशन गौशाला के संस्थापक ट्रस्टी दीपक विजयवर्गीय ने दी। दीपक विजयवर्गीय के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य यजमान मदनलाल चन्द्रकान्त डाकोतिया परिवार तथा मायरा यजमान श्री तिरुपति बालाजी होंगे। राजकुमार सासडा इन्द्रा सारडा, महेन्द्र खेतान, साकेत सुरेशचन्द्र अग्रवाल, हनुमानप्रसाद गोयल, धनुंनजय अग्रवाल, कृष्णकुमार गर्ग, विकास मित्तल, अमित अग्रवाल, नन्दकिशोर दरक पुष्पा देवी दरक तथा राकेश नालपुरिया परिवार दैनिक यजमान होंगे। नानी बाई का मायरा हेतु गोवत्स परम पूज्य राधाकृष्णजी महाराज बैंगलोर से शुक्रवार 29 मार्च को प्रातः नगर पधार रहें है। ध्यान फाउण्डेशन गौशाला ने सभी भक्तों, गौ भक्तों एवं नगरद्वय की सभी धार्मिक संस्थाओं के सदस्यों से उपरोक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

## भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कार्यालय में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित

**हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण राज्य इकाई तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन डॉ. ललन प्रसाद सिंह, उप महानिदेशक तेलंगाना की अध्यक्षता एवं सत्यनारायण महापात्रो, राज्य इकाई आंध्र प्रदेश की सह अध्यक्षता में किया गया।

कार्यशाला के आयोजन में अनूप एन कांबले, निदेशक व राजभाषा अधिकारी, तेलंगाना तथा राकेश कुमार गुप्ता, निदेशक व राजभाषा अधिकारी,आंध्र प्रदेश ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला में मंच संचालन सोनम उपाध्याय, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने किया एवं कार्यशाला में धन्यवाद ज्ञापन पूजा यादव, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने प्रस्तुत किया। कार्यशाला में हरमोहन मिश्रा, कार्यालय अध्यक्ष, दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय, भाभूस, श्रीमती बेला, उप निदेशक, राजभाषा विभाग एवं सुजीत कुमार सिन्हा, भंडार अधिकारी ने राजभाषा हिन्दी तथा कुछ कार्यालयीन विषयों पर महत्त्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किए जिनके माध्यम से दोनों राज्य इकाइयों के पदाधिकारी लाभान्वित हुए। कार्यशाला में मदिरा सत्यनारायण, प्रशासनिक अधिकारी तथा मूर्ति मोहन सूर्यनारायण, प्रशासनिक अधिकारी जे सत्यनारायण, प्रशासनिक अधिकारी समेत के पावनी, जी.माधवी, बी.प्रभाकर, अजीत अगरकर और अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर ललन प्रसाद सिंह, उप महानिदेशक द्वारा श्रीमती बेला, उप निदेशक, राजभाषा विभाग को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी गुरुवार को हैदराबाद में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ से मुलाकात करते हुए।

## मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद ने किया अन्नदान

**हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा शाखा कें 7वें स्थापना दिवस पर अन्नदान किया गया। शाखा मंत्री शीतल जैन ने बताया कि शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में शाखा के 7वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय प्रकल्प जनसेवा के तहत घासमंडी स्थित अमन वेदिका अनाथ आश्रम में शाखा के 6 वर्ष पूर्ण होने की खुशी में बच्चों को आम व अल्पाहार दिया गया तथा बढ़ती गर्मी से राहत देने के लिए गन्ने के जूस की व्यवस्था की गई। शाखा ने इन 6 सालों में राष्ट्र एवं प्रांत में अपना परचम लहराते हुए कई सफलतम सेवाएं प्रदान की। जिसके फलस्वरूप शाखा को कई राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय पुरुस्कारों से नवाजा गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उपाध्यक्ष शशी नाहर, रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा, मोना वर्मा, संतोष गुजरानी का सराहनीय योगदान रहा। शाखा की मंत्री शीतल जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

## पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 126वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल शिविर 31 को

**हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा जैन मदनराज पद्मावती कंचन देवी राय सोनी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री आदिनाथ भक्तामर शक्ति धाम के सहयोग से 126वां नि:शुल्क मेडिकल कैम्प 31 मार्च को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक कलाकल ग्राम स्थित दि जैन इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया जायेगा।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में टीएक्स अस्पताल के जनरल फिजिशियन द्वारा ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की जाएगी। शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के चिकित्सकों द्वारा नेत्रों की जांच के पश्चात जरूरतमंदों को नि:शुल्क चश्मे और योग्य के लिए नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी।

फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की जाएगी। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की जाएगी।

अवसर पर आर्थोपेडिक और कार्डियोलॉजी की सेवा चिकित्सकों द्वारा प्रदान की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा नि:शुल्क कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स, हैंडस एवं डायलिसिस रोगियों के लिए नि:शुल्क डायलिसिस की सेवा दी जाएगी।

सभी से इस सेवा का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। शिविर के लिए नाम पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जायेगा और कैंप दोपहर 2 बजे जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए कैम्प के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता,सुरेन्द्र गोयल, रवि, गौरा रेड्डी, मधु से संपर्क किया जा सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने बुधवार को राजेंद्र नगर में तेलंगाना उच्च न्यायालय की आधारशिला रखी।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र की मलिन बस्तियों के दौरे के दौरान गुरुवार को गोलनाका सब्जी बाजार में सब्जियां खरीदते हुए।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस टीम की मालिक और रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी बुधवार रात बाल्कमपेट स्थित रेणुका एलम्मा मंदिर में दर्शन करती हुई।

## सीएमआरएफ फंड के दुरुपयोग के आरोप में पूर्व मंत्री के सहयोगी और 3 अन्य गिरफ्तार

**हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
हैदराबाद पुलिस ने मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से धन का कथित दुरुपयोग करने के मामले में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव के निजी सहायक नरेश को तीन अन्य व्यक्तियों के साथ गिरफ्तार किया है। मेदक जिले के डूमा रवि नाइक द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर जुबली हिल्स पुलिस ने मंत्री हरीश राव के कार्यालय में डाटा एंट्री ऑपरेटर नरेश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले की प्राथमिक जांच शुरू की और नरेश कुमार जोगुला, कोरलापति वामसी, वेंकटेश गौड़ और ओमकार को हिरासत में ले लिया है।

## बिहार एसोसिएशन का होली मिलन 31 को

**हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
बिहार एसोसिएशन हैदराबाद की केंद्रीय समिति की बैठक बिहार भवन में सम्पन्न हुई जिसमें आगामी होली मिलन की तैयारियों की समीक्षा की गई। एसोसिएशन मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि 31 मार्च रविवार को बिहार भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन होगा। महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि होली सांस्कृतिक कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे से प्रारंभ होकर दिनभर चलेगा। गौरतलब है कि आपसी भाईचारे और सौहार्द्र बढ़ाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम प्रति वर्ष महानगर के अलग-अलग क्षेत्रों में आयोजित किया जाता है जिसमें अधिकांश प्रवासी एकत्र होते हैं और उत्सव का आनन्द उठाते हैं। इस वर्ष नवनिर्मित बिहार भवन में होली मिलन के लिए चयनित किया गया है। अध्यक्ष हरेराम सिंह ने आह्वान किया कि सभी बिहारवासी इस होली मिलन समारोह में अपनी सहभागिता द्वारा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की कृपा करें। उन्होंने बताया कि आम बिहारवासी के अतिरिक्त महानगर के लब्धप्रतिष्ठित लोगों को भी आमन्त्रित किया गया है।

## फोन टैपिंग मामले में पूर्व विधायक रघुनंदन राव ने डीजीपी को सौंपा ज्ञापन, कहा–

# केसीआर, हरीश राव और आईएएस वेंकटरामी रेड्डी के खिलाफ दर्ज किया जाए मुकदमा

**हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

भाजपा नेता और पूर्व विधायक एवं अब मेदक लोकसभा सीट से उम्मीदवार एम रघुनंदन राव ने पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव (केसीआर), पूर्व मंत्री हरीश राव और तत्कालीन कलेक्टर पर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की अपील डीजीपी से की है।

रघुनंदन राव ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रवि गुप्ता से केसीआर, दुब्बाका चुनाव के प्रभारी हरीश राव और तत्कालीन कलेक्टर वेंकटरामी रेड्डी के खिलाफ अलग-अलग एफआईआर दर्ज करने का आग्रह किया है। उन्होंने उन पर दुब्बाका उपचुनाव और विधानसभा चुनाव के दौरान उनके और उनके परिवार के सदस्यों के फोन की अवैध टैपिंग में शामिल होने का आरोप लगाया है।

डीजीपी कार्यालय को ज्ञापन सौंपने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि अगर फोन टैपिंग के आरोपों की गहन जांच नहीं की गई तो वह अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। भाजपा नेता ने वर्तमान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और भारत के मुख्य न्यायाधीश से भी मामले का संज्ञान लेने और उचित कार्रवाई शुरू करने की अपील की है।

रघुनंदन राव ने पहले गिरफ्तार किए गए प्रणीत राव के बयान का जिक्र करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि दुब्बाका, हुजूराबाद और मुनुगोडे उपचुनावों के दौरान भी कथित तौर पर फोन टैपिंग हुई थी और उन्होंने डीजीपी से प्रणीत राव के बयान के आधार पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

मेदक लोकसभा उम्मीदवार ने यह भी कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री केसीआर के निर्देश के बिना फोन टैपिंग का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने फिल्म उद्योग के व्यक्तियों और रियल एस्टेट व्यापारियों के फोन टैप किए थे और धमकियों के जरिए पैसे वसूले थे।

होटल ताज कृष्णा, बंजारा हिल्स में डिज़ायर डिज़ाइनर प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ हुआ। डिज़ायर डिज़ाइनर प्रदर्शनी के भव्य लॉन्च पर प्रदर्शनी की मुख्य आयोजक अनिता अग्रवाल, अभिनेत्री अमिक्षा पवार, फैशन प्रेमियों और अन्य लोग उपस्थित रहे। डिज़ायर डिज़ाइनर प्रदर्शनी हैदराबाद में 28 से 30 मार्च तक होटल ताज कृष्णा बंजारा हिल्स में जारी रहेगी।

श्री वल्लभाचार्य मठ काचीगुड़ा में शुक्रवार 29 मार्च से 31 मार्च तक आयोजित होने वाले सेवा शविर में भाग लेने हेतु नगर पधारे जगद्गुरु महाप्रभु श्रीमद् वल्लभाचार्य वंशवतंस गोस्वामी मन्मथारायजी महाराज (राय साहब), बहूजी एवं लालनजी का स्वागत करते दीपक डागा एवं मुरारी मंत्री।

## मतदान के अधिकार के प्रति मतदाताओं को किया जा रहा जागरूक : भाग्यलक्ष्मी

**वारंगल, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

जिला स्वीप नोडल पदाधिकारी भाग्यलक्ष्मी का कहना है कि वोट प्राथमिकता के प्रति जागरूकता जरूरी है। नोडल अधिकारी ने बुधवार को बलदिया मुख्यालय परिसर में तेलुगु मदर टाउन फेडरेशन के सदस्यों के लिए आयोजित स्वीप-2024 (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और संबोधित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आम लोकसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में स्वीप-2024 कार्यक्रम के माध्यम से मतदान के अधिकार के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा की जा रही है ताकि आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सके। शहरी संघों का सहयोग आवश्यक है और इसके लिए 18 वर्ष की आयु के युवाओं को मतदाता के रूप में पंजीकृत होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और वोट पंजीकरण के दौरान दिया जाने वाला एपिक कार्ड न केवल एक पहचान पत्र है, बल्कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को प्राप्त करने के लिए भी उपयोगी है। जिले भर में 18 साल पूरे कर चुके करीब 19 हजार युवा हैं, लेकिन अब तक करीब तीन हजार ने ही मतदाता के रूप में पंजीकरण कराया है। इसके बाद शहरी महासंघ के सदस्यों द्वारा मतदाता शपथ ली गई। इस कार्यक्रम में टीपीआरओ कोला राजेश कुमार गौड़, टीएमसी रमेश, यूआईबी बैंक मैनेजर संजीव, सीओ रजिता, रामा, नागराजू, प्रवीण, राज कुमार और अन्य ने भाग लिया।

## पांच लाख का इनामी माओवादी और एक कूरियर गिरफ्तार

**कोत्तागुडेम, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

सुरक्षाकर्मियों ने एक माओवादी क्षेत्र समिति सदस्य (एसीएम) एवं एक कूरियर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए एसीएम के सिर पर 5 लाख रुपए का नकद इनाम है। गुरुवार को यहां एक बयान में, पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने बताया कि माओवादियों को बुधवार को डुम्मुगुडेम मंडल के मुलकानापल्ली जंगलों में जिला पुलिस, सीआरपीएफ और कोबरा जवानों द्वारा तलाशी अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया था।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के पुसनार गांव के सीपीआई (माओवादी) पार्टी किस्टाराम एलओएस के डिप्टी कमांडर पुत्तम मुन्ना उर्फ सन्नाल और मुलुगु जिले के उप्पेडु वीरपुरम के कूरियर जादी पेद्दाबाई के रूप में की गई। एसएलआर हथियार रखने वाला सन्नाल 2004 से माओवादी पार्टी में काम कर रहा है। उन्होंने 2011 से 2022 तक माडवी हिडमा उर्फ संतोष के नेतृत्व में माओवादी बटालियन सदस्य के रूप में कार्य किया।

उन्हें 2022 में एसीएम के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह 2007 में ताड़ीमेटला में 12 सीआरपीएफ जवानों की हत्या, 2010 में चिंतलनार जंगलों में 76 सीआरपीएफ जवानों, 2014 में 14 सीआरपीएफ जवानों और 2021 में घात लगाकर 22 सीआरपीएफ जवानों की हत्या में शामिल थे। हाल ही में धर्माराम पुलिस शिविर पर हमला और अन्य घटनाओं में भी वह शामिल थे। पेद्दाबाई पिछले तीन वर्षों से छत्तीसगढ़ में माओवादियों की पहली बटालियन के लिए कूरियर के रूप में काम कर रही है। एसपी ने कहा कि पुलिस ने गिरफ्तार दोनों के पास से दस जिलेटिन की छड़ें, दो डेटोनेटर और पर्चे जब्त किए हैं।

## एसपी ने अशांत और समस्याग्रस्त मतदान केंद्र का किया दौरा

**आसिफाबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

कुमरम भीम आसिफाबाद के एसपी के सुरेश कुमार ने गुरुवार को सिरपुर टाउन पुलिस स्टेशन के अंतर्गत दूरस्थ और समस्याग्रस्त जिला परिषद स्कूल मतदान केंद्र का दौरा किया। इस अवसर पर बोलते हुए एसपी ने सेक्टर अधिकारियों को समस्याग्रस्त मतदान केंद्रों में किए जाने वाले उपायों के बारे में जानकारी दी। मतदान केन्द्र पर सड़क, पानी एवं अन्य सुविधाओं को लेकर किये जाने वाले उपायों के बारे में सेक्टर अधिकारियों को बताया गया। सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग लोकतांत्रिक तरीके से करना चाहिए और बेहतर समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। बैठक चुनाव में लोगों का विश्वास बढ़ाने के लिए आयोजित की गई थी। युवाओं और लोगों से कहा गया कि वे माओवादियों के प्रलोभन में न आएं और न ही आगे बढ़ें। उनका सहयोग न करें।

## गर्मियों के दौरान आवासीय क्षेत्रों में पेयजल की कोई किल्लत न हो : कलेक्टर

**आसिफाबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

कुमराभीम आसिफाबाद के जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि गांवों में पीने के पानी की सुविधा के अलावा सीसी रोड, हाउस टैक्स वसूली और सीवरेज सुविधाओं का काम उचित योजना के तहत पूरा किया जाना चाहिए। गुरुवार को एकीकृत जिला पदाधिकारी भवन परिसर के सभाकक्ष में अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर दीपक तिवारी, स्थानीय निकाय, अतिरिक्त जिला पंचायत अधिकारी सुरेंद्र, जिला ग्राम विकास अधिकारी सुरेश, उमर हुसैन सहित कई प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जिले के सभी पंचायतों में गर्मी के मौसम में पेयजल की कोई समस्या न हो। संबंधित अधिकारियों को समन्वय बनाकर काम करने का आदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि हैण्डपम्प, पम्प सेट, मिशन भगीरथ पाइप की मरम्मत का कार्य हो तो उसे तत्काल पूर्ण कराया जाये।

# मेसर्स श्री साई गणेश रॉक टूल्स पर भारतीय मानक ब्यूरो की छापेमारी

### भारी मात्रा में नकली बीआईएस मानक आईएसआई मार्क वाले यूपीवीसी पाइप जब्त

**हैदराबाद, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय ने बुधवार को छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप विजयवाड़ा और पेद्दा अंबरपेट में आउटर रिंग रोड के पास स्थित मेसर्स श्री साई गणेश रॉक टूल्स को जब्त कर लिया गया। छापेमारी यह पता चलने के बाद की गई कि कंपनी नकली बीआईएस मानक आईएसआई मार्क वाले यूपीवीसी पाइप बेच रही थी। नकली बीआईएस मानक चिह्नों का उपयोग बीआईएस अधिनियम 2016 की धारा 16 और 17 का उल्लंघन है। ऑपरेशन के दौरान नकली आईएसआई मार्क वाले लगभग 130 मीटर यूपीवीसी पाइप जब्त किए गए।

बीआईएस के एक बयान में उपभोक्ताओं से सावधानी बरतने और बीआईएस लाइसेंस की प्रामाणिकता को सत्यापित करने का आग्रह किया है, जिसे बीआईएस वेबसाइट www.manakonline.in पर या बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से मान्य किया जा सकता है। प्रासंगिक भारतीय मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए, विनिर्माण इकाइयों को उनके उत्पादन और परीक्षण सुविधाओं के कठोर मूल्यांकन के बाद ही बीआईएस लाइसेंस दिए जाते हैं। इसलिए उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे बीआईएस मानक चिह्न वाले उत्पाद खरीदने से पहले बीआईएस लाइसेंस की वैधता को सत्यापित करें।

# दक्षिण मध्य रेलवे में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

**हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

दमरे मुख्यालय में गुरुवार को आर.धनंजयुलु, प्रभारी महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर जी.के.द्विवेदी, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे तथा मंडलों व कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की। महाप्रबंधक ने सबसे पहले रेल मंत्री राजभाषा शील्ड का प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने पर इस रेलवे के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों बधाई दी।

उन्होंने अखिल रेल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजयवाडा मंडल की नाटक की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राजभाषा मदों का अनुपालन करना हम सबकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्होंने रेल संरक्षा से जुडे सभी प्रलेखों को तथा वेबसाइट सामग्री को अनिवार्य रूप से द्विभाषिक रूप में जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर ने समिति के अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा विजयवाडा मंडल, हैदराबाद मंडल, रायनपाडु कारखाना के निरीक्षण के दौरान दिए गए आश्वासनों पर कार्रवाई करके अनुपालन रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को भेज दी गई है। स्टेशन संचालन नियमों का अनुवाद प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। दमरे में राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए नियमित रूप से कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ.श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की।

एम.के.नागराजु, राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अगली तिमाही की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

## बेतमचेरला-बुग्गनपल्ले के मध्य एससीआर ने विद्युतीकरण के साथ शुरू की दोहरी लाइन

**हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

दक्षिण मध्य रेलवे ने गुंटूर-गुंटकल में चल रहे दोहरीकरण परियोजना पर विशेष जोर दिया है और काम तेजी से प्रगति पर है और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न हिस्सों में कुछ खंड चालू किए गए हैं। उसी गति को जारी रखते हुए, बेतमचेरला - बुग्गनपल्ले सीमेंट नगर के बीच 6.2 किलोमीटर की दूरी के लिए एक और खंड का दोहरीकरण पूरा हो गया है और विद्युतीकरण के साथ चालू कर दिया गया है। यह खंड आंध्र प्रदेश के कुरनूल और नंद्याल जिलों में पड़ता है और इस खंड के दोहरीकरण के

पूरा होने के साथ अब गुंटकल-बुग्गनपल्ले के बीच 113 किलोमीटर तक विद्युतीकरण के साथ-साथ निरंतर दोहरी लाइन की सुविधा होगी।

गुंटूर-गुंटकल खंड आंध्र प्रदेश राज्य के गुंटूर शहर को रायलसीमा क्षेत्र और दक्षिण से परे जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रेल लिंक है। यह लाइन गुंटूर, प्रकाशम, पालनाडु, नंद्याल और कुरनूल जिलों से होकर गुजरती है और भीतरी इलाकों को जोड़ती है। इस खंड पर निर्बाध परिवहन प्रदान करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए, गुंटूर-गुंटकल दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजना को वर्ष 2016-17 में मंजूरी दी गई थी।

अब तक, नल्लापाडु-गिद्दलुर (200 किमी), बेतमचेरला - गुंटकल (107 किमी) के बीच दोहरीकरण और विद्युतीकरण पहले ही पूरा हो चुका है और चालू हो चुका है। इसके साथ ही इस परियोजना का कुल 307 किलोमीटर का हिस्सा पूरा और चालू हो गया। अब, बेतमचेरला-बुग्गनपल्ले के बीच एक और 6 किलोमीटर का काम पूरा होने के साथ, गुंटूर-गुंटकल के विभिन्न हिस्सों पर विद्युतीकरण के साथ कुल 313 किलोमीटर के दोहरीकरण का काम पूरा हो गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब ट्रेनों को गुंटूर-गिद्दलुर के बीच 200 किलोमीटर और बुग्गनपल्ले-गुंटकल के बीच 113 किलोमीटर तक लगातार चलाया जा सकता है। इन खंडों के दोहरीकरण से इस महत्वपूर्ण खंड में भीड़ कम हो जाएगी जिससे गुंटूर-गुंटकल खंड में अच्छी गतिशीलता मिलेगी। परियोजना के शेष खंड अर्थात बुग्गनपल्ले-गिद्दलूर में काम तेजी से प्रगति पर है। संपूर्ण परियोजना के दोहरीकरण और विद्युतीकरण के पूरा होने से न केवल खंड पर भीड़भाड़ कम होगी बल्कि ट्रेनों की औसत गति बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

## जुव्वाडी कृष्णा राव ने जीवन रेड्डी से की भेंट

**जगतियाल, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

जिले के स्नातक एमएलसी जीवन रेड्डी को गुलदस्ता पेश करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जुव्वाडी कृष्णा राव। निजामाबाद संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस ने जीवन रेड्डी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इस दौरान कांग्रेस के नेताओं ने उनसे मुलाकात करते हुए उन्हें बधाई दी। इनके साथ कोरुटला कांग्रेस अध्यक्ष टी गंगाधर, मंडल कांग्रेस अध्यक्ष के राजू, पी. सत्यनारायण, महिपाल और अन्य लोग उपस्थित रहे।

# लेह को मनाली से जोड़ने पर लद्दाखियों में खुशी भी है और चिंता भी

**सुरेश एस डुग्गर**
**जम्मू, 28 मार्च।**

सोमवार को लद्दाख में रणनीतिक निम्मू-पदम-दारचा सड़क को जोड़ने पर सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को जो सराहना और सराहना मिली, उसके बीच, लद्दाख में स्थानीय लोग क्षेत्र के परिदृश्य और सांस्कृतिक विरासत में संभावित बदलाव को लेकर चिंतित हैं। जहां मुख्य रूप से आदिवासी आबादी निवास करती है।

जानकारी के लिए 298 किलोमीटर की यह सड़क करगिल-लेह राजमार्ग पर दारचा और निम्मू के माध्यम से मनाली को लेह से जोड़ेगी। हालांकि, लद्दाख के सांस्कृतिक कार्यकर्ता और स्वतंत्र शोधकर्ता डा सोनम वांगचुक ने एक्स प्लेटफार्म पर एक पोस्ट में विकास पर अपनी चिंता व्यक्त की। सोनम वांगचुक कहते थे कि एक तरफ, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि बीआरओ इंडिया ने हाल ही में लद्दाख में रणनीतिक निम्मू-पदम-दारचा सड़क को जोड़ा है। हालांकि, मुझे वास्तव में चिंता है कि यह समृद्ध संस्कृति और विरासत की भूमि जंस्कार के परिदृश्य को बदल सकता है।

करगिल की सामाजिक कार्यकर्ता और वकील मुस्तफा हाजी, जो लेह एपेक्स बॉडी के कानूनी सलाहकार के रूप में भी कार्यरत हैं, सोनम वांगचुक की पोस्ट के जवाब में उन्होंने ने इस चिंता का समर्थन किया है। मुस्तफा हाजी के शब्दों में, मैं तहे दिल से सहमत हूं! मुझे हमेशा यह जानने की जिज्ञासा रही है कि करगिल-जंस्कार सड़क इतनी चौड़ी क्यों बनाई गई है? इसे दो लेन की सड़क के बजाय चार लेन में बदल दिया गया है, जो पूरी तरह से अनावश्यक है, जब तक कि यह किसी बड़ी योजना का हिस्सा न हो। और निश्चित रूप से इस परियोजना के लिए सुरू घाटी में कितने पेड़ों को काटना होगा, इसका उल्लेख नहीं करना चाहिए।

स्टैनजिन गावा नाम के एक अन्य व्यक्ति ने सोनम वांगचुक की पोस्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि:जब हम सभी सुविधाओं का आनंद लेते हैं, तो कम से कम विकसित क्षेत्र के विकास पर आपत्ति व्यक्त करना पाखंडी होगा। यह सड़क न केवल नागरिकों की आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह चीन पर भारतीय सेना की आपूर्ति लाइन को रणनीतिक लाभ देगी और जल्द ही जोजिला पर निर्भरता कम हो जाएगी। इस प्रतिक्रिया का जवाब देते हुए सोनम वांगचुक कहते थे कि, पूरी तरह से सहमत हूं और इसीलिए मैंने कहा कि मैं खुश हूं और इस महत्वपूर्ण सड़क को जोड़ने के लिए बीआरओ की सराहना करता हूं, लेकिन एक संस्कृति और विरासत कार्यकर्ता के रूप में मैं जास्कार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में चिंतित हूं। मैं बिल्कुल भी सड़क के खिलाफ नहीं हूं। इस पर गावा ने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक स्थल या संपत्ति को किसी भी नुकसान या खतरे से बचाने के लिए, सांस्कृतिक और विरासत सदस्यों के संरक्षकों को बीआरओ के साथ बातचीत करनी चाहिए और एकजुट होकर काम करना चाहिए।

## 5 दिन में 51 हजार ने निहारा ट्यूलिप गार्डन

**जम्मू, 28 मार्च (ब्यूरो)।**

एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन में खिलने वाले साढ़े सत्रह लाख फूलों का दीदार करने को भीड़ बढ़ने लगी है। यह खुशी कितनी है इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बार मात्र पांच ही दिनों में कश्मीर घाटी में स्थित एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन में पर्यटकों की उल्लेखनीय आमद देखी गई है, 23 मार्च को इसके उद्घाटन के बाद से 51,000 से अधिक पर्यटकों ने इसके जीवंत फूलों का आनंद लिया है।

अधिकारियों के अनुसार, रमजान के महीने के बावजूद, स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक, ट्यूलिप के शानदार प्रदर्शन को देखने के लिए उमड़ पड़े हैं। उपलब्ध विवरण के अनुसार, खान मुदासिर द्वारा प्रबंधित इस उद्यान को इसके उद्घाटन के पहले पांच दिनों के भीतर आगंतुकों से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है, जिसमें 51,786 उत्साही लोग इसके घुमावदार रास्ते और रंग-बिरंगे रास्ते में की गई पुष्प सज्जा को तलाश रहे हैं।

आगंतुकों को और अधिक मंत्रमुग्ध करने के लिए, फूलों की खेती विभाग ने इस बार बगीचे के आकर्षण को बढ़ाते हुए ट्यूलिप की पांच नई किस्में पेश की हैं। आगंतुकों के अनुभव को सुव्यवस्थित करने और लंबी कतारों को कम करने के लिए, उद्यान प्रबंधन ने ऑनलाइन टिकट प्रसंस्करण की शुरुआत की है, इस कदम का पर्यटकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया है। इसके अतिरिक्त, शैक्षिक यात्राओं को बढ़ावा देने के लिए, बगीचे की देखरेख करने वाले अनुबंध द्वारा घोषित, छात्रों को टिकटों पर विशेष 20 प्रतिशत छूट 10 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, इसके अलावा, आगंतुकों ने एक सहज और सुखद अनुभव सुनिश्चित करने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की है, और की गई व्यवस्थाओं पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की है। अधिकारियों का कहना था कि कश्मीर की यात्रा में बाधा डालने वाली चुनौतियों के बावजूद, बगीचे में पिछले साल के 366,000 आगंतुकों के रिकॉर्ड को इस बार ईद के बाद पार करने की उम्मीद है।

ट्यूलिप गार्डन का पूरा नाम इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन है, जिसे पहले सिराज बाग के नाम से जाना जाता था। आधिकारिक रूप से 23 मार्च को ट्यूलिप गार्डन के दरवाजे पर्यटकों के लिए खोल दिये गए हैं।

## ममता बनर्जी के खिलाफ भाजपा उम्मीदवार के बयान पर भड़की टीएमसी



**कोलकाता, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के बीच भाजपा और तृणमूल कांग्रेस में जुबानी जंग जारी है। हाल ही में टीएमसी ने आरोप लगाया था कि भाजपा नेता और उम्मीदवार अभिजीत गांगुल ने बंगाल सीएम के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया। इसे लेकर अब पार्टी की प्रवक्ता शशि पांजा ने निशाना साधा और इसकी शिकायत चुनाव आयोग से करने की बात कही है।

तृणमूल कांग्रेस की मंत्री शशि पांजा ने कहा है कि भाजपा कितनी ही बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मौत की कामना कर ले लेकिन भगवान, अल्लाह और ईश्वर के आशीर्वाद से वे ठीक रहेंगी। बंगाल की जनता उनको राजनीति में बनाए रखेगी। उन्होंने भाजपा के प्रत्याशी अभिजीत गांगुली के बयान की निंदा करते हुए यह बात कही। टीएमसी नेता ने एक वीडियो लिंक भी साझा किया है, जिसमें एक साक्षात्कार में भाजपा के तमलुक से प्रत्याशी अभिजीत गांगुली ने कह रहे हैं कि ममता बनर्जी का मृत्युघंटा बज चुका है। हालांकि, इस वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शशि पांजा ने भारत निर्वाचन आयोग से मांग है कि जिस व्यक्ति ने मुख्यमंत्री की मौत की घंटी बजने की बात कही है, उस पर तत्काल कार्रवाई करें! उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री की इच्छा मृत्यु! क्या यह संभव भी है? हम स्तब्ध हैं! यह भारतीय लोकतंत्र का काला दिन है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इस बारे में सोचें कि आप अपने परिवार में किसे शामिल कर रहे हैं?

## मनी लॉन्ड्रिंग में गोवा के आपा प्रमुख समेत चार से पूछताछ

**पणजी, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रडार पर आम आदमी पार्टी (आपा) के कई नेता हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आप की गोवा इकाई के प्रमुख अमित पालेकर समेत चार लोगों से पूछताछ की गई। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि जांच एजेंसी की यह कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध का नतीजा है। गोवा में आम आदमी पार्टी के विधायक वेन्जी वीगास ने कहा, अरविंद केजरीवाल और आप अच्छी शिक्षा, अच्छे स्वास्थ्य, बिजली की अच्छी गुणवत्ता, महिला सुरक्षा और उद्यमिता जैसे मुद्दों पर काफी आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के विस्तार को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।



आम आदमी पार्टी के विधायक वेन्जी वीगास के मुताबिक आम आदमी पार्टी (आपा) जनता और जमीन से जुड़े मुद्दों पर एक राज्य से दूसरे राज्य में जीत रही है और अगर किसी को इस पार्टी को विस्तार करने से रोकना है तो चुनाव से ठीक पहले हर राज्य में इसके सुप्रीमो और मुख्य नेताओं को पकड़ना ही एकमात्र विकल्प है। उन्होंने सवाल किया कि हर घर से, अरविंद केजरीवाल बाहर आएंगे तो क्या करेंगे? क्या सबको गिरफ्तार कर लेंगे?

## रमजान शुरू होने के साथ ही पूरे भारत में कश्मीरी सेब की मांग बढ़ी

**जम्मू, 28 मार्च (ब्यूरो)।**

इस बार रमजान शुरू होने के साथ ही पूरे भारत में कश्मीरी सेब की मांग बढ़ गई है। रमजान की शुरुआत के बाद से, उत्पादकों ने कोल्ड स्टोरेज में रखे सेब को शेष भारत में भेजना शुरू कर दिया है। उत्पादकों के अनुसार इस समय पूरे भारत में सेब की अच्छी मांग है क्योंकि रमजान का पवित्र महीना चल रहा है।



नॉर्थ कश्मीर फ्रूट ग्रोअर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष फैयाज अहमद मलिक बताते हैं कि कोल्ड स्टोर भंडारित सेबों की अभी अच्छी मांग है। अभी कश्मीरी सेब भारत के प्रमुख फल बाजारों में भेजे जा रहे हैं। उनका कहना था कि हमारे पास अभी भी कोल्ड चेन सुविधाओं में भारी मात्रा में सेब संग्रहित है, जो भारत के विभिन्न बाजारों में भेजे जाने के लिए तैयार है। उनका दावा था कि चूंकि रमजान फलों और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों की बढ़ती खपत का समय है, इसलिए कई घरों में कश्मीरी सेब इफ्तार की मेज पर मुख्य भोजन बन गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों में कश्मीरी सेब की मांग बढ़ गई है।

कश्मीर के सेब उत्पादकों का कहना था कि भारत के विभिन्न फल बाजारों में सेब के एक बॉक्स की कीमत 1500-1600 रुपए के बीच है। मलिक कहते थे कि कोल्ड स्टोर भंडारित सेबों की अच्छी कीमत मिलती है क्योंकि वे ऑफ-सीजन के दौरान भारत के विभिन्न शहरों में उपलब्ध हो जाते हैं। अभी एक सेब की पेटी की कीमत 1500-1600 रुपए है। सेब उत्पादक बताते हैं कि भारत के विभिन्न शहरों में इसकी मांग को देखते हुए रमजान अक्सर कश्मीरी सेब के लिए एक लाभदायक मौसम साबित होता है। सेब उत्पादक शब्बीर अहमद खान बताते हैं कि मौजूदा सीजन के दौरान, केवल कश्मीरी सेब भारत के बाजारों में उपलब्ध होते हैं। इसलिए, उत्पादक बड़ी मात्रा में सेब विभिन्न फल बाजारों में भेजते हैं।

## जयशंकर के निमंत्रण पर भारत पहुंचे यूक्रेन के विदेश मंत्री



**नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों के बीच भारत की अपनी पहली यात्रा पर आज नई दिल्ली पहुंचें हैं। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद वे राजधानी दिल्ली स्थित महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पहुंचे। यहां उन्होंने बापू को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

गौरतलब है कि इससे पहले, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बुधवार को उनके दौरे के बारे में जानकारी दी थी। विदेश मंत्रालय ने बताया था कि उनकी यात्रा विदेश मंत्री एस जयशंकर के निमंत्रण पर हो रही है। यात्रा के दौरान कुलेबा क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर द्विपक्षीय साझेदारी और सहयोग पर चर्चा करेंगे। वह व्यापार जगत के लोगों के साथ बातचीत भी करेंगे। सोशल मीडिया पर पोस्ट पर कुलेबा ने कहा, मेरे दौरे से हमारे (भारत-यूक्रेन) रिश्ते और मजबूत होंगे। यूक्रेन और भारत को दो बड़े लोकतंत्र बताते हुए कुलेबा ने कहा कि उन्हें यकीन है कि हम अच्छे साझेदार बनने के लिए तैयार हैं।

### एचएएल ने बनाया तेजस एमके-1-ए सीरीज का पहला विमान

## बेंगलुरु में भरी पहली सफल उड़ान



**बेंगलुरु, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

भारत ने विमानन क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने तेजस एमके1ए सीरीज का पहला विमान तैयार किया है। विमान ने 18 मिनट की सॉर्टी के साथ बंगलूरू के आसमान में पहली सफल उड़ान भरी। एचएएल ने उड़ान की वीडियो भी शेयर की है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एमके1ए सीरीज का पहला विमान तैयार किया है। विमान ने पहली सफल उड़ान बंगलूरू के आसमान में भरी है। एचएएल की तरफ से जारी बयान के मुताबिक 18 मिनट की सॉर्टी के बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग प्रक्रिया पूरी की गई। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बताया कि गुरुवार को बंगलूरू में मेड इन इंडिया स्वदेशी एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमान की पहली उड़ान पूरी की गई।एचएएल अधिकारी ने बताया कि विमान अपनी पहली उड़ान के दौरान 15 मिनट तक हवा में रहा।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की तरफ से जारी बयान के मुताबिक वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल में आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों से निपटने के लिए फरवरी 2021 में अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद एचएएल ने समय की मांग के अनुरूप डिजाइन तैयार किया। एचएएल के मुताबिक तेजस एमके-1ए विमान श्रृंखला के पहले विमान एलए-5033 का उत्पादन महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। गुरुवार को इस उड़ान का संचालन सर्टिफिकेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम (सीटीपी) से जुड़े ग्रुप कैप्टन केके वेणुगोपाल (सेवानिवृत्त) ने किया।


शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

**CHANGE OF NAME**

I Service No JC-769547A Rank - Sub Name -Mukesh Dhuliya presently residing at Village-Shivpur,PO-Kotdwara, District - Pauri Garhwal,PIN:246149, State-Uttarakhand have changed my Son name from TANISHQ DHULIYA to TANISHK DHULIYA add in my service documents Before Notary C Samuel Secunderabad dated 28/03/2024.In future, I will be known by TANISHK DHULIYA.

**CHANGE OF NAME**

I Service No 14664817F Rank - NK Name -Bahekar Gajanan Sadashiv, presently residing at H.NO-151/2, Trishul Line,Alwal, Secunderabad, PIN:500010 have changed my Daughter name from SAMRUDDHI to SAMRUDDHI GAJANAN BAHEKAR add in my service documents Before Notary C Samuel Secunderabad dated 28/03/2024.In future, I will be known by SAMRUDDHI GAJANAN BAHEKAR.

**CHANGE OF NAME**

I Service No 14664817F Rank - NK Name -Bahekar Gajanan Sadashiv, presently residing at H.NO-151/2, Trishul Line,Alwal, Secunderabad, PIN:500010 have changed my Daughter name from KHUSHI to KHUSHI GAJANAN BAHEKAR add in my service documents Before Notary C Samuel Secunderabad dated 28/03/2024.In future, I will be known by KHUSHI GAJANAN BAHEKAR.


### कश्मीरी एक्टिविस्ट ने संयुक्त राष्ट्र में दिखाया पाकिस्तान को आइना

## कश्मीर पर पाकिस्तानी दुष्प्रचार का भंडाफोड़

**न्यूयॉर्क, 28 मार्च (एजेंसियां)।**

कश्मीरी महिला कार्यकर्ता तस्लीमा अख्तर ने पाकिस्तान को आइना दिखाया है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के 55वें सत्र में तस्लीमा ने भाग लिया जहां, उन्होंने कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के दुष्प्रचार का भंडाफोड़ किया। साथ ही उन्होंने पाक सरकार समर्थित आतंकवाद को उजागर किया।



तस्लीमा ने बताया, संयुक्त राष्ट्र में, हमने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का शिकार हुए अपने निर्दोष लोगों के लिए न्याय की मांग की। हमने जम्मू-कश्मीर में चल रहे घटनाक्रम पर भी चर्चा की, जिस पर पूरी दुनिया की नजर है।

कश्मीर के बारे में निराधार और झूठे आख्यानों को खारिज करते हुए, तसलीमा ने उन पाकिस्तानी एजेंटों को बेनकाब किया, जो संयुक्त राष्ट्र में अक्सर कश्मीरी निवासी बनकर नजर आते हैं। महिला कार्यकर्ता ने कहा कि ब्रिटेन, फ्रांस और इटली जैसे विदेशी देशों में रहने वाले कुछ लोगों का अपना एजेंडा है। उनके पास कश्मीर के बारे में उचित ज्ञान और समझ का अभाव है। अगर उन्होंने विदेशों में नागरिकता हासिल कर ली है तो वे कश्मीर के बारे में कैसे बोल सकते हैं? कार्यकर्ता ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और अगस्त 2019 से जम्मू-कश्मीर में देखे गए परिवर्तन की भी सराहना की। तस्लीमा ने बताया, अनुच्छेद 370 हटने के बाद पाकिस्तान प्रायोजित पत्थरबाजी बंद हो गई है। हमने पाकिस्तान समर्थित संगठनों द्वारा किए गए दंगों और हिंसा का अंत देखा है।

जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थितियों की तुलना करते हुए, तस्लीमा महत्वपूर्ण असमानताओं पर प्रकाश डालती हैं। वह कहती हैं, हम अपनी तरफ राजमार्गों, सड़कों और स्टेशनों के निर्माण को देख रहे हैं, पीओके में लोग अपने स्वयं के दान से सड़कें बनाने के लिए मजबूर हैं। शांति और विकास के नए युग की चर्चा करते हुए तस्लीमा ने जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने की पहल की सराहना की। सामाजिक और मानवाधिकार कार्यकर्ता ने कहा, कश्मीर पर्यटन का केंद्र बन गया है, जो दुनियाभर से पर्यटकों को आकर्षित करता है। कश्मीरी महिलाएं आईएएस और आईपीएस अधिकारी के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, जो युवाओं की मानसिकता में सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है।


।। श्री हरि:हलधरो जयति ।।

**सेवा शिविर**

श्रीवल्लभाचार्य मठ (भाग्यनगर)

पुष्टिमार्गीय वैष्णवों के घर में सेवा कैसी होनी चाहिए ?

- ठाकुरजी को जगाते कैसे है ?
- ठाकुरजी के भोग साजने का सही प्रकार क्या है ?
- झारी कितनी बार भरी जानी चाहिए ?
- ठाकुरजी के स्नान, श्रृंगार करने की सही रीत क्या है ?
- ठाकुरजी के आचमन/मुख वस्त्र कैसे और कितनी बार ?
- ठाकुरजी को पोढ़ाते कैसे हैं ? शैय्या कैसी होनी चाहिए ?

जानिये ऐसे असंख्य प्रश्नों के उत्तर ... स्वयं श्री वल्लभकुल के श्रीमुख से
जगद्गुरु महाप्रभु श्रीमद् वल्लभाचार्य वंशवतंस
पूज्य गोस्वामी श्री गोविन्दरायजी महोदयश्री (जयजय)
पूज्य गोस्वामी श्रीमन्मथरायजी महारजश्री (राय साहेब) के तत्वावधान में

वैष्णवों के गृह रूपी निकुंज में बिराजमान ठाकुरजी (चित्रजी एवं लालन) की प्रामाणिक सेवा की सरलतम् पद्धति एवं उसकी भावभावना तथा प्रभु साहित्य के प्रामाणिक नाम और उसके संबोधन इत्यादि अनेक प्रकार वैष्णवों को इस शिविर में सिखाएँ जायेंगे।

शिविर दिनांक - 29 - 30 - 31 मार्च 2024

शिविर स्थल : 'श्रीवल्लभाचार्य मठ', अरिहंत सुलभ अपार्टमेन्ट, फ्लैट नं. 204, वीर सावरकर मार्ग, काचीगुडा, हैदराबाद

समय

बैच 1 : सुबह 11 से 1 | बैच 2 : दोपहर 3 से 5 | बैच 3 : सायं 7 से 9

शिविर का लाभ लेने हेतु अपना नाम निम्न मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क कर लिखाए :
अरुणाबेन डागा - 7981738258 मुरारीलाल मंत्री - 8919131354
कोमलबेन सोमैया - 8179467092 जयेशभाई ठकरार - 9440864944

जगद्गुरु महाप्रभु श्रीमद् वल्लभाचार्य वंशवतंस पूज्य गोस्वामी
श्री गोविन्दरायजी महोदयश्री (जयजय)
29 मार्च से 2 अप्रेल 2024 तक श्रीवल्लभाचार्य मठ में बिराजेंगे ।
मिलने का समय : सायं 5:00 से 7:00 बजे तक रहेगा ।

# एआरसीआई में सांझ के साथी का कवि सम्मेलन आयोजित

**हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वावधान में इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यु मेटेरियलस (एआरसीआई) द्वारा भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन होटल नोवाटेल, शमशाबाद में किया गया।

नगर के हिन्दी कवियों की सबसे पुरानी संस्था सांझ के साथी के इस कवि सम्मेलन में एआरसीआई के निदेशक डॉ. टाटा नरसिंग राव विशेष रूप से उपस्थित थे ख कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर तथा विशेष अतिथि के रूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की संयुक्त सचिव ए धनलक्ष्मी उपस्थित थीं ।

सांझ के साथी के परामर्शदाता सुप्रसिद्ध कवि वेणु गोपाल भट्टड की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन का संचालन कवि रामकृष्ण पांडेय ने कियाख देर रात तक चले इस कवि सम्मेलन में वेणु गोपाल भट्टड, रामकृष्ण पांडेय, ज्योतिनारायण, वहीद पाशा कादरी, तैयब पाशा कादरी तथा कैलाश भट्टड ने अपने काव्य पाठ से श्रोताओं को बार-बार ताली बजाने को मजबूर कर दियाख आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ संजय आर धागे एवं उपाध्यक्ष ए श्रीनिवास ने तालियों की गूंज एवं ठहाकों के बीच सम्पन्न कवि सम्मेलन के लिए सभी को धन्यवाद दियाख कार्यक्रम में एआरसीआई की जीसी कमेटी के चेयरमैन प्रो. आशुतोष शर्मा, अनुवाद अधिकारी रंभा एवं बड़ी संख्या में देश भर से आए वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.